मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	32.6	18.4
जमशेदपुर	33.0	15.8
डालटनगंज	32.4	13.3

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* * *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in सोमवार 11 मार्च 2024 ● फाल्गुन शुक्ल प्रतिपदा, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 1, अंक : 323 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND
सत्यमेव जयते

गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (GSCC) तथा मांकी मुण्डा छात्रवृत्ति योजना

का शुभारंभ कार्यक्रम

गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना की विशेषता

1 झारखण्ड राज्य स्थित मान्यता प्राप्त संस्थान से 10वीं/12वीं कक्षा उत्तीर्ण ऐसे **विद्यार्थी जो आर्थिक कारणों से उच्च शिक्षा प्राप्त करने से वंचित हैं वैसे छात्र-छात्राओं को आर्थिक सहायता प्रदान करना** ताकि छात्रों को उच्च शिक्षा के क्षेत्र/संस्थान जैसे-Engineering, Medical, Law, Research, IITs, IIMs आदि में शिक्षा प्राप्त करने में सुविधा मिले।

2 विद्यार्थियों को ऋण के रूप में **अधिकतम ₹15 लाख तक की राशि बैंकों के माध्यम से बिना किसी प्रोसेसिंग शुल्क के उपलब्ध कराई जाएगी।** विद्यार्थियों को मात्र 4% साधारण ब्याज की दर से राशि का भुगतान करना होगा, शेष ब्याज की राशि का वहन राज्य सरकार द्वारा किया जाएगा। ऋण वापसी की अवधि 15 वर्ष तक की निर्धारित की गई है जिसके लिए विद्यार्थियों से किसी प्रकार की जमानती सुरक्षा (Collateral Security) नहीं ली जाएगी। ऋण प्राप्ति के लिए किसी तरह की इनकम क्राइटेरिया निर्धारित नहीं की गई है।

3 **ऋण वापसी की प्रक्रिया पाठ्यक्रम पूर्ण होने के 1 वर्ष बाद प्रारंभ करने का विकल्प तथा अध्ययन की अवधि में ही ऋण का ब्याज चुकाने पर विद्यार्थी को ब्याज के दर में 1% की छूट भी दिए जाने का प्रावधान है।**

मुख्य अतिथि

श्री चम्पाई सोरेन

माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

के कर कमलों द्वारा

गरिमामयी उपस्थिति

श्री सत्यानंद भोक्ता
माननीय मंत्री, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग तथा उद्योग विभाग, झारखण्ड

श्री बादल पत्रलेख
माननीय मंत्री, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड

दिनांक: 11 मार्च 2024

समय: 11:30 पूर्वाह्न

स्थान : टाना भगत स्टेडियम, खेलगांव, रांची

मांकी मुण्डा छात्रवृत्ति योजना की विशेषता

1 राज्य की छात्राओं को तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने हेतु प्रोत्साहन राशि प्रदान करने के उद्देश्य से मांकी मुण्डा छात्रवृत्ति योजना जिसमें राज्य के राजकीय/निजी /P.P.P मोड पर संचालित डिप्लोमा स्तरीय कोर्स में नामांकित तथा झारखण्ड राज्य स्थित विद्यालय से **10वीं कक्षा उत्तीर्ण छात्राओं को डिप्लोमा कोर्स हेतु ₹15,000 प्रोत्साहन राशि प्रति वर्ष प्रदान की जायेगी**

2 झारखण्ड राज्य के राजकीय / निजी /P.P.P मोड पर संचालित अभियंत्रण महाविद्यालयों में बी.टेक/ बी.ई. कोर्स में **झारखण्ड राज्य के विद्यालय से 10वीं एवं 12वीं कक्षा (अथवा समकक्ष) उत्तीर्ण छात्राओं को बी. टेक/ बी.ई. कोर्स हेतु ₹30,000 प्रोत्साहन राशि प्रति वर्ष प्रदान की जायेगी।**

3 **जिस छात्रा के परिवार का विगत वर्ष में सभी प्रकार के आय के स्रोतो को मिलाकर सकल वार्षिक आय अधिकतम ₹8 लाख तक प्रति वर्ष है या लाभुक राष्ट्रीय/राज्य खाद्य सुरक्षा योजना से आच्छादित हैं उन्हें शैक्षणिक वर्ष 2023-24 से लाभ मिलेगा।**

उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, झारखण्ड सरकार

कल्पना सोरेन के बाद बसंत आए फार्म में, बाबूलाल को दी चुनौती

कहा - झारखंड की 14 में से एक भी सीट जितकर दिखा दें तो मान जाऊंगा

विशेष संवाददाता। रांची

भाभी कल्पना सोरेन के बाद उनके देवर और राज्य के नए पथ निर्माण मंत्री बसंत सोरेन पूरे फार्म में नजर आ रहे हैं. बसंत रविवार को जामताड़ा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान भाजपा और प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी पर जमकर निशाना साधा. उन्होंने पिछले दिनों के मरांडी के संथाल के कार्यक्रम का जिक्र करते हुए कहा कि बगल में नौटंकीवाला आया था. वो क्यों आया था समझ में नहीं आया. वहां नारा लग रहा था अबकि बार 400 पार. लेकिन मैं इस मंच से ऐलान करना चाहता हूं कि अबकि बार चार भी पार नहीं होगा. झारखंड की बात करें तो इसी मंच से मैं चैलेंज करता हूं कि अगर मां का लाल है, तो 14 सीट में से एक भी सीट जीत कर दिखा दे तो मैं मान जाऊंगा.

यह झारखंड हमारा है यहां के हर बच्चों का है

बसंत सोरेन यहीं नही रुके, कहा कि बड़ा चिल्ला कर कह रहा था सोरेन परिवार परिवारवाद करता है. हेमंत सोरेन जमीन लूटता है. जहां देखो हेमंत सोरेन की जमीन है. हम छाती ठोंक के कहते हैं कि है बिल्कुल है. ये पूरे झारखंड की जमीन हेमंत सोरेन की है. यहां के हर बच्चे का झारखंड है. तुम्हारा वजूद क्या है. उससे पूछना चाहिए तुम्हारा वजूद क्या है. हेमंत सोरेन ने हमेशा कहा कि हर घर में हेमंत है.

कौन बाप नहीं चाहता कि बेटा उसका बोझ संभाले

बंसत ने भाजपा और मरांडी के परिवार वाद के आरोप पर कहा कि परिवारवाद की बात करते हैं ये लोग. कौन बाप है जो नहीं चाहता कि उसका बेटा अगर लायक है तो उसका बोझ संभाले. हर वो बाप चाहता है कि मेरा बेटा लायक है तो वो बोझ संभाले. हेमंत सोरेन ने बोझ संभाला तो क्या गलती की.

इनके परिवार का पता करें तो ब्लैंक मिलेगा

बसंत सोरेन ने बाबूलाल मरांडी के परिवार पर हमला करते हुए कहा कि इनका तो परिवार ही नहीं है. परिवार का पता करिए तो ब्लैंक मिलेगा. कौन मां है कौन बीवी है, कौन बच्चा है. वो आदमी क्या समझेगा, जिसका परिवार ही नहीं. परिवार की बात करते हैं. बड़ा चिल्लाकर कहते हैं परिवारवाद.

वह किस दल से है क्या वजूद है वह भी नहीं पता

उन्होंने बाबूलाल मरांडी को कटाक्ष करते हुए कहा कि उस मंच पर एक बहुत बढ़िया नौटंकीवाला हायर किया गया था. हायर इसलिए कह रहा हूं कि वह किस दल का है पता नहीं. उसका वजूद उसको खुद पता नहीं.

भारत ने पूरे विश्व को एक कुटुंब माना : डॉ. वाजपेयी

संवाददाता। रांची

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय में व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया. इसके मुख्य अतिथि अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ के कुलपति डॉ. डीएन वाजपेयी शामिल रहे. विकास की परिकल्पना को साकार करना चाहता है और भारत ने पूरे विश्व को एक कुटुंब माना है. उन्होंने नई शिक्षा नीति की सराहना करते हुए कहा कि अपने देश के धरोहरों को पाठ्यक्रम में शामिल करने की आवश्यकता है. भारत राष्ट्र सदियों से ज्ञान को समस्त पूरे विश्व में विस्तृत करने में अपनी भूमिका का निर्वहन करते आया है. कार्यक्रम में मुख्य रूप से विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. तपन कुमार शांडिल्या शामिल रहे.

ब्रीफ खबरें

रांची-वाराणसी वंदे भारत का शुभारंभ कल होगा

रांची। 12 मार्च से रांची से वाराणसी के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन शुरू होने जा रहा है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को अहमदाबाद से वर्चुअली रांची वाराणसी वंदे भारत को हरी झंडी दिखाएंगे. इस ट्रेन के शुरू हो जाने से रांची से वाराणसी का सफर 7 घंटे 50 मिनट में पूरा किया जा सकेगा. इसमें कुल 8 कोच होंगे, जिसमें कुल 530 बर्थ होंगे. रांची से यह ट्रेन हफ्ते में गुरुवार को छोड़कर 6 दिन चलेगी. इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी रांची जोन के 3 और परियोजनाओं का उद्घाटन करने वाले हैं.

सिविल जज नियुक्ति परीक्षा 46 केंद्रों पर हुई

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग ने रविवार को सिविल जज जूनियर डिविजन की नियुक्ति के लिए परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न हुई. प्रारंभिक परीक्षा के लिए रांची में 46 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे. 138 पदों के लिए परीक्षा हुई. 138 पदों के लिए कुल 21007 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है. परीक्षा दो घंटे की हुई. परीक्षा 100 अंकों की हुई. परीक्षार्थियों को परीक्षा से 30 मिनट पहले पहुंचना था. परीक्षा देने आए परीक्षार्थियों ने कहा कि प्रश्न पत्र अच्छे थे. हमारी परीक्षा अच्छी गई है. उन्होंने प्रश्न पत्र बहुत ज्यादा कठिन बताया. परीक्षा पैटर्न अच्छा था.

झारखंड में लगेंगी 120 फैक्ट्रियां

निवेश होगा 2500 करोड़

120 प्रस्तावों को उद्योग विभाग ने दी मंजूरी

14 फैक्ट्री ऑटो कंपोनेंट के होंगे स्थापित

31 फैक्ट्रियां लगेंगी फूड सेक्टर की, मंजूरी दी गई

10 फैक्ट्रियां पीवीसी आइटम की झारखंड में करेंगी काम

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड में उद्योगों का दायरा लगातार बढ़ रहा है. वर्तमान में उद्योग विभाग ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में उद्योगों की स्थापना के लिए 120 प्रस्तावों को मंजूरी दी है. जिसमें 2500 करोड़ रुपए अधिक निवेश होने की संभावना है. वहीं प्रदेश में इस वित्तीय वर्ष में विभिन्न उत्पादों की 60 फैक्ट्रियां लग चुकी हैं, जिसमें 1825 करोड़ रुपये निवेश किया जा चुका है. झारखंड में स्टील प्रोसेसिंग की तीन यूनिटें लगाई जाएंगी. इसमें 48 करोड़ रुपये निवेश किया जाएगा. सीमेंट की तीन फैक्ट्री लगाई जाएगी, जिसमें 58 करोड़ से अधिक निवेश किया जाएगा. इथनॉल की एक फैक्ट्री में लगभग 300 करोड़ रुपये निवेश किए जाएंगे.

फर्टिलाइजर की दो फैक्ट्री में निवेश होगा 370 करोड़ : झारखंड में उर्वरक की दो फैक्ट्री लगाई जाएगी. इसमें 370 करोड़ रुपए से अधिक निवेश किया जाएगा. पेपर इंडस्ट्रीज की तीन यूनिटें भी स्थापित होंगी. इसमें 28 करोड़ रुपए निवेश किए जाएंगे. फेब्रिकेशन की 13 इंडस्ट्रीज स्थापित की जाएंगी, जिनमें 95 करोड़ रुपए से अधिक निवेश किए जाएंगे. फूड सेक्टर में 31 फैक्ट्री लगेंगी, जिसमें 123 करोड़ रुपये से अधिक निवेश किए जाने की संभावना है.

किस चीज की फैक्ट्री	कितने प्रस्ताव को मंजूरी	कितना निवेश (लाख में)
सीमेंट	03	58665.13
फूड सेक्टर	31	12337.43
इथनॉल	01	29977
फीड सेक्टर	06	2457.62
ऑटो कंपोनेंट्स	14	13184.48
एल्यूमिनियम	02	1577.29
केमिकल इंडस्ट्रीज	02	225.50
स्क्रैप प्रोसेसिंग	03	1828.6
फेब्रिकेशन	13	9584.67
स्पंज आयरन	01	1891.74
कॉपर प्रोडक्ट	01	118.56
स्टील प्रोसेसिंग	03	4790.78
इलेक्ट्रॉनिक मैन्यूफैक्चरिंग	01	231
रिफैक्ट्रीज	01	64918.6
रोलिंग मिल	01	342.2
पीवीसी आइटम	10	3231.29
ऑटोमोबाइल बॉडी	01	430
एडुकेशन	01	2275.95
स्टील इंडस्ट्रीज	11	3280.33
इंजिन ऑयल	01	82.66
वेयर हाउस	06	599.79
पेपर इंडस्ट्रीज	03	2878.67
फर्टिलाइजर	02	37012
फ्यूल	01	200

राज्यसभा चुनाव को लेकर भाजपा विधायक दल की हुई बैठक

प्रदीप व अहमद आज करेंगे नामांकन

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्यसभा चुनाव को लेकर प्रदेश भाजपा कार्यालय में भाजपा के विधायक दल की बैठक हुई, जिसमें पार्टी के सभी विधायकों को एकजुट होकर भाजपा प्रत्याशी प्रदीप वर्मा के पक्ष में वोट डालने के निर्देश दिए गए. प्रदीप वर्मा राज्यसभा चुनाव के लिए सोमवार सुबह 11:30 बजे नामांकन करेंगे. विधायक दल की बैठक में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी,प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह,मुख्य सचेतक बिरंची नारायण, सचेतक जेपी पटेल, विधायक सीपी सिंह, नीलकंठ सिंह मुंडा, अनंत ओझा, राज सिन्हा, नीरा यादव, केदार हाजरा, कोचे मुंडा, नारायण दास, अमित मंडल, समरी लाल सहित राज्यसभा के घोषित प्रत्याशी व प्रदेश महामंत्री डॉ प्रदीप वर्मा उपस्थित थे.

सरफराज अहमद का नाम फाइनल, आज नॉमिनेशन

वहीं, झामुमो के वरिष्ठ नेता और गांडेय से पूर्व विधायक डॉ. सरफराज अहमद इंडिया गठबंधन के साझा प्रत्याशी होंगे. इस पर मुहर रविवार को देर शाम मुख्यमंत्री आवास स्थित हुई गठबंधन दलों की बैठक में लगी. बैठक की अध्यक्षता गठबंधन दल के नेता एवं सीएम चंपाई सोरेन ने किया. झामुमो महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने बताया कि 11 मार्च को सुबह 11 बजे नामांकन पत्र भरेंगे.

जेएसएससी पेपर लीक मामला

कोचिंग संचालक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

रांची। जेएसएससी पेपर लीक मामले में पुलिस ने कोचिंग संचालक को पलामू से गिरफ्तार किया है. रांची पुलिस ने कोचिंग इंस्टीट्यूट संचालक पवन किशोर को रविवार को गिरफ्तार किया है. पवन किशोर पलामू के मेदिनीनगर के प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाता है. पवन का भाई रवि किशोर प्रश्न पत्र लीक मामले में मुख्य आरोपी में से एक है. रवि किशोर फरार है, जिसकी तलाश पुलिस की टीम कर रही है. जेएसएससी द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षा का प्रश्न पत्र लीक हुआ था और इसके पेपर सोशल मीडिया में वायरल हुए थे.

इंडिया गठबंधन से सीपीआई ने किया किनारा

सूबे की आठ सीटों पर लोकसभा चुनाव लड़ने का लिया निर्णय

प्रमुख संवाददाता। रांची

इंडिया गठबंधन से सीपीआई (भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी) ने किनारा कर लिया है. पूर्व सासंद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता ने रविवार को प्रेस कांफ्रेंस में यह जानकारी दी. उन्होंने कहा कि हजारीबाग, जमशेदपुर, चतरा, कोडरमा, पलामू, रांची, दुमका और गिरिडीह से उम्मीदवार उतारा जाएगा. उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन के लेटलतीफी के कारण पार्टी ने यह निर्णय लिया है.

16 मार्च को की जाएगी उम्मीदवारों की घोषणा

भुवनेश्वर प्रसाद मेहता ने कहा कि पार्टी की ओर से 16 मार्च को उम्मीदवारों की घोषणा की जाएगी. पार्टी आठ सीटों पर अपने उम्मीदवार की घोषणा करेगी. मेहता ने कहा कि पार्टी इंडिया गठबंधन से मांग करती है कि अभी भी समय है, गठबंधन सीटों पर निर्णय ले.

हर शुक्रवार-मंगलवार को सीसीएल मना रहा कोयला उत्पादन दिवस

संवाददाता। रांची

सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड के 2023-24 के 84 मिलियन टन (एमटी) के कोयला उत्पादन लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए चल रहे कर्मचारियों में जोश भरने व कोयला उत्पादन को गति देने के लिए कोयला उत्पादन दिवस मना रहे हैं. सीसीएल प्रबंधन ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के शेष दिनों में प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को कोयला उत्पादन दिवस मनाने का निर्णय लिया है. सीसीएल झारखंड के आठ जिलों - रांची, रामगढ़, हज़ारीबाग़, चतरा, बोकारो, गिरिडीह, पलामू और लातेहार में खनन गतिविधियां संचालित कर रहा है. सीसीएल द्वारा कोयले की आपूर्ति उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश और झारखंड सहित देश के अन्य राज्यों सहित देश के विभिन्न ताप विद्युत संयंत्रों को की जा रही है. महाप्रबंधकों व विभागाध्यक्षों के प्रतिनिधियों वाली एक उच्च-स्तरीय समिति, खनन और अन्य गतिविधियों से जुड़े कार्यबल को प्रेरित करने के लिए कोयला क्षेत्रों का नियमित रूप से दौरा कर रही है. सीएमडी, सीसीएल डॉ. बी. वीरा रेड्डी और निदेशकगणों द्वारा नियमित रूप से उत्पादन की समीक्षा भी की जा रही है. 84 एमटी के वार्षिक कोयला उत्पादन लक्ष्य को प्राप्त करने के अलावा, सीसीएल 84 एमटी के प्रेषण लक्ष्य और 127 मिलियन क्यूबिक मीटर (एमसीयूएम) के ओवर बर्डन रिमूवल (ओबीआर) को भी पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है. अब तक सीसीएल ने 7 मार्च, 2024 तक 76.25 एमटी (प्रोविजनल), 77.04 एमटी (प्रोविजनल) और 113.22 एमसीयूएम (प्रोविजनल) का उत्पादन हासिल कर लिया है. सीसीएल पिछले साल हुए कोयला उत्पादन यानी 76एमटी के माइलस्टोन को 7 मार्च 2024 को हासिल कर लिया है.

सीसीएल की पूरी टीम अपने सीएमडी डॉ वीरा रेड्डी के नेतृत्व में अपने लक्ष्य को पाने के लिए कदम उठा रही है.

अक्सर गोलियों की गूंज व बम के धमाकों से थरथराता है धनबाद

कोयले को लेकर वर्षों से वर्चस्व की लड़ाई जारी

सौरभ सिंह। रांची

धनबाद और आस पास के इलाकों में कोयला व्यवसाय और अपराध का रिश्ता जगजाहिर है. कोयले का खेल खेलने वाले भले ही सफेदपोश हों, मगर उनके धंधे में सब कुछ काला ही काला है. इस खेल में गोली, बम व सिर फुटव्वल आम बात है. धनबाद जिले का कई इलाका कोयले के वर्चस्व की लड़ाई को लेकर अक्सर गोलियों की गूंज और बम के धमाकों से थरथराता रहा है. पुलिस, सीआईएसएफ सहित पूरा प्रशासन इस खेल को रोकने का प्रयास करते तो जरूर हैं, लेकिन यह रुकता नहीं है.

कभी गोली चली, तो कभी हुई हिंसक भिड़ंत

8 मार्च 2024 : धनबाद के जोगता थाना क्षेत्र स्थित बीसीसीएल एरिया 5 के सिजुआ मोदीडीह कोलयरी में संचालित तेतुलमुड़ी कोल डंप में वर्चस्व को लेकर दो गुटों में हिंसक झड़प हुई थी. इस दौरान दोनों गुटों ने एक-दूसरे पर जमकर फायरिंग और बमबाजी की थी. साथ ही पुलिस और मजिस्ट्रेट की गाड़ी पर भी पथराव किया था.

24 फरवरी 2024 : धनबाद जिले के गोपालीचुक कोयला खदान क्षेत्र में एक कोयला लदान-ढुलाई क्षेत्र में वर्चस्व स्थापित करने को लेकर दो गुटों के बीच झड़प हुई थी. इस दौरान एक व्यक्ति को गोली लग गयी थी. जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था.

09 सितंबर 2023 : धनबाद जिले के जोगता थाना क्षेत्र में अवैध कोयला कारोबार में वर्चस्व को लेकर दो पक्ष में खूनी संघर्ष की घटना हुई थी. एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के युवक को गोली मार दी थी.

10 सितंबर 2023 : धनबाद के कतरास में कोयला तस्करी के वर्चस्व में अंधाधुंध फायरिंग हुई थी. इस दौरान गोली लगने से एक युवक की जान चली गयी थी. युवक की मौत के बाद स्थानीय लोग आक्रोशित हो गये थे और करीब तीन घंटे तक सड़क जाम कर दी थी.

20 अगस्त 2023 : धनबाद के धर्माबांध ओपी क्षेत्र के तेतुलिया सात नंबर में अवैध कोयले के वर्चस्व को लेकर दो गुटों में जमकर मारपीट हुई थी. इस दौरान फायरिंग भी की गयी थी.

14 अगस्त 2023 : धनबाद में अवैध कोयला खनन को लेकर जीतपुर अस्पताल कॉलोनी निवासी अमित कुमार सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी.

05 जुलाई 2023 : धनबाद में कोयला के वर्चस्व की जंग में चांदमारी कोल डंप में दो गुटों के बीच गोलियां चली थीं. जिसमें कई लोग घायल हुए थे.

8 जनवरी 2023 : धनबाद के झरिया के तिसरा इलाके में सिंह मेंशन समर्थक अविनाश सिंह उर्फ सोनू को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया था.

बाकी बचे 7 विषयों के पीजीटी का रिजल्ट जारी, धरना समाप्त

संवाददाता। रांची

राजभवन के सामने धरना दे रहे पीजीटी के अभ्यर्थियों ने अपना प्रदर्शन समाप्त कर दिया है. जेएसएससी ने पीजीटी के बाकी 7 विषयों का रिजल्ट जारी कर दिया गया है. इसके बाद अभ्यर्थियों ने धरना समाप्त किया. ये पिछले पांच दिनों से धरना पर थे. उन्होंने छठे दिन अपना धरना समाप्त किया. जेएसएससी ने पीजीटी के बचे 7 विषयों का रिजल्ट जारी कर दिया है. रिजल्ट शनिवार की रात को ही रिजल्ट जारी कर दिया गया था. क्वालिफाई अभ्यर्थियों के प्रमाण पत्रों की जांच 13 से 16 मार्च तक होगी. जांच प्रक्रिया दो पालियों में होगी. पहली पाली की जांच 10:30 से 1:30 बजे और दूसरी पाली की जांच 2:30 से 5:30 तक होगी. जिन अभ्यर्थियों का जांच नहीं हो पायी या किसी कारण से छूट गया, तो उसे अंतिम अवसर 20 मार्च को दिया जाएगा.

खास बातें

- रिजल्ट के लिए राजभवन के पास धरने पर बैठे थे अभ्यर्थी
- सफल अभ्यर्थियों के प्रमाण पत्रों की जांच 13 मार्च से

लगाये आरोप जेएसएससी-जेपीएससी से चार साल में 3000 से ज्यादा नियुक्तियां नहीं हुईं

सरकार प्रदेश की 70% नौकरी बाहरियों को बेच रही : अमित मंडल

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा के विधायक और प्रदेश प्रवक्ता अमित मंडल ने आरोप लगाया है कि झारखंड सरकार राज्य की 70 फीसदी नौकरी बाहरियों को दे रही है. परीक्षा कराने वाली एजेंसियां पैसे लेकर 70 फीसदी से अधिक सीटें दूसरे राज्यों के युवाओं को बेच दे रही है. उन्होंने कहा कि हाल ही में नगर विकास विभाग में जेई पद पर नियुक्ति हुई.

इसमें 70 फीसदी से ज्यादा बाहरी अभ्यर्थी नियुक्त हुए हैं. यूपी, बिहार, पश्चिम बंगाल के साथ-साथ तमिलनाडु के लोग झारखंड की नौकरियां ले गये. कहा कि पूर्व की हेमंत सरकार ने 60-40 की नीति के तहत राज्य की सरकारी नौकरियों में 40 फीसदी पद बाहरियों के लिए खोल दिया था. राज्य के युवा और भाजपा के विरोध के बाद सरकार को झुकना पड़ा था.

पूर्व सीएम हेमंत सोरेन ने विधानसभा में कहा था कि बाहरियों को थर्ड और फोर्थ ग्रेड की नौकरियां किसी हाल में नहीं देंगे, लेकिन यह सिर्फ आईवॉश था. आंदोलन खत्म होते ही झारखंड की सरकारी नौकरियां बाहरियों को बेच दी गई. अमित मंडल प्रदेश भाजपा मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे.

5 लाख नौकरी का वादा कर दिये सिर्फ

अमित मंडल ने कहा कि 2019 के चुनाव में झामुमो ने अपने घोषणापत्र में युवाओं को हर साल 5 लाख सरकारी नौकरी देने का वादा किया था. लेकिन हकीकत यह है कि 4 साल में यह सरकार जेएसएससी और जेपीएससी के माध्यम से तीन हजार से अधिक नियुक्तियां नहीं कर पाई. इन चार सालों में एपीपी पद पर 107 नियुक्तियां हुई. 129 कृषि पदाधिकारी, 37 प्रयोगशाला सहायक, 217 आयुष चिकित्सक, 617 जेई और 32 पशु चिकित्सक नियुक्त हुए. बाकी जो नियुक्तियां हुई, वे हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट में चली गई.

रघुवर सरकार में 20 फीसदी से ज्यादा बाहरियों को नहीं मिली थी नौकरी

मंडल ने कहा कि सवाल ये है कि सरकार सीटों का बंदरबांट क्यों कर रही है. दरअसल सरकार ने जेपीएससी और जेएसएससी को अपना कमीशन हाउस बना दिया है. सरकार एजेंसियों के माध्यम से बाहरियों को नौकरी बेच दे रही है. यही कारण है कि ब्लैकलिस्टेड कंपनियों को काम दिया गया है. उन्होंने कहा कि इससे पहले रघुवर दास की सरकार ने 1985 के स्थानीय नीति के तहत 1 लाख से अधिक सरकारी नौकरियां दी. इन नौकरियों में सिर्फ 15 से 20 फीसदी बाहरियों को जगह मिली थी, जबकि झामुमो सरकार युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ कर रही है. चुनाव में जनता सरकार में शामिल सभी दलों को सबक सिखायेगी.

CLASSIFIED

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

चुनावी समर 2024

सोमवार 11 मार्च 2024 ● फाल्गुन शुक्ल प्रतिपदा, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 1, अंक : 323 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

विकसित भारत,संविधान की रक्षा और चुनाव आयोग के मुद्दे उछले

देश देख रहा कि मोदी दूसरी मिट्टी का बना है

भारत विकसित बने, इसके लिए ही लगातार दौड़ रहा

आजमगढ़। पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को पूर्ववर्ती विपक्षी दलों की सरकारों पर प्रहार करते हुए कहा, आज विकास ही मेरी अनंत यात्रा का अभियान है और मैं 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाने के लिए दौड़ रहा हूं तथा देश को तेज गति से दौड़ा रहा हूं. उन्होंने कहा, 2019 में मैं कोई भी योजना घोषित करता और शिलान्यास करता तो पहली सुर्खी यही बनती कि यह तो चुनाव है इसलिए हो रहा है. आज देश देख रहा है कि मोदी दूसरी मिट्टी का इंसान है. 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए दौड़ रहा हूं और देश को तेज गति से दौड़ा रहा हूं. अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर का इंतजार पूरा हो गया. अयोध्या, बनारस, मथुरा और कुशीनगर के विकास से पर्यटन तेजी से बढ़ा है और उसका लाभ पूरे राज्य को मिल रहा है. यही गारंटी 10 साल पहले मोदी ने दी थी और आज आपके आशीर्वाद से वह गारंटी पूरी हो रही है.

राहुल का भाजपा सांसद के 400 सीट वाले बयान पर तंज

मोदी जी का अंतिम लक्ष्य संविधान को खत्म करना है

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि भाजपा सांसद का बयान कि उन्हें 400 सीट संविधान बदलने के लिए चाहिए, मोदी व उनके संघ परिवार के छिपे मंसूबों का सार्वजनिक ऐलान है. राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, मोदी और भाजपा का अंतिम लक्ष्य बाबा साहेब के संविधान को खत्म करना है. उन्हें न्याय, बराबरी, नागरिक अधिकार और लोकतंत्र से नफरत है. राहुल ने कहा, वे समाज को बांटना, मीडिया को गुलाम बनाना, अभिव्यक्ति की आज़ादी पर पहरा और स्वतंत्र संस्थाओं को पंगु बनाकर विपक्ष को मिटाने की साजिश कर रहे हैं. वे भारत के महान लोकतंत्र को संकीर्ण तानाशाही में बदलना चाहते हैं. राहुल गांधी ने कहा कि वो अंतिम सांस तक संविधान से मिले लोकतांत्रिक अधिकारों की लड़ाई लड़ते रहेंगे.

आयुक्त गोयल के इस्तीफे पर अखिलेश ने उठाये सवाल

चुनाव आयोग पर आखिर किसका दबाव, सरकार बताये

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अरुण गोयल के चुनाव आयुक्त पद से इस्तीफा देने पर रविवार को कहा कि इससे सीधा सवाल उठता है कि आखिर चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था पर किसका दबाव है. उन्होंने कहा, भाजपा की सरकार में कई बार ऐसा हुआ है, जहां भी दबाव पड़ा अफसरों को नौकरी छोड़कर जाना पड़ा, आयोग छोड़कर जाना पड़ा. पीएम मोदी द्वारा में योजनाओं के लोकार्पण को दिखावा करार देते हुए यादव ने कहा, यह केवल दिखावा है. चुनाव आ गया है इसलिए दिखाना है कि हमने काम किया है. मोदी दूसरे के काम को अपना काम बता रहे हैं. यादव ने कहा, 2014 में जब भाजपा की सरकार आई थी तब गैस सिलेंडर और डीजल-पेट्रोल के दाम कितने थे, सरसों के तेल के दाम कितने थे. आज कितना है. पहले यह लोग (सरकार) मुनाफा कमा लेते हैं, उसके बाद 100 रुपये कम कर देते हैं.

टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने किया सचेत

सावधान! मोदी की गारंटी की कोई भी वॉरंटी नहीं है

कोलकाता। टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने रविवार को कहा कि मोदी की गारंटी की कोई वॉरंटी नहीं है. बनर्जी ने साथ ही भाजपा के नेताओं को बाहरी और बंगाल विरोधी करार दिया जो केवल चुनाव के दौरान राज्य में आते हैं. राज्य की जनता राज्य का धन रोकने के लिए भाजपा को चुनाव में मुंहतोड़ जवाब देगी. मोदी की गारंटी की कोई वॉरंटी नहीं है. केवल ममता बनर्जी वादे निभाती हैं. भाजपा के नेता बंगाल विरोधी हैं और उन्होंने राज्य के धन को रोक कर रखा है. ईडी-सीबीआई की रेड का कोई नतीजा नहीं निकलेगा क्योंकि वे तो चुनाव में भाग लेंगे नहीं. ममता बनर्जी ने भाजपा के दबाव के आगे न झुकने के लिए चुनाव आयुक्त गोयल की सराहना की और कहा कि चुनाव में भाजपा की हार होगी. गोयल का इस्तीफा बताता है कि भाजपा चुनावों में वोट लूटने का प्रयास कर रही है.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	61,600
चांदी (किलो)	77,000

ब्रीफ खबरें

जरदारी ने 14वें राष्ट्रपति के रूप में ली शपथ

इस्लामाबाद। आसिफ अली जरदारी ने रविवार को पाकिस्तान के 14वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली. एक दिन पहले उन्हें भारी मतों के अंतर से देश के नये राष्ट्राध्यक्ष के रूप में चुना गया था.

टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंचा भारत

दुबई। भारत ने धर्मशाला में इंग्लैंड को करारी शिकस्त देकर पांच मैच की श्रृंखला 4-1 से जीतकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की नवीनतम टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक स्थान हासिल कर लिया.

कांग्रेस के कई नेता भाजपा में शामिल

जयपुर। आगामी लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस की राजस्थान इकाई को करारा झटका देते हुए राज्य की पूर्व सरकार में मंत्री रहे राजेंद्र यादव और लाल चंद कटारिया सहित कई नेता रविवार को भाजपा में शामिल हो गये.

चीता गामिनी ने पांच शावकों को जन्म दिया

भोपाल। मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में चीता गामिनी ने रविवार को पांच शावकों को जन्म दिया, जिसके साथ देश में चीतों की कुल संख्या बढ़कर 26 हो गई. केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव ने यह जानकारी दी. केन्द्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने एक्स पर पोस्ट किया, पांच शावक, कूनो! दक्षिण अफ्रीका के त्वालु कालाहारी रिजर्व से लाई गई लगभग पांच वर्ष की मादा चीता गामिनी ने आज पांच शावकों को जन्म दिया.

चंपाई ने गिरिडीह व जामताड़ा में सैकड़ों करोड़ की योजनाओं का किया शिलान्यास

बहरूपिया है भाजपा, उसकी गारंटी में मत फंसना: सीएम

शुभम संदेश टीम। गिरिडीह/जामताड़ा

सीएम चंपाई सोरेन ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी बहरूपिया है. उसकी गारंटी में मत फंसिएगा, नहीं तो फिर धोखा हो जाएगा. यहां की धरती में खनिज भरा पड़ा है, हमलोग ऐसी व्यवस्था लाएंगे कि यहां आदिवासी पिछड़ा अपने पैरों पर खड़े होंगे. भाजपा के कारण ही अबुआ आवास लाना पड़ा. सीएम रविवार को गिरिडीह के पीरटांड़ में 639 करोड़ की मेगा लिफ्ट सिंचाई परियोजना के शिलान्यास कार्यक्रम में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि डीवीसी यहां के जमीन, पानी, कोयला उपयोग किया, लेकिन यहां खेतों में काम करने वाले मजदूरों के बारे में नहीं सोचा. लोगों से अपील करते हुए कहा कि आप भूमि पुत्र हैं, आपको इसे संवारना होगा, बाहर से आकर लोग तीन तल्ला बिल्डिंग खड़ा कर ले रहा है और जो यहां है उसके पास कुछ नहीं है.

हर खेत को मिलेगा 12 महीने पानी : सीएम ने कहा कि भौगोलिक स्थिति की वजह से यहां हर खेत पानी पहुंचाना एक जटील व्यवस्था है इसके लिए पाइप लाइन से पानी आपके खेतों में पहुंचाया जाएगा. पीरटांड़ मेगा लिफ्ट सिंचाई योजना से हर खेत को 12 महीने पानी मिलेगा. हर किसान खुद समृद्ध होगा. आपका जो खपरैल घर है वो भी बदल जाएगा. सरकार आपके द्वार योजना से ग्रामीणों का आवेदन मिला है. जल्द ही निपटारा होगा. इससे पीरटांड़ प्रखंड के 165 गांवों के एक लाख से अधिक लोग लाभान्वित होंगे.

हर खेत में सालोंभर पहुंचेगा पानी

विकास देख बीजेपी के पेट में हो रहा दर्द : झारखंड में विकास देखकर बीजेपी के पेट में दर्द हो रहा है. जांच एजेंसी पर सवाल खड़ा करते हुए सीएम ने कहा कि किसी एक पार्टी के इशारे पर जांच एजेंसी काम नहीं करे. हर गांव से सड़क से जोड़ा जा रहा है. बीजेपी ने अपने कार्यकाल में केवल वादा किया, लेकिन धरातल पर कार्य नहीं हुआ. बीजेपी ने हमेशा से झारखंड को ठगने का काम किया है.

लड़ेंगे, जीतेंगे, झारखंड झुकेगा नहीं : कल्पना

साहिबगंज। बरहेट प्रखंड स्थित नौगछिया मैदान में रविवार को झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की धर्म पत्नी कल्पना सोरेन और अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफीजुल हसन ने सभा की. सभा को संबोधित करते हुए कल्पना ने कहा कि इस क्षेत्र में आदिवासियों ने कभी भी गुलामी बर्दाश्त नहीं की है. यहां से अंग्रेजों को मार भगाया है, ऐसे में उक्त बलिदानियों को कैसे भूल सकते हैं. जिस तरीके से झारखंड के पूर्वजों ने आजादी का सपना देखा था, जिस समय किसी ने भी अंग्रेजों के अत्याचार को खत्म करने के बारे में सोचा भी नहीं था, उस समय आदिवासियों ने अंग्रेजों से लोहा लिया था. आदिवासियों ने तकलीफ को झेलते हुए गुलामी के खिलाफ जंग छेड़ा था. जिसमें दिशोम गुरु शिबू सोरेन की अहम भूमिका थी. कल्पना सोरेन ने कहा कि हमारे बाबा ने अपना गांव इसलिए छोड़ा था कि उस समय महाजनी प्रथा और अंग्रेजों का अत्याचार चरम सीमा पर था. ये उस दर्द की कहानी है जो शिबू सोरेन को दिशोम गुरु बनाया है. -शेष पेज 11 पर

> हेमंत सोरेन जिंदाबाद का नारा इतना जोर से लगाइए कि आवाज होटवार की सलाखों को पार कर हेमंत के कानों तक पहुंचे

जामताड़ा में बरबेंदिया 4 लेन पीएससी ब्रिज का शिलान्यास

रांची/जामताड़ा। सीएम चंपाई सोरेन ने कहा है कि हमारी सरकार झारखंडियों की सरकार है. हमारी सरकार जनता की हितैषी सरकार है. भाजपा वाले जनविरोधी हैं. हमारी सरकार किसानों के हित में काम करती है, विद्यार्थियों के हित में काम करती है, गरीबों, दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों, आदिवासियों और विधवा के बारे में सोचती है. सीएम ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी कहते थे कि 2022 तक सभी को अपना पक्का मकान देंगे. लेकिन, झारखंड को पक्का मकान नहीं दिया. तब हेमंत सोरेन ने अपने दम पर अबुआ आवास योजना की शुरुआत की. सीएम चंपाई सोरेन रविवार को जामताड़ा के वीरग्राम फुटबॉल मैदान में आयोजित जामताड़ा-निरसा पथ पर उच्चस्तरीय पुल के निर्माण के शिलान्यास कार्यक्रम में बोल रहे थे.

पुल की खासियत

- **263.88** करोड़ से बनेगा 4 लेन पीएससी पुल
- **1584** मीटर होगी 4 लेन पीएससी ब्रिज की लंबाई
- **1400** मीटर का पहुंच पथ भी बनेगा
- **2984** मीटर होगी पुल की कुल लंबाई

हर जगह हेमंत हैं. फिर कौन-सी जमीन तलाश रहे हो: बसंत

इस मौके पर मंत्री बसंत सोरेन ने बाबूलाल मरांडी पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछले दिनों एक नौटंकी वाला यहां आया था. बहुत भीड़ थी. ये हायर किया हुआ नौटंकीवाला है. वह कह रहा था-अबकी बार 400 पार. चिल्ला-चिल्ला कर कह रहा था कि सोरेन परिवार परिवारवाद करता है. हेमंत सोरेन जमीन लूटता है. फिर बसंत सोरेन ने कहा- हेमंत सोरेन ने हमेशा एक बात कही कि हर घर में हेमंत है. जब हर घर में हेमंत है, तो तुम हेमंत को ढूंढ़ रहे हो साहिबगंज से बहरागोड़ा? हर जगह हेमंत सोरेन है. फिर कौन-सी जमीन तलाश रहे हो.

बंगाल में 'इंडिया' गठबंधन को झटका

ममता ने घोषित किये सभी सीटों पर प्रत्याशी

एजेंसी। कोलकाता

पश्चिम बंगाल में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है. टीएमसी सुप्रीमो और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अलग चुनाव के ऐलान के साथ रविवार को सभी 42 सीटों पर उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया. खास बात ये रही कि बहरामपुर सीट से ममता ने क्रिकेटर यूसुफ पठान को टिकट दिया है. इस सीट से अधीर रंजन चौधरी सांसद हैं. यह उनकी परंपरागत सीट है. वे यहां से 1999 से सांसद हैं. माना जा रहा है कि यूसुफ पठान के उतरने से इस सीट पर मुकाबला रोचक हो गया है. दरअसल, अधीर रंजन चौधरी हर मुद्दे पर ममता सरकार को घेरते रहे हैं. जब कांग्रेस और टीएमसी के बीच बंगाल में सीट शेयरिंग को लेकर बातचीत चल रही थी. तब भी अधीर रंजन ममता सरकार को घेरने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे थे. टीएमसी नेताओं ने भी कांग्रेस के साथ गठबंधन न होने के पीछे की वजह अधीर रंजन चौधरी को बताया था. अब ममता ने अधीर रंजन को घेरने के लिए चर्चित क्रिकेटर यूसुफ पठान को मैदान में उतारा है. टीएमसी ने जिन सीटों पर नामों का ऐलान किया है उनमें कई बड़े नाम भी शामिल हैं. पार्टी ने बैरकपुर सीट से अर्जुन सिंह का टिकट भी काटा है. पार्टी ने नुसरत जहां का टिकट भी काटा है. नुसरत जहां की लोकसभा सीट बसीरहाट से हाजी नुरुल इसलाम को उतारा गया है. वहीं, पूर्व क्रिकेटर कीर्ति आजाद को भी बर्धमान-दुर्गापुर से उम्मीदवार बनाया है.

बहरामपुर सीट का जातिगत समीकरण : 2011 की जनगणना के मुताबिक, बहरामपुर लोकसभा सीट पर करीब 52% मुस्लिम वोटर हैं. जबकि यहां 13.2% एससी और 0.9% एसटी वोटर हैं. ऐसे में ममता बनर्जी ने इस सीट से कांग्रेस के मुस्लिम वोट को काटने के लिए मुस्लिम उम्मीदवार पर दांव खेला है. -उम्मीदवारों की पूरी लिस्ट देखें पेज 12 पर

अधीर रंजन ने किया दीदी की नाक में दम, तो उनके खिलाफ उतार दिया यूसुफ पठान को

लिस्ट में बड़े चेहरे

- डायमंड हार्बर से अभिषेक बनर्जी
- जादवपुर से मिमी चक्रवर्ती की जगह एक्ट्रेस सायोनी घोष
- कृष्णानगर से महुआ मोइत्रा फिर मैदान में
- आसनसोल से अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा फिर मैदान में
- बीरभूम से शताब्दी रॉय
- बर्धमान दुर्गापुर से क्रिकेटर कीर्ति आजाद
- बहरामपुर से क्रिकेटर यूसुफ पठान
- हुगली सीट से एक्ट्रेस रचना बनर्जी

दिवाकर गंझू के दस्ते के साथ पुलिस की मुठभेड़

सर्च ऑपरेशन जारी

संवाददाता। हजारीबाग/बड़कागांव

टीपीसी कमांडर दिवाकर गंझू उर्फ प्रताप के दस्ते के साथ रविवार को पुलिस की मुठभेड़ हुई है. यह घटना जिले के बड़कागांव थाना क्षेत्र के आंगो पंचायत में चरका पत्थर जंगल में रविवार को हुई. जानकारी के मुताबिक, पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह को उग्रवादियों के जुटे होने की गुप्त सूचना मिली थी. इसे लेकर दिन के करीब 11 बजे पुलिस टीम सर्च अभियान चला रही थी. इसी दौरान टीपीसी उग्रवादी पुलिस को देख कर भागने लगे.

लेकिन, पुलिस टीम द्वारा नक्सलियों की घेराबंदी कर एसपी को सूचना दी गई. जानकारी मिलते ही अतिरिक्त पुलिस बल के साथ एसपी अरविंद कुमार सिंह मौके पर पहुंचे गए. पुलिस की बड़ी तादात देख कर उग्रवादी ताबड़तोड़ गोलीबारी करने लगे. अभियान का नेतृत्व टीपीसी उग्रवादी संगठन का एरिया कमांडर दिवाकर गंजू कर रहा था. उग्रवादी 10 की संख्या में थे.

- 10 की संख्या में थे उग्रवादी, गोली लगने से एक घायल
- पुलिस ने 20 और उग्रवादियों ने चलाई 60 राउंड गोली

पुलिस को भारी पड़ता देख भाग खड़े हुए उग्रवादी

पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि पिछले एक माह से लगातार टीपीसी उग्रवादियों द्वारा लेवी के लिए धमकी देने को सूचना मिल रही थी. इस बीच गुप्त सूचना मिलने पर यह कार्रवाई की गई. पुलिस को देखकर उग्रवादी गोलीबारी करने लगे. उग्रवादियों ने भी 60 राउंड से ज्यादा गोली चलाई है, , जिसके जवाब में पुलिस द्वारा जवाबी कार्रवाई करते हुए 20 राउंड गोली चलाई गई. उन्होंने बताया कि उग्रवादियों की संख्या 10 के करीब थी. एसपी ने यह भी बताया कि एक उग्रवादी पुलिस पर निशाना ले रहा था, इसी बीच हमारे एक जवान ने गोली चलाई, जो कि उग्रवादी के हाथ में लगी.

चिंतनीय यूडीआईएसई पोर्टल पर 44,408 स्कूल, बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर विभाग गंभीर नहीं

झारखंड में 43,464 स्कूलों ने डेटा ही अपलोड नहीं किया

रजनीश प्रसाद। रांची

यूनिफायड डिस्ट्रिक्ट इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन (यूडीआईएसई) के पोर्टल पर झारखंड के सभी स्कूलों को अपने बच्चों के स्वास्थ्य से संबंधित पूरी जानकारी अपलोड करनी थी. केंद्रीय शिक्षा विभाग ने इसके लिए 9 मार्च तक का समय तय किया था, लेकिन झारखंड के स्कूल प्रबंधकों ने इसे गंभीरता से लिया ही नहीं. नतीजन मात्र 2.01 % स्कूल प्रबंधन ही बच्चों से संबंधित डेटा अपलोड कर पाया. बाकी के 98 % स्कूलों के जिम्मेवारों ने डेटा अपलोड करने में दिलचस्पी ही नहीं दिखाई. इसमें बच्चों के स्वास्थ्य से संबंधित जानकारियां देनी थी. झारखंड के 44,408 स्कूलों में से केवल 944 ही यूडीआईएसई में छात्रों का डाटा अपलोड कर पाया है. - शेष पेज 11 पर

गुमला मात्र 5% का आंकड़ा छू पाया

झारखंड में गुमला ही एकमात्र जिला है, जो 5 % का आंकड़ा छू पाया है. बोकारो, धनबाद, गोड्डा, हजारीबाग, कोडरमा और पाकुड़ जिला 1 % के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच पाया है. राज्य के अन्य जिलों की स्थिति भी कुछ ऐसी ही है. इससे स्पष्ट होता है कि राज्य के सरकारी स्कूल बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर तमिक भी चिंतित नहीं.

पाकुड़ के एक भी स्कूल ने डाटा लोड नहीं किया : शिक्षा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार झारखंड का एक मात्र जिला पाकुड है, जहां से एक भी स्कूल का विद्यार्थियों का डेटा अपलोड नहीं किया है. पाकुड़ में कुल 1148 विद्यालय हैं, जिसमें एक भी स्कूल ने केंद्र द्वारा मांगी गयी जानकारी को गंबीरता से लिया ही नहीं.

...क्या करना है यूडीआईएसई में

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के पत्र के अनुसार, यूडीआईएसई में प्रत्येक छात्र से संबंधित जानकारी जैसे छात्र की ऊंचाई (सेमी में), छात्र का वजन (किलो में), ब्लड ग्रुप सहित उसके स्वास्थ्य से संबंधित पूरा विवरण भरना है. इसके अलावा मध्याह्न योजना के तहत सरकारी स्कूलों को ऊंचाई व वजन मापने की मशीन खरीदने के लिए पिछले वर्ष राशि उपलब्ध करायी गयी है. इसकी जानकारी भी यूडीआईएसई छात्र डेटाबेस मैनेजमेंट सिस्टम में अपलोड करना है. डेटा छात्रवार अपलोड करना है.

15.80 % विद्यार्थियों का ही डेटा हुआ अपलोड

- पिछले साल विद्यार्थियों की संख्या : 71,66,162
- इस साल विद्यार्थियों की संख्या : 67,84,689
- अपलोड विद्यार्थियों की संख्या: 10,72,044
- बाकी विद्यार्थियों की संख्या : 57,12,645

रिम्स ओपीडी

विभाग	डॉक्टर का नाम
मेडिसिनः	डॉ विद्यापति
सर्जरीः	डॉ शीतल मलुआ
कार्डियोलॉजीः	डॉ प्रकाश कुमार
ऑर्थोपेडिकः	डॉ विनय प्रभात
न्यूरोसर्जरीः	डॉ सीबी सहाय
टीबी एवं चेस्टः	डॉ ब्रजेश मिश्रा
ऑब्स गायनीः	डॉ एसबी सिंह
सीटीवीएसः	डॉ अंशुल कुमार
न्यूरोलीजीः	डॉ सुरेंद्र कुमार
ईएनटीः	डॉ आरके चौधरी
सायकेट्रीः	डॉ अजय बाखला
प्लास्टिक सर्जरीः	डॉ विक्रांत
पीएमआरः	डॉ अमित चैतन्य
रेडिशन ऑन्कोलॉजीः	डॉ अनूप
सर्जिकल ऑन्कोलॉजीः	डॉ अजीत कुमार कुशवाहा
यूरोलॉजीः	डॉ अरशद जमाल व डॉ राणा प्रताप सिंह

सदर अस्पताल

- मेडिसिनः डॉ बीएन पोद्दार, डॉ रुचिका
- कार्डियोलॉजीः डॉ राकेश झा
- यूरोलॉजीः डॉ पंकज कुमार
- पीडियाट्रिक सर्जरीः डॉ मोहम्मद इमरान
- ऑब्स एंड गायनीः डॉ वंदिता, डॉ समरीना कमल और डॉ उमा सिन्हा
- पीडियाट्रिक(शिशु रोग): डॉ अमरेश
- हेमाटोलॉजीःडॉ अभिषेक रंजन
- गैस्ट्रोएंटरोलॉजीः डॉ जयंत घोष

शहर में आज

1. झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी की बैठक, कांग्रेस भवन में दिन के 11 बजे
2. राज्यसभा चुनाव को लेकर नामांकन, विधानसभा में दिन के 11.30 बजे
3. इंटरनेशनल ट्रेड फेयर मोरहाबादी मैदान में दिन के 11 बजे
4. गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड का शुभारंभ, खेलगांव, टाना भगत स्टेडियम में दिन के 11 बजे
5. शहर के अन्य हिस्सों में कार्यक्रम दिन के 10 बजे से

ब्रीफ खबरें

लंबित मांगों को पूरा करें सीएम : महासंघ

रांची। झारखंड राज्य कर्मचारी महासंघ के राज्य अध्यक्ष आदिल जहीर ने राज्य के मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन, मुख्य सचिव एल ख्यांगते से मांग की है. उनकी लंबित मांगों में सरकारी कर्मियों की सेवानिवृत्ति की उम्र सीमा 60 वर्ष से बढ़कर 62 वर्ष करने, सचिवालय सहित सभी विभागों चतुर्थ वर्गीय कर्मियों को सीधे तृतीय वर्ग में प्रोन्नति, रिम्स में कार्यरत नर्स सहित अन्य को पुरानी पेंशन का लाभ, वन विभाग एवं ग्रामीण कार्य विभाग के दैनिक कर्मियों का समायोजन सहित अनुबंध कर्मियों का नियमितीकरण और बेरोजगारों को रोजगार के साथ ठीकेदारी प्रथा एवं मानदेय प्रथा पर रोक लगाते हुए सरकारी बहाली आदि शामिल है.

हेमंत के रिहा होने तक करेंगे संघर्ष : मुश्ताक

रांची। हेमंत सोरेन के समर्थन में झामुमो का उपवास कार्यक्रम 25 वें दिन भी जारी रहा. रांची के मोरहाबादी मैदान स्थित बापू वाटिक के समक्ष आयोजित उपवास कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे रांची जिलाध्यक्ष मुस्ताक आलम ने कहा कि हम यह संघर्ष और मुहिम तबतक चलाते रहेंगे, जबतक हमारे नेता हेमंत सोरेन रिहा नहीं हो जाते. न्याय यात्रा के माध्यम से भी यह बताने का काम किया जा रहा है कि केंद्र की भाजपा सरकार ने बिना किसी सबूत के हेमंत सोरेन को मुख्यमंत्री पद से हटा कर जेल भेजने का काम किया है. इसका जवाब आम जनता और कार्यकर्ता को 2024 के चुनावों मे देना है और जनता का काफी स्नेह और सहयोग झामुमो को प्राप्त हो रहा है.

राजनीतिक गलियारे में हरिहर महापात्रा को लेकर हो रही तरह-तरह की चर्चा

क्या आज नामांकन करेंगे मुंबई के बिजनेसमैन हरिहर महापात्रा या लौट जाएंगे

कौशल आनंद। रांची

मुंबई के करोड़पति व्यवसायी हरिहर महापात्रा ने राज्यसभा चुनाव के लिए पर्चा खरीदकर राजनीतिक सरगर्मी बढ़ा दी है. भाजपा और इंडी गठबंधन ने अपने प्रत्याशी की घोषणा कर दी है. ऐसे में राजनीतिक गलियारे में चर्चा है कि क्या महापात्रा अब भी नामांकन के अंतिम दिन 11 मार्च को पर्चा दाखिल करेंगे या चुप्पी साध लेंगे.

पर्चा दाखिल करने के लिए 10 विधायकों को प्रस्तावक बनाना जरूरी है. ऐसे में महापात्रा को क्या 10 विधायक प्रस्तावक के रूप में मिलेंगे. ऐसे सवालों के जवाब तो नामांकन दाखिल करने के अंतिम समय पार होने पर ही मिलेंगे. यदि माहापात्रा नामांकन करते हैं, तो नाम वापसी तक सस्पेंस बरकरार रहेगा.

- पर्चा दाखिल करने के लिए 10 विधायकों को प्रस्तावक बनाना जरूरी है
- भाजपा और इंडी गठबंधन ने अपने प्रत्याशी की घोषणा कर दी है

आखिर किसने महापात्रा को झारखंड बुलाया

हरिहर महापात्रा ने राज्यसभा चुनाव के नामांकन के लिए पर्चा खरीदा है. वे और उनकी भाजपा से जुड़े रहे हैं. ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर महापात्रा को किसने चुनाव लड़ने के लिए झारखंड बुलाया है. जब उन्होंने पर्चा खरीदा था तो यह कयास लगाए जा रहे थे कि यह भाजपा समर्थित प्रत्याशी हो सकते हैं. मगर जैसे ही भाजपा ने प्रदीप वर्मा को अपना आधिकारिक प्रत्याशी घोषित किया, तो इस कयास पर विराम लग गया. इसके बावजूद यदि वे पर्चा दाखिल करते हैं, तो मामला दिलचस्प होगा.

सिर्फ दो ही प्रत्याशी रहे तो निर्विरोध चुना जाना तय

झारखंड के दलगत आंकड़ों के अनुसार एनडीए और इंडिया गठबंधन की ओर से एक-एक प्रत्याशी अगर मैदान में आये, तो इनका निर्विरोध चुना जाना तय है. अगर महापात्रा मैदान में आ गए, तो वोटिंग होगी. राजनीतिक गलियारे में चर्चा है कि ऐसी स्थिति आयी, तो हार्स ट्रेडिंग के मामले से इनकार नहीं किया जा सकता है.

तो क्या महापात्रा यहां कोई खेल कर पाएंगे? कहीं कोई डील तो नहीं हुई

राजनीतिक गलियारे में कयास लगाया जा रहा है कि क्या महापात्रा कोई खेल कर पाने में सक्षम हो पाएंगे. कही उन्होंने कांग्रेस, राजद और निर्दलीय विधायकों से कोई डील तो नहीं की है. हालांकि इसकी संभावना नजर नहीं आ रही है. कांग्रेस के 17, राजद के एक, भाकपा माले के एक विधायक विनोद सिंह हैं. एनसीपी के कमलेश कुमार सिंह भाजपा के साथ हो लिए हैं. और दो निर्दलीय सरयू राय, अमित यादव हैं, जो भाजपा के साथ ही जा सकते हैं.

निर्विरोध चुने जाने के लिए चाहिए 29-29 वोट

झारखंड में विधानसभा सदस्यों की संख्या के हिसाब से भाजपा और झामुमो के प्रत्याशी को चुनाव जीतने के लिए 29-29 विधायकों के वोट चाहिए. यानी कि कुल 58 मत में दो प्रत्याशी आसानी से जीत जाएंगे. इस हिसाब से भाजपा के 25 और विधानसभा में वर्तमान में झाविमो विधायक के रूप में बाबूलाल मरांडी का एक मत मिला कर भाजपा के पास कुल 26 मत हैं. इसमें आजसू के तीन विधायकों को मिला दिया जाए, तो आसानी से 29 मत हो जाएंगे. ऐसे में भाजपा प्रत्याशी की जीत तय मानी जा रही है. इसी तरह झामुमो के सरफराज अहमद को पार्टी के 29 विधायकों का मत मिल जाएगा और उनकी भी जीत तय है.

2016 में चुनाव लड़ चुकी हैं महापात्रा की पत्नी

भाजपा से हरिहर महापात्रा व उनकी पत्नी प्रीति महापात्रा का खास रिश्ता रहा है. साल 2016 में हरिहर की पत्नी ने भाजपा के समर्थन से राज्यसभा का चुनाव भी लड़ा था और कांग्रेस के कपिल सिब्बल को चुनौती दी थी. हालांकि वे इस चुनाव में हार गईं थीं. चुनावी हलफनामे में अपनी नेट वर्थ के बारे में खुलासा करते हुए प्रीति ने 23 करोड़ की संपत्ति की बात कबूली थी और 6 करोड़ की देनदारी के बारे में घोषणा की थी.

आजसू पार्टी के मिलन समारोह में सुदेश ने राज्य सरकार पर साधा निशाना, कहा

कृषि और किसान की हुई अनदेखी

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्य के नवनिर्माण के लिए नवीन सोच की आवश्यकता है. कृषि पर राज्य की बड़ी आबादी निर्भर करती है, लेकिन मौजूदा सरकार ने कृषि विकास की अनदेखी की है. किसानों की समस्याओं से सरकार और सिस्टम का कोई लेना- देना नहीं है. उक्त बातें आजसू पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने बिजुपाड़ा में आयोजित मिलन समारोह में कही. इस दौरान चान्हो के जिला परिषद सदस्य आशुतोष तिवारी और मंडर के जिला परिषद सदस्य परमेश्वर भगत अपने समर्थकों के साथ आजसू पार्टी में शामिल हुए.

विधानसभा चुनाव में लूट और झूठ का पर्दाफाश होगा

सुदेश कुमार महतो ने कहा कि राज्य जिस अराजकता के माहौल से गुजर रहा है, उसमें लोगों की चेतना को जगाना और हक अधिकार के लिए मुखर बनाने की जरूरत है. आजसू पार्टी इस दिशा में निरंतर प्रयास कर रही है. इस बार के विधानसभा चुनाव में लूट और झूठ का पर्दाफाश होगा. बेरोजगारी के दलदल में फंसे युवाओं में सरकार की कार्यप्रणाली को लेकर गुस्सा है. उन्होंने कहा कि मांडर, चान्हो, इटकी को कृषि के क्षेत्र में बहुत आगे ले जाया जा सकता है, लेकिन राज्य सरकार ने किसी असरदार योजना पर काम नहीं किया. मौके पर मुख्य रूप से केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ. देवशरण भगत, निर्मला भगत, एस अली, आदिल अजीम, भरत कांशी, संजय रंजन, सत्येंद्र सिंह उपस्थित रहे.

- चान्हो और मांडर के जिला परिषद सदस्य ने थामा आजसू का दामन
- पार्टी सुप्रीमो ने बेरोजगारी के मुद्दे पर राज्य सरकार को घेरा
- कहा- लोगों की चेतना को जगाने और मुखर बनाने का प्रयास जारी

इन्होंने थामा आजसू का दामन

आजसू पार्टी के मिलन समारोह में लतीफ अंसारी, अशेखर साही, राजू उरांव, करमु महतो, चंदन कुमार दुबे, संजू उरांव, शमशेर खान, इमरोज खान, उषा देवी, मोहन राम, रोमा, उरांव, माजिद अंसारी, जयपाल मुंडा, संध्या उरांव, लखी राम लोहरा, सौमब अंसारी, पंम्मानी उरांव, विजय प्रजापति, सुभद्रा उरांव, मोजिम खान, माजिद अंसारी, भरत मुंडा, नादिम अंसारी, लाजुद्दीन अंसारी, विकास ठाकुर, हस्बुल अंसारी, मिथिलेश सोनी, आलम खान, खालिद आलम, शहबाज अंसारी, नेजुद्दीन अंसारी, सबीर अंसारी, माजिद अंसारी, एउल अंसारी, शमशाद अंसारी, इब्राहीम अंसारी, तजमुल अंसारी, खालिद अंसारी, ज्ञान खान, हाजी, सदाम अंसारी, सलमान अंसारी, सौदागर अंसारी समेत सैकड़ों लोगों ने आजसू पार्टी की सदस्यता ग्रहण की.

एसएसपी ने की क्राइम मीटिंग

प्रत्येक मुहल्ले को बीट में बांट कर पदाधिकारी होंगे नियुक्त

संवाददाता। रांची

रांची पुलिस विशेष अभियान चलाएगी. इस दौरान अपराधियों के खिलाफ एक साथ कार्रवाई होगी. यह बात एसएसपी ने रविवार को आयोजित क्राइम मीटिंग के दौरान कही. इस मीटिंग में जिले के सिटी एसपी, ग्रामीण एसपी, सभी डीएसपी और सभी थाना प्रभारी शामिल हुए. प्रत्येक सप्ताह रविवार को दिए गए निर्देशों की समीक्षा की जाएगी और लापरवाह एवं अक्षम पदाधिकारियों पर कार्रवाई की जाएगी.

कारगर गश्ती सुनिश्चित करेंगे बीट पुलिस पदाधिकारी : शहर के प्रत्येक मुहल्ले को बीट में विभाजित कर प्रत्येक बीट के लिए प्रभारी पदाधिकारी प्रतिनियुक्त किए जाएंगे. उस बीट पर अपराध नियंत्रण की दृष्टि से आसूचना संकलन, कारगर गश्ती सुनिश्चित कराना बीट पुलिस पदाधिकारी की जिम्मेवारी होगी. इसके लिए सभी थाना प्रभारियों को तीन दिन के अंदर बीट सिस्टम चालू करने का निर्देश दिया गया है. ग्रामीण क्षेत्र के थानों में 2-3 पंचायतों को मिलाकर एक पुलिस नोडल पदाधिकारी बनाया जाएगा. अपराध नियंत्रण के लिए अपराधियों का डाटाबेस तैयार करने, फरार अभियुक्तों के विरूद्ध छापेमारी, असमाजिक तत्वों के विरुद्ध निरोधात्मक कार्रवाई, अवैध आग्नेयात्र, मादक पदार्थ की तस्करी करने वालों के विरूद्ध कार्रवाई का निर्देश दिया गया. सामान्य अवधि के अतिरिक्त आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद अवैध नशीले व मादक पदार्थ के निर्माण एवं तस्करी के बिंदु पर प्राप्त होने वाले जन शिकायत एवं आसूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई के लिए गठित दल को प्रभावी कार्रवाई करने को कहा गया है.

लोस चुनाव को लेकर बीएजी का होगा गठन

रांची। राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने लोकसभा चुनाव को लेकर सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों को बूथ स्तरीय जागरूकता समूह (बीएजी) के गठन करने का निर्देश दिया है. उन्होंने कहा है कि लोकसभा चुनाव जल्द ही होना है. हरेक मतदान केंद्र पर स्वच्छ, निष्पक्ष, भयमुक्त एवं नैतिक मतदान के लिए गठित बूथ स्तरीय जागरूकता समूहों को क्रियाशील रखें. उन्होंने बूथ स्तरीय स्वीप कार्यक्रमों को मूर्त रूप देने तथा बूथ स्तर पर व्यापक मतदाता जागरूकता कार्यक्रम चलाने के बाबत इनकी गतिविधियों में हरेक स्तर पर तेजी लाने का निर्देश दिया है. साथ ही सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों को अपने स्तर से सभी प्रखंडों में बूथ स्तरीय जागरूकता समूह के सदस्यों के लिए नैतिक मतदान से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने को कहा है.

सांसद ने दो बोरिंग और चार पानी टंकी का किया उद्घाटन

संवाददाता। रांची

राज्यसभा सांसद डॉ. महुआ माजी ने अपनी सांसद निधि से रांची के सरई टांड़ हातमा में मिर्धा समाज के मसना, प्लाजा स्थित लोहरा कोचा एवं महिंद्रा कॉलेज में दो बोरिंग, चार पानी टंकी का उद्घाटन किया. वहीं कांटाटोली कुरैशी मुहल्ला में ऑल इंडिया जमीयतुल कुरैश द्वारा संचालित जमीयतुल कुरैश पंचायत की अल कुरैश तालीमी मिशन स्कूल की जर्जर हालत से भी वाकिफ हुईं.

उन्होंने कांटाटोली मुहल्ला में पीसीसी पथ, केजीएन कॉलोनी में पथ, नाली निर्माण कार्य का भी शिलान्यास किया. राज्यसभा सांसद ने कहा कि स्कूल, शिक्षा का मंदिर होता है. इस स्कूल को बेहतर बनाने की कार्य समेत अन्य जनहित के कार्य जल्द पूरे किएं जाएंगे. मौके पर उप महापौर उम्मीदवार सोमवेत माजी, झारखंड प्रदेश जमीयतुल कुरैश के प्रदेश अध्यक्ष मुजीब कुरैशी, पंचायत अध्यक्ष गुलाम गौस पप्पू, महासचिव परवेज कुरैशी, अफरोज, मीडिया प्रभारी गुलाम जावेद, स्कूल की प्राचार्या अमीना कच्छी, अनम, तन्वी, साबिहा, नगमा, रुकसाना, सुल्ताना, सांड्रा खातून आदि मौजूद थे.

रांची विधायक सीपी सिंह ने किया नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास

क्षेत्र के विकास के लिए कृतसंकल्पित

संवाददाता। रांची

पिस्का मोड़ के समीप लक्ष्मी नगर मुहल्ले में विधायक सीपी सिंह ने नाली निर्माण तथा उसके उपर स्लैब निर्माण का शिलान्यास किया. इस अवसर पर उन्होंने कहा कि लक्ष्मी नगर वासी हमेशा हमारा साथ देते हैं और मुझे उनपर पूरा विश्वास है. मैं अपने संपूर्ण क्षेत्र के विकास के लिए कृतसंकल्पित हूं. इस अवसर पर उदय शंकर पांडेय, श्रीप्रकाश पांडेय, आनंद प्रकाश पांडेय, चंद्र भूषण उपाध्याय, बैजू सोनी, तारामणि पांडेय, बैजनाथ पांडेय, चंद्रमणि किशोर, अनिल कुमार पांडेय, राहुल पाठक, सोनू पाठक, आनंदी पासवान आदि उपस्थित थे.

आगत अतिथियों का स्वागत प्रो. जेबी पांडेय, संचालन चंदन पांडेय और धन्यवाद ज्ञापन ओम प्रकाश पांडेय ने किया. इसके साथ ही

विकास कार्य

- राजधानी को प्रदूषण मुक्त बनाए रखने कर आह्वान
- बुनियादी सुविधा बहाल करने के लिए कर रहे पूरा प्रयास

विधायक सीपी सिंह ने रविवार को विधायक निधि से रातू रोड के कई मोहल्लों में नाली और सड़क का शिलान्यास किया. उनमें भरतपुरी, अलकापुरी, आर्यपुरी में नाली, पिस्का मोड के सिन्हा कम्पाउंड में पेबर टाइल्स् बिछाने सहित सुखदेवनगर में नाली निर्माण कार्य प्रारंभ कराया. मौके पर सीपी सिंह ने कहा कि शहरवासियों को बुनियादी सुविधा बहाल करने के लिए हरसंभव प्रयास किया जा रहा है.

उन्होंने राजधानी को साफ-सुथरा और प्रदूषण मुक्त बनाए रखने के लिए हरसंभव योगदान का आह्वान किया. मौके पर भाजपा सुखदेवनगर मंडल अध्यक्ष ओमप्रकाश पांडेय, पूर्व पार्षद सुनीता देवी, राकेश शर्मा, अरुण जसूजा, आशीष शर्मा, नीरज, रवींद्र शर्मा, हरेंद्र सिंह, जितेंद्र पांडेय, अशोक पांडेय, राजदीप चौरसिया, सतीश मिश्रा, ओम चौधरी, चंदन पटेल, बिंदा बरनवाल आदि मौजूद थे.

दो महिलाओं की जमीन पर कब्जा, मुख्यमंत्री से गुहार

- महिलाओं ने बीआईटी मेसरा ओपी प्रभारी पर जमीन कब्जा करने में मदद का लगाया आरोप

संवाददाता। रांची

राजधानी के नेवरी स्थित गेतलातू में रहने वाली दो महिलाओं ने अपनी पैतृक जमीन को कब्जा मुक्त कराने के लिए मुख्यमंत्री, डीसी और एसएसपी से गुहार लगाई है. अंजना सिंह और आरती सिंह नाम की रैयत का कहना है कि गेतलातू में खाता नंबर 55 और प्लॉट नंबर 102 में उनकी 24 डिसमिल जमीन है, जिसपर सुनील माथुर और अनिल माथुर ने दबंगों के साथ आकर कब्जा कर लिया.

उन्होंने आरोप लगाया कि जमीन पर कब्जा करने में बीआईटी मेसरा ओपी प्रभारी रोशन कुमार सिंह ने मदद की. कहा कि यह उनकी पुश्तैनी जमीन है, जिसका बंटवारा कोर्ट से हो चुका है. जमीन पर उन्होंने अपना बोर्ड भी लगाया था, लेकिन गत 7 मार्च की रात सुनील और अनिल माथुर ने बोर्ड उखाड़कर फेंक दिया. इसके बाद 8 तारीख को बाउंड्री शुरू कर दी गयी और विरोध करने पर मारपीट की गई.

कागजात देखने के बाद थानेदार ने मौके पर ही सुना दिया अपना फैसला

अंजना और आरती ने जमीन पर कब्जा की सूचना मेसरा ओपी प्रभारी को दी. ओपी प्रभारी मौके पर पहुंचे और वहीं दोनों पक्षों को बुला कर फैसला करने लगे. दोनों पक्ष से जमीन के कागजात मांगे. महिलाओं ने उन्हें जमीन का डिग्री पेपर दे दिया, वहीं विपक्ष की ओर से डीड पेश किया गया. पेपर देखने के बाद ओपी प्रभारी ने अंजना और आरती को जमीन छोड़ने को कहा. कहा कि डिग्री पेपर नहीं माना जाएगा. दूसरे पक्ष के पास जमीन की डीड है. उन्होंने महिलाओं को जमीन का पेपर पेश करने के लिए एक दिन का समय दिया. कहा कि अगर पेपर नहीं मिला, तो दूसरा पक्ष उसमें अपना काम शुरू कर देगा. अब अंजना और आरती ने सीएम, डीसी, एसएसपी समेत अन्य अधिकारियों से अपनी जमीन से कब्जा हटाने की गुहार लगाई है.

प्रदर्शन

मौलाना आजाद एजुकेशन फाउंडेशन को बंद करने का मुस्लिम लीग ने किया विरोध

अल्पसंख्यकों के विकास पर गहरा प्रहार : शानुल हक

संवाददाता। रांची

केंद्र सरकार द्वारा मौलाना आजाद एजुकेशन फाउंडेशन बंद करने के विरोध में अल्बर्ट एक्का चौक पर इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग की झारखंड प्रदेश कमेटी ने विरोध प्रदर्शन किया. प्रदेश महासचिव शानुल हक ने हुए कहा कि भारत में आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक और शैक्षिक रूप से हाशिए पर रहने वाले समुदाय के बीच शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक गैर लाभकारी संगठन मौलाना आजाद एजुकेशन फाउंडेशन को 35 साल के संचालन के बाद 29 फरवरी 2024 को बंद करने का आदेश जारी कर

केंद्र सरकार ने अल्पसंख्यकों के विकास पर गहरा प्रहार किया है. इस एजुकेशनल स्कीम से अल्पसंख्यक समूह के छह तबके मुस्लिम, इसाई, पारसी, बौद्ध, जैन एवं सिक्ख लाभान्वित होते थे. हर साल 2 लाख से अधिक बच्चे शिक्षा और कौशल के क्षेत्र में इससे लाभान्वित होकर बेहतर समाज का निर्माण कर देश और विदेश में भारत का नाम रोशन करते थे. हमारी पार्टी इस दमनकारी फैसले की घोर निंदा करती है. एक ओर प्रधानमंत्री पसमांदा तबके की बात करते हैं और दूसरी ओर पसमांदा के नस्लों पर गहरा प्रहार करते हैं. क्या यह गुलामी है? क्या पसमांदा तबका और अल्पसंख्यक को गुलाम बना कर रखना चाहते हैं. समाज में अल्पसंख्यकों के प्रति हो रहे अत्याचार ने हमारी सामाजिक संरचना को गहरे से झकझोर कर रख दिया है.

पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष सह प्रदेश प्रवक्ता मो शहाबुद्दीन ने कहा कि केंद्र सरकार का सबका साथ सबका विकास मात्र एक जुमला है, यह देश की अल्पसंख्यक जनता को समझाना पड़ेगा और एक गोलबंद होकर अपने अधिकारों के लिए लड़ाई लड़नी होगी. आगे कहा कि जिस तरह से अल्पसंख्यकों के उत्थान में सहयोग करने वाली संस्था मौलाना आजाद एजुकेशन फाउंडेशन को बंद कर दिया गया है, भविष्य में वर्तमान मोदी सरकार इस तरह के और कई कदम उठायेगी, तो अल्पसंख्यक समुदाय विकास की मुख्य धारा से दूर हो जायेगा. विरोध प्रदर्शन में प्रदेश उपाध्यक्ष अंजनी कुमार सिन्हा, अल्ताफ खान, मो. अबीस रहमान, फजल, मो. मोहसिन आदि शामिल थे.

विरोध जताया

- 29 फरवरी को केंद्र ने संस्था बंद करने का दिया था आदेश
- अपने अधिकारों के लिए लड़ाई लड़नी होगी : मो. शहाबुद्दीन

शिलान्यास के बाद सड़क निर्माण नहीं होने से मुहल्लेवासी नाराज

'रोड नहीं तो वोट नहीं' के नारे लगाए

संवाददाता। रांची

उद्घाटन के बाद भी सड़क निर्माण कार्य शुरू नहीं होने से नाराज मुहल्ले वासियों ने सड़क जाम तथा धरना का आयोजन किया. रविवार को पुंदाग थाना के पास 'सड़क बनाओ आंदोलन' बैनर के तहत कृष्णा नगर कॉलोनी और फारेस्ट रिसर्च सेंटर रोड पर बसे हुए मुहल्ले के करीब 200 से अधिक लोगों ने शांतिपूर्वक ढंग से धरना दिया.

इस आंदोलन में लालगुटवा पंचायत और कटहल मोड़ इलाके के समाजसेवी प्रकाश लाल शाहदेव ने उपस्थिति होकर न केवल लोगों का मनोबल बढ़ाया, बल्कि अपनी ओर से भरपूर सहयोग का आश्वासन भी

दिया. वहीं, उपस्थित लोगों ने सड़क की जर्जर अवस्था की ओर उनका ध्यान आकृष्ट कराते हुए अपनी बातें रखीं. उन्होंने 'रोड नहीं तो वोट नहीं, रास्ता नहीं तो सड़क नहीं' के नारे लगाये. शाहदेव ने गंभीरता से सबकी बातें सुनीं और कहा कि सड़क निर्माण में जो भी अड़चनें आ रही हैं, उनका समाधान कराने में हर संभव प्रयास की जाएगा. उन्होंने युवा वर्ग को इस तरह के आंदोलन से जुड़ने और समाज के विकास में भागीदारी बनने के लिए आह्वान किया. आंदोलन में श्रीकांत चतुर्वेदी, विजय वर्मा, पी सिंह, एसके सिन्हा, एससी माहातो, राजेश जायसवाल, अरुण कुमार सिंह, जनार्दन बैठा, सुधीर टोप्पो, भोला महतो आदि शामिल थे.

तापमान
29.2⁰ अधिकतम | 13.3⁰ न्यूनतम

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

सोमवार 11 मार्च 2024 ● फाल्गुन शुक्ल प्रतिपदा, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 1, अंक : 323

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ओबीसी एकता महासम्मेलन में शामिल हुए भोजपुरी स्टार खेसारी लाल यादव

मेरी फिल्म रंग दे बसंती तैयार है, प्रार्थना करें सेंसर बोर्ड इसे पास कर दे : खेसारी

रांची। ओबीसी एकता अधिकार मंच के तत्वावधान में रविवार को हरमू मैदान में महासम्मेलन का आयोजन किया गया. महासम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में भोजपुरी अभिनेता खेसारीलाल यादव शामिल हुए. खेसारीलाल ने अपने निराले अंदाज में कहा- जय झारखंड, जोहार झारखंड. उन्होंने अपनी फिल्म रंग दे बसंती के बारे में बताते हुए कहा कि फिल्म पूरी तरह से बनकर तैयार है और 22 मार्च को रिलीज होगी. उन्होंने कहा कि फिल्म सभी जगह से पास हो गई है, लेकिन सेंसर बोर्ड से इसे मान्यता नहीं मिली है. सभी मेरे साथ प्रार्थना करें कि सेंसर बोर्ड से इसे पास कर दिया जाए और सभी को इस फिल्म को देखने का अवसर मिले.

अच्छी खबर : लाइट हाउस प्रोजेक्ट का पीएम ने किया वर्चुअल उद्घाटन

10 लाभुकों को मिली फ्लैट की चाबी

131 करोड़ की लागत से 18 महीने में 1008 फ्लैट बनाए गए हैं

हरेक फ्लैट 1 बीएचके है, जो 315 स्क्वायर फीट में बना है

शुभम किशोर। रांची

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत रांची के लाइट हाउस प्रोजेक्ट का रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल उद्घाटन किया. इस कड़ी में राजधानी के मौसीबाड़ी मैदान पंचमुखी मंदिर के नजदीक कुल-1008 आवासों का उद्घाटन किया गया. ग्लोबल हाउसिंग टेक्नोलॉजी चैलेंज के तहत 3डी वॉल्युमेट्रीक प्रीकास्ट विधि से 5.15 एकड़ में 7 इमारत बनाए गए हैं. 131 करोड़ की लागत से 18 महीनों में 1008 फ्लैट बनाए गए. हरेक फ्लैट 1बीएचके है, जो 315 स्क्वायर फीट में बना है.

इन लाभुकों को मिली सांकेतिक चाबी

लाभुकों में शोभा देवी-फ्लैट नंबर 316, केशरी देवी-फ्लैट नंबर 808, संजय कुमार कर्ण-फ्लैट नंबर 312, मनोज कुमार वर्मा-फ्लैट नंबर 606, राकेश कुमार दास-फ्लैट नंबर 607, पूनम देवी-फ्लैट नंबर 506, इंदू देवी-फ्लैट नंबर 215, मुन्नी देवी-फ्लैट नंबर 414, सबिता कुमारी-फ्लैट नंबर 610 और अजय कुमार ठाकुर-फ्लैट नंबर 306 के नाम शामिल हैं. लाभुकों ने घर मिलने की खुशी जताई और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया. लाभुकों ने कहा कि अभी तक सभी किराए के मकान में रहते थे, लेकिन अब उनका खुद का मकान होगा.

फ्लैट महज प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि पीएम मोदी की गारंटी : संजय सेठ

सांसद संजय सेठ ने कहा कि यह फ्लैट महज प्रोजेक्ट नहीं है, बल्कि पीएम मोदी की गारंटी है. पीएम का विजन है कि आज उन्हें भी घर मिला जो कभी उम्मीद भी नहीं रखते होंगे. पीएम गांव-गरीब और किसान सभी के लिए सोचते हैं. महिलाओं के आरक्षण मोदी ने ही दिया. सेठ ने कहा कि मोदी जो कहते हैं वही करते भी हैं. यही उनकी गारंटी है. मोदी फिर 2024 में आ रहे हैं. दुनिया के देश भी मान चुके हैं कि मोदी फिर से आ रहे हैं. प्रधानमंत्री गांव-गरीब और किसान सभी के लिए सोचते हैं. रांची शहर की व्यवस्था को लेकर कहा कि बड़गाई में प्लांट बन कर तैयार है. यहां सीवरेज का पानी ट्रीटमेंट किया जाएगा.

जल्द ही सारी सुविधाओं की व्यवस्था कर दी जाएगी : जायसवाल

हटिया विधायक नवीन जायसवाल ने कहा कि आज कइयों का सपना पूरा हो रहा, इसकी मुझे खुशी है. घर हर किसी का सपना होता है. इसके लिए मैं प्रधानमंत्री का धन्यवाद देता हूं. उनके विजन के कारण यह सपना पूरा हो सका है. विधायक ने कहा कि जल्द ही यहां कई और सुविधाएं बढ़ेंगी. मसलन कम्युनिटी हॉल, गैस पाइपलाइन की सुविधा के लिए नगर निगम प्रशासन मिलजुल कर प्रयास करें. जल्द ही यहां खुशहाली आएगी.

लाभुकों को दी जाने वाली सुविधाएं

- **विद्युत तथा जल संयोजन-** निर्बाध बिजली के लिए सभी फ्लैट में मीटर कनेक्शन लगे हैं. इसके साथ ही सभी आवासों में जल संयोजन कर दिया गया है.
- **पार्किंग -** पार्किंग के लिए परिसर में जगह है जिसमें 220 फोर व्हीलर तथा 880 टू व्हीलर पार्क होंगे.
- **प्लेग्राउंड -** परिसर में बच्चो के लिए प्लेग्राउंड है जिसमें मनोरंजन के लिए झूले भी हैं. इसके साथ ही सभी उम्र को देखते हुए बैठने हेतु चेयर्स भी लगाई गई हैं.
- **सोलर पैनल-** पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी ब्लॉक में 152 किलोवाट के सोलर पैनल लगे हैं. ओपेन स्पेश में सोलर पैनल से कुल 16 स्ट्रीट लाइट लगाई गई हैं.
- **एसटीपी -** परिसर में 420 केएलडी की क्षमता वाली एसटीपी का निमार्ण कराया जा रहा है. जिसके तहत रिसाइकल किए गए पानी को सभी आवासों के बाथरूम में फ्लश करने के उपयोग में लाया जाएगा तथा बचे जल को बागवानी के कार्य में उपयोग किया जाएगा.
- **आरडब्ल्यूए -** आवासीय परियोजना परिसर में व्यावसायिक गतिविधियों यथा दुकान, सामुदायिक केंद्र इत्यादि के माध्यम से राजस्व संग्रहण का कार्य रेसीडेंस वेल्फेयर एसोसिएशन द्वारा किया जाएगा.

467 लाभुकों ने 100% इंस्टॉलमेंट जमा किया: प्रशासक

प्रशासक अमित कुमार, ने कहा कि सरकार की यह योजना कमजोर वर्ग के लोगों के लिए शुरू की गई थी. लोगों ने अपने सपने के आशियाने को पाने के लिए बढ़-चढ़ कर इसमें आवेदन किया था. अब तक 467 लाभुकों के द्वारा पूरा पैसा दे दिया गया है. एक आवास की लागत 13.29 लाख है, जिसमे 5.5 लाख केंद्र सरकार तथा 1 लाख राज्य ने दिए हैं. इसके साथ ही 6.79 लाख रुपए लाभुक अंशदान के रूप में लाभुकों से लिया जा रहा है. लाभुकों के लिए वित्तीय सहायता का प्रावधान भी है, जिसके तहत लाभुकों को बैंको से लोन मिल रहा है. लाभुकों को आवास का स्वामित्व, 15 वर्षों के लॉक इन पीरियड के बाद या गृह ऋण से मुक्त होने के बाद ही मिलेगा. लाभुकों का 15 वर्षों तक अहस्तांतरणीय होगा. अपर प्रशासक सौरभ प्रसाद, उप प्रशासक रवींद्र कुमार, सहा. प्रशासक, नगर प्रबंधक भी मौजूद थे.

घरवालों को बंधक बनाकर लाखों के सामान की डकैती

संवाददाता। रांची

खास बातें

- जेवर-मोबाइल समेत करीब 20 लाख के सामान लूट ले गये लुटेरे
- घर का दरवाजा तोड़ कर घर में घुसे अपराधी, सबको बंधक बना लिया

राजधानी में अपराधियों ने दुस्साहसिक घटना को अंजाम दिया है. अपराधियों ने घरवालों को बंधक बनाया और लाखों रुपए के सामान लूट कर फरार हो गये. घटना रातू थाना क्षेत्र के आस्थापुरम की है. यहां शनिवार की देर रात अपराधियों ने प्रमोद कुमार पांडेय नामक शख्स के घर भीषण डकैती की घटना को अंजाम दिया. अपराधियों ने परिजनों को बंधक बना कर डकैती की वारदात को अंजाम दिया. जानकारी मिलने के बाद पुलिस घटना की जांच में जुटी हुई है. इस मामले में पुलिस कई संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है. घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि अपराधी प्रमोद कुमार के घर के दरवाजा तोड़ कर घुसे थे. फिर हथियार का भय दिखा कर घरवालों को बंधक बनाकर घटना को अंजाम दिया.

तीन अपराधी घर के अंदर घुसे थे : पीड़ित ने बताया कि डकैती के इरादे से आए आधा दर्जन अपराधियों में से तीन घर के अंदर घुसे और घर की दूसरी मंजिल पर सोई बुजुर्ग महिला माधुरी देवी को हथियार के बल पर अपने कब्जे में लिया. इसके बाद घर के अलमारी सहित दूसरे स्थान पर रखे गए गहने, मोबाइल और लैपटॉप सहित करीब 20 लाख से ज्यादा की संपत्ति ले कर फरार हो गए. इस सम्बंध में बुजुर्ग महिला माधुरी देवी ने बताया कि वह अपने घर में सोई हुई थी, इसी दौरान तीन की संख्या में अपराधियों के कमरे में आए और उन्हें उठा कर बांध दिया. अपराधियों ने महिला से पूछा कि घर में गहने और दूसरी कीमती चीजें कहां पर रखी हुई हैं... जल्दी बताओ. जब महिला ने अपराधियों को कुछ नहीं बताया, तब उसके साथ अपराधियों ने मारपीट की और यह बोले कि नीचे उसके बेटे की हत्या उन्होंने कर दी है, तुम्हारी भी अब हत्या कर देंगे. महिला को डराने धमकाने के बाद अपराधियों ने उसका मुंह भी कपड़े से बांध दिया और अलमारी की चाबी निकाल कर सभी कीमती गहने और दूसरे सामान बोरे में रख लिए. इसके बाद मौके से फरार हो गये.

तुपुदाना में बस-हाइवा की टक्कर

दोनों वाहन ओवरब्रिज के पिलर से टकराये, मां और बेटी की मौत

संवाददाता। रांची

ओवरब्रिज के पिलर से यात्री बस और बालू लदे हाइवा के टकराने से दो यात्रियों की मौत हो गयी, वहीं कई यात्री घायल हो गये. घटना तुपुदाना ओपी क्षेत्र के तुपुदाना ओवरब्रिज के पास रविवार सुबह पांच बजे हुई है. घटना के संबंध में प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पहले तेज रफ्तार हाइवा और श्री हरि रथ यात्री बस के बीच टक्कर हुई, फिर दोनों गाड़िया ओवरब्रिज के पिलर से टकरा गयीं. अहले सुबह दो वाहनों के टक्कर से हुई जोरदार आवाज काफी दूर तक सुनाई दी. देखते ही देखते काफी लोग घटनास्थल पर जुट गये. आसपास के लोगों से लोग दाहसे का कारण जानने की कोशिश करते रहे. घटना की जानकारी मिलने के बाद तुपुदाना ओपी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मृतकों के शवों को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और घायलों को अस्पताल भिजवाया.

टक्कर से आधा दर्जन यात्री भी घायल हुए

रांची से चाईबासा जा रही थी बस : श्री हरि रथ नामक यात्री बस रविवार की सुबह रांची से चाईबासा के लिए निकली थी. बस जैसे ही तुपुदाना ओवरब्रिज के पास पहुंची, एक तेज रफ्तार हाइवा से टकरा गयी. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस और हाइवा दोनों ही ओवरब्रिज के पिलर में जा घुसे. टक्कर में बस का दाहिना हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया. इस हादसे में आगे की सीट पर बैठीं मां-बेटी की मौत हो गयी. वहीं छह से ज्यादा यात्री गंभीर रूप से घायल हो गये. मृतका की पहचान कोडरमा के फॉरेस्ट कॉलोनी निवासी रीमा देवी (45) और उनकी 7 साल की बेटी सोनल कुमारी के रूप में हुई है. रांची से दोनों खूंटी जाने के लिए चाईबासा जाने वाली बस में सवार हुईं थीं.

नारकोटिक्स अफसर बन कर वसूली करने पहुंचे युवक-युवती की पिटाई

रांची। नारकोटिक्स विभाग का अधिकारी बनकर वसूली करने पहुंचे युवक-युवती को स्थानीय लोगों ने जमकर पीटा. यह घटना शनिवार देर रात नामकुम थाना क्षेत्र के नामकुम बस्ती की है. जहां फर्जी नारकोटिक्स अधिकारियों को लोगों ने पकड़कर खूब पीटा. इसके बाद दोनों युवक-युवकी को पुलिस के हवाले कर दिया. दोनों को रिम्स में भर्ती कराया गया है. युवक-युवती के बारे में बताया जा रहा है कि दोनों फर्जी तरीके से लोगों से वसूली करने का काम करते हैं. दोनों खुद को कभी पत्रकार तो कभी

कोई विभाग का अधिकारी बताकर लोगों से पैसे ऐठते हैं. इसी क्रम में जब दोनों नारकोटिक्स का अधिकारी बनकर नामकुम बस्ती पहुंचे थे, जहां शक होने पर लोगों ने दोनों को पकड़कर पिटाई कर दी.

ट्रैफिक पुलिस ने 139 लोगों से 1 लाख वसूले

रांची। ट्रैफिक एसपी सुमित अग्रवाल के निर्देश पर अभियान चला कर नियम तोड़ने वाले 139 लोगों से कुल 1 लाख 7 रजार रुपए की वसूली की गई. शहर में ट्रैफिक को सुगम बनाने और नियमों के पालन को लेकर रविवार को सुबह से शाम तक कांटाटोली, बिरसा चौक, लालपुर, रिम्स, कोकर से खेलगांव, बिग बाजार, बूटी मोड़, किशोरी यादव चौक, करमटोली, रेडियम रोड पर बिना हेलमेट, अनधिकृत 4 पहिया वाहन पड़ाव, शीशे पर ब्लैक फिल्म लगाकर घूमने वालों व ऑटो/ई-रिक्शा, ठेला-खोमचा के द्वारा अवैध रूप पार्किंग किये जाने के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया गया था.

आखिर गौशाला न्यास बोर्ड के चेयरमैन रतन जालान ने चुप्पी तोड़ी, बोले

न्यास बोर्ड की बैठक जल्द करेंगे अब आम सहमति से ही लेंगे फैसले

राजन बॉबी। रांची

रांची गौशाला न्यास समिति के 110 लोगों की सदस्यता के साथ ही साथ जमीन औने-पौने दाम पर बेचे जाने को सदस्य लगातार सवाल उठा रहे हैं. मारवाड़ी समाज में भी बुजुर्ग से लेकर युवा सदस्य तक गौशाला की जमीन स्कूल व फैक्ट्री के लिए दिए जाने को लेकर सवाल उठा रहे हैं. सदस्यों का कहना है ट्रस्टियों व पदाधिकारियों ने बिना आम सभा की राय लिए निजी लाभ के लिए गौशाला की जमीन औने-पौने दाम पर बेच दी है. लगातार सदस्यों द्वारा उठाये जा रहे सवालों पर गौशाला न्यास बोर्ड के चेयरमैन रतन जालान ने अपनी चुप्पी तोड़ी है. कहा है कि जल्द ही ट्रस्ट बोर्ड की बैठक बुलायी जायेगी. इसमें उठे सारे विवादों को लेकर विचार-विमर्श के बाद ठोस निर्णय लिए जाएंगे. भ्रम के कारण कुछ समस्याएं आयी हैं, उसे मिल बैठकर दूर किया जायेगा.

परिवार में मतभेद होते हैं, तो समाज में भी होगा ही : जालान बोले- कहा कि समाज ही नहीं, परिवार में भी आपसी मतभेद हो जाते हैं. गलतियां भी होती है, ऐसे में आम सहमति बना कर ही गलतियों को सुधारा जाता है. गौशाला न्यास समिति के कुछ फैसले को लेकर भी सदस्यों में भ्रम है, जिसे जल्द दूर किया जायेगा. गौशाला ट्रस्ट बोर्ड और कार्यकारिणी के पदाधिकारी सभी सदस्यों के साथ आम राय बना कर ही कोई भी फैसला लेते हैं. आगे होनेवाली ट्रस्ट बोर्ड की बैठक में सारे सवालों और विवादों का निबटारा करने का प्रयास किया जाएगा.

गौशाला में ढेर सारे काम हुए, लांक्षन लगाना ठीक नहीं : चेयरमैन रतन जालान ने कहा कि पहले और अब की गौशाला में बहुत फर्क आया है. गौशाला के 120 साल के इतिहास में पहली बार तीन साल में विकास किया गया है. गौशाला की तीनों ईकाइयों का कायाकल्प कर दिया गया है. सुधार की दिशा में ढेर सारे काम किये गये हैं. ट्रस्टी और पदाधिकारी तन-मन और धन से समर्पित होकर गौ माता की सेवा कर रहे हैं. गौशाला के संचालन में काफी खर्च आता है. आम जन से सहयोग राशि प्राप्त कर खर्च पूरा किया जा रहा है. ऐसे में लांक्षन लगाना ठीक बात नहीं. ट्रस्टी और पदाधिकारियों ने सहयोग राशि के रूप में पांच करोड़ रुपये गौशाला के विकास के लिए इकठ्ठा कर लिए हैं, ताकि अर्थ संकट का दंश न झेलना पड़े. उन्होंने बताया कि सुकूरहुडू में गौ माता की देखभाल के लिए अस्पताल चल रहा है. खेती की जा रही है. इसके अलावा विकास के कई काम भी किये जा रहे हैं.

दिक्कत है तो मंच पर बैठ बात करनी चाहिए

चेयरमैन जालान ने कहा कि किसी भी सदस्य के मन में किसी तरह का कोई भी भ्रम है या दिक्कत है, तो मंच पर बैठ कर बात कर सकते हैं. गौशाला से संबंधित सारे निर्णय सिर्फ उनके कहने मात्रा से नहीं लिए जाते. इसके लिए बकायदा नियम-कानून है. संविधान है, उसी के अनुरूप पारदर्शिता बरतते हुए सर्वसम्मति से निर्णय लिये जाते है.

सारी बातों पर विचार चल रहा है : अध्यक्ष पुनित पोद्दार

गौशाला न्यास समिति के अध्यक्ष पुनित कुमार पोद्दार ने कहा कि सारी बातों पर विचार चल रहा है. उन्होंने कहा कि इससे ज्यादा कुछ नहीं कह सकता. एक ही बात है कि सभी मुद्दों पर विचार किया जा रहा है.

ट्रस्ट बोर्ड की बैठक में इन सवालों के जवाब तलाशे जाएंगे

- बाढ़ू गांव स्थित गौशाला की जमीन का सौदा संविधान में उल्लेखित नियमों व तथ्यों को ताक पर रख कर क्यों किया गया ?
- **गौशाला की जमीन बेचनी ही थी, तो पादर्शिता क्यों नहीं बरती गयी, गुपचुप तरीके से सौदा क्यों कर दिया गया?**
- जब संविधान में स्पष्ट है कि गौशाला न्यास से जुड़ा कोई भी व्यक्ति गौशाला की जमीन या संपत्ति हीं खरीद सकता, तो फिर कैसे जिसे जमीन बेची गयी, उसे ही ट्रस्टी भी बना दिया गया?
- **पुराने लेटर पैड पर सचिव प्रदीप राजगढ़िया को सिग्नेचर ऑफ एक्सीक्यूटेंट का अधिकार कैसे दिया गया और किसने दिया?**
- सीएनटी नेचर की गौशाला की गोचर भूमि की आखिर कैसे राजकुमार केडिया के नाम रजिस्ट्री करा दी गयी?
- **गौशाला न्यास समिति के सचिव प्रदीप राजगढ़िया को जमीन बेचने के लिए ऑथोराइजेशन लेटर किसने और कैसे दिया?**
- गौशाला की जिस जमीन की रजिस्ट्री दूसरों को की गयी है, उस डीड में कहीं भी जमीन के इतिहास का उल्लेख क्यों नहीं है?
- **गौशाला समिति व अफसरों के गंठजोड़ ने बेशकीमती जमीन को कब्जियाने या बेचने की नियत से अफसरों के साथ मिलकर खेल तो नहीं किया ?**
- किन परिस्थितियों में गौशाला की जमीन राजकुमार केडिया और संजीव खीरवाल के नाम पर मात्र 7,174 रुपये प्रति डिसमिल की दर से रजिस्ट्री कर दी गयी?
- **सदस्य और मारवाड़ी समाज की यह मांग कि गौशाला की जमीन हर हाल में फिर से गौशाला को वापस लौटायी जानी चाहिए. सदस्यों को इंतजार है कि आखिर इस पर ट्रस्टी और पदाधिकारी क्या फैसला लेंगे?**

सौगातों की बारिश खूंटी में गडकरी ने 2500 करोड़ की सड़क परियोजनाओं का किया शिलान्यास, कहा

संपन्न और प्रगतिशील है झारखंड, सड़कों से विकास को मिलेगी गति

प्रमुख संवाददाता। खूंटी/रांची

केंद्र सरकार ने खूंटी से झारखंड पर सौगातो की बारिश की. केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने खूंटी शहर की वर्षों पुरानी बाईपास सड़क के साथ ही खूंटी के लिए महत्वपूर्ण करीब 2500 करोड़ की दो राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना का

ऑनलाइन शिलान्यास किया. गडकरी ने कहा झारखंड समृद्ध, संपन्न और प्रगतिशील राज्य है. राज्य में गुणवत्तापूर्ण सड़कों के निर्माण से आसपास के क्षेत्रों का तेजी से विकास होगा. स्थानीय सांसद सह केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा की मौजूदगी में कचहरी मैदान में आयोजित शिलान्यास समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में रांची के सांसद संजय सेठ, लोहरदगा के सांसद सुदर्शन भगत, खूंटी के विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा, तोरपा विधायक कोचे मुंडा, पूर्व सांसद पद्म भूषण कड़िया मुंडा और जिला परिषद के अध्यक्ष मसीह गुड़िया शामिल हुए.

अर्जुन मुंडा ने किया बिरसा मुंडा टूरिस्ट कॉरिडोर का शिलान्यास, कहा

बिरसा मुंडा की धरती को मोदी ने पहचान दी

केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने जनजातीय मंत्रालय से बनने वाले बिरसा मुंडा टूरिस्ट कॉरिडोर का शिलान्यास किया. कहा कि खूंटी के लोग वर्षों से बाईपास सड़क की मांग कर रहे थे. खूंटीवासियों की वर्षों पुरानी मांग आज पूरी हो रही है. उन्होंने वर्ष 2014 से पहले के 10 वर्ष और उसके बाद के 10 वर्षों के विकास कार्यों का आकलन लोगों से स्वयं करने की बात करते हुए कहा कि आज विकास के काम तेज गति से गुणवत्तापूर्ण हो रहे हैं. प्रधानमंत्री ने जिन योजनाओं का भी शिलान्यास किया, उनका उद्घाटन भी उन्होंने किया. आज देश में बड़े-बड़े बराज, ब्रिज, सड़क आदि का निर्माण तय समय सीमा में हो रहा है. रिकॉर्ड समय में बनाई गई सड़कें गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड और लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हो रही हैं. उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा और खूंटी की धरती को किसी ने सही पहचान दी, तो वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं.

सभी को समान दर से ही मिले मुआवजा : नीलकंठ

विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि जब वे राज्य के प्रथम मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी के मंत्रिमंडल में पथ निर्माण विभाग के मंत्री थे, तब उन्होंने इन सड़कों के निर्माण कार्य का प्रस्ताव बनाकर केंद्र को भेजा था. आज उन्हें इस बात पर प्रसन्नता हो रही है कि जिन सड़कों का प्रस्ताव उन्होंने भेजा था, उनका निर्माण कार्य आज प्रारंभ हो रहा है. उन्होंने निर्माण कार्य के लिए जल्द से जल्द भूमि अधिग्रहण का कार्य पूरा करने और एक प्रोजेक्ट एक दर के तहत मुआवजा राशि का भुगतान करने की बात कही.

जंगली हाथियों ने ईटा पंचायत के ईटा चरिमा और चिल्दरी टंगरा टोली में भारी तबाही मचायी,लोगों भागकर बचायी जान

जंगली हाथियों ने खेतों में लगी किसानों की फसलों को रौंदा

संवाददाता बेड़ो

जंगली हाथियों ने ईटा पंचायत के ईटा चरिमा और चिल्दरी टंगरा टोली में भारी तबाही मचायी. जंगली हाथियों की लगातार हो रही धमक और हाथियों द्वारा खेतों में लगी खड़ी फसलों को बर्बाद करने से किसानों में भारी आक्रोश है. सिर्फ फसलों को ही नहीं जंगली हाथियों ने खेतों की पटवन के लिए लगे समरसेबल मशीन को भी क्षतिग्रस्त कर दिया . समाजसेवी चरिमा निवासी पंकज कुजूर ने सवाल उठाया कि आखिर वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी क्या कर रहे हैं. उनकी उदासीनता का खामियाजा

किसानों को भुगतना पड़ रहा है. पंकज कुजूर ने बताया कि शनिवार की रात जंगली हाथियों ने ईटा गांव के शंकर उरांव और अकलु महतो के बोंरिग मशीन को तहस-नहस कर दिया. वहीं इसी गांव में तेम्बा उरांव और बिरसा बिछड़ कर एक जंगली हाथी अलग से उत्पात मचा रहा है. जबकि अन्य हाथियों के झुंड ने किसानों की फसलों को निशाना बना रहे हैं. जंगली हाथियों के आक्रमण से किसानों को लाखों रुपए का नुकसान हो चुका है. किसान बैंक एवं महाजनों से ऋण लेकर खेती कर रहे हैं और जंगली हाथी उनके सपनों को पैरों तले रौंदने में लगे हैं. ग्रामीणों ने जंगली हाथियों को बगैर कोई अपने जीवन के परवाह किए मशाल जलाकर तथा ढोल नगाड़े बजाकर भागने का प्रयास किया. इस दौरान कई बार अकेला जंगली हाथी लोगों की भीड़ की ओर पलट कर आक्रमण करने की कोशिश की.

हाथियों का उत्पात

- समरसेबल मशीन को भी क्षतिग्रस्त कर दिया
- वन विभाग की उदासीनता का खामियाजा भुगत रहे ग्रामीण

ब्रीफ खबरें

झामुमो कांके प्रखंड कमेटी का हुआ विस्तार

कांके। झामुमो प्रखंड अध्यक्ष जावेद अख्तर अंसारी की अध्यक्षता में रविवार को संगठन विस्तार को लेकर बैठक हुई. बैठक में झामुमो युवा मोर्चा, झामुमो किसान मोर्चा, झामुमो महिला मोर्चा के पदाधिकारियों का चयन सर्वसम्मिति से किया गया. जिसमें युवा मोर्चा के अध्यक्ष विनोद मुंडा, सचिव अशोक साहू, किसान मोर्चा के अध्यक्ष सहदेव मुंडा, सचिव प्रदीप महतो, महिला मोर्चा की अध्यक्ष लक्षण देवी, सचिव अनिता तिर्की को बनाया गया. मौके पर धमेंद्र सिंह, सोनू मुडा,झबूलाल महतो, सबीबुल रहमान, सज्जाद अंसारी, मो फरीद सहित दर्जनों थे.

विधायक ने मृतक परिवार को किया सहयोग

ओरमांझी। कुच्चू पथ पर ट्रक की चपेट में आने से कुल्ही गांव निवासी राजेश कुमार के पत्नी काजल कुमारी की मृत्यु हो गई थी. मृतक परिवार को विधायक राजेश कच्छप के सौजन्य से 52 किलो चावल मुहैया कराया . श्री उरांव ने सांत्वना देते हुए कहा कि सरकार की ओर से जो भी मुआवजा राशि राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना के अंतर्गत 20000, अबुआ आवास एवं अन्य हर तरह की सुविधा मिलती है. इस दौरान विधायक के सलाहकार रमेश उरांव ,झामुमो के नेता दिनेश महतो ग्राम प्रधान सुखराम पहान योगेश्वर करमाली राजू करमाली बरतु महतो दीपक लोहारा मृतक की पुत्री इशिका कुमारी उम्र 3 वर्ष यश कुमार उम्र 2 वर्ष इत्यादि मुख्य रूप से शामिल थे.

दो बाइक में सीधी टक्कर पांच लोग हुए घायल

लापुंग। लापुंग थाना क्षेत्र के फतेहपुर मोड़ के पास दो बाइक के भिड़ंत में पांच लोग घायल हो गए. घटना लगभग शाम के 6:30 बजे की है . करां सुंदारी से बाइक में सवार होकर फ्रांसिस भेंगरा, उसकी पत्नी सुको कुमारी एवं 5 वर्षीया बेटी सुनामी भेंगरा गंभीर रूप से घायल हो गए. वहीं दूसरे बाइक में सवार डाडी.निवासी दो लोग घायल हो गए. घटना की सूचना मिलते ही कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष सह पूर्व मुखिया जयंत बरला ने एम्बुलेंस नहीं मिलने पर घायलों को टेम्पो की व्यवस्था कर लापुंग सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया. फ्रांसिस भेंगरा को कमर, बांह, गला और पैर में गंभीर चोटें आई हैं. वहीं उनकी पत्नी सुको कुमारी और उनकी बेटी 5 वर्षीय सुनामी को भी चोटें आई है. सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉ दिलीप उरांव की देखरेख में चिकित्सा कर्मी लाल प्रवीण कुमार सिंह ने प्राथमिक उपचार किया. सुंदारी के सभी घायल बरईडीह जा रहे थे तभी अचानक डाडी.की ओर से आ रहे दो बाइक सवारों ने उनकी बाइक पर सीधी टक्कर मार दी.

मेदिनीनगर केंद्रीय कारा में दो घंटे चली छापामारी

मेदिनीनगर। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी शशि रंजन के निर्देश पर रविवार रात 8 से 10 बजे तक मेदिनीनगर के केंद्रीय कारागार में छापेमारी की गयी .छापेमारी दल में कार्यपालक दंडाधिकारी सेवाराम साहू, छतरपुर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नौशाद आलम,सदर सीओ अमरदीप सिंह,चैनपुर बीडीओ नितेश भास्कर,सीओ चंद्रशेखर कुणाल,जिला समाज कल्याण पदाधिकारी नेता चौहान व कार्यपालक दंडाधिकारी विक्रम आनंद समेत बड़ी संख्या में पुलिस के जवान शामिल रहे.दो घण्टे तक चली इस छापेमारी में केंद्रीय कारा के सभी वार्डो,सभी सेलों,कैंटीन समेत अन्य एरिया का सघन निरीक्षण किया गया.

महाधर्मप्रांत के नए महाधर्माध्यक्ष आर्च बिशप विंसेंट आइंद पहुंचे रांची

19 को होगा पुरोहिताभिषेक

खास बातें

- आर्च बिशप हाउस में जोरदार स्वागत हुआ
- जनवरी 2024 से आर्च बिशप का पद खाली था

संवाददाता। रांची

रांची महाप्रांत के नये महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आइंद रविवार रात 8.30 बजे रांची पहुंचे. आर्चबिशप फेलिक्स टोप्पो एस जे, पल्ली पुरोहित आनंद डेविड खलखो,फादर बिपिन टोपनो, फादर जार्ज,फादर प्रफुल बाड़ा ने आर्चबिशप हाउस में उनका जोरदार तरीके से स्वागत किया. जनवरी 2024 में आर्च बिशप फेलेकस टोप्पो रिटायर हुए थे. इसके बाद से बिशप का पद खाली था. 19 मार्च को रांची महाधर्मा प्रांत के धर्माध्यक्ष के रुप में लेंगे शपथ

बागडोगरा के बिशप, बिशप विंसेंट आइंद का रांची महाधर्मप्रांत के नए महाधर्माध्यक्ष के रुप में पुरोहिताभिषेक किया जाएगा. इस अवसर पर आर्चबिशप फेलिक्स टोप्पो एस जे ने सभी पुरोहितों एवं मेजर सुपीरियर को उनके कार्यकाल के दौरान सहयोग करने के लिए अपील की. साथ ही नए महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आइंद का भी पूरा सहयोग देने का आह्वान किया.

19 मार्च को होगा पुरोहिताभिषेक

- नये आर्च बिशप विसेंट आइंद का रांची में 19 मार्च को संत मरिया महागिरजा घर में पुरोहिताभिषेक किया जाएगा.
- रांची महाप्रांत के 7वें धर्माध्यक्ष बने बिशप विसेंट आइंद
- 1928-1933 से बिशप हाउस के प्रथम बिशप लुइस वान होक थे.
- 1934 से 1951 तक दूसरे बिशप ऑस्कर सेवरियन थे.
- 1951 से 1960 तक तीसरे बिशप निकोलस कुजूर रहे.
- 1961 से 1985 तक चौथे बिशप पायस केरकेट्टा रहे.
- 1985 से 2018 तक पांचवें बिशप तिलेसफोर पी टोप्पो.
- 2018 से 2023 तक फेलेक्स टोप्पो.

बिशप विंसेंट आइंद का जन्म जलपाईगुड़ी में हुआ

बिशप विंसेंट आइंद का जन्म 30 जनवरी 1955 को पश्चिम बंगाल के कालचीनी, जलपाईगुड़ी सूबा में हुआ था और उन्हें 30 अप्रैल 1984 को जलपाईगुड़ी सूबा के लिए पुजारी नियुक्त किया गया था . उन्होंने मॉर्निंग स्टार रीजनल सेमिनरी, बैरकपुर, कलकत्ता में दर्शनशास्त्र और सेंट जोसेफ सेमिनरी, मैंगलोर में धर्मशास्त्र का अध्ययन किया . उनके पास अंग्रेजी साहित्य में मास्टर डिग्री, अर्थशास्त्र में स्नातक डिग्री, ज्ञान दीपा विद्यापीठ, पुणे से दर्शनशास्त्र में लाइसेंसधारी और रोम के पोंटिफ़िकल ग्रेगोरियन विश्वविद्यालय से दर्शनशास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधि है . वह अंग्रेजी, हिंदी, नेपाली, बंगाली, सदरी, मुंडारी, इतालवी, फ्रेंच (केवल पढ़ने का ज्ञान) बोलते और लिखते है .

लालपुर कैथोलिक पल्ली में महिला दिवस का आयोजन

रांची। लालपुर पल्ली के कैथोलिक महिला संघ ने पल्ली स्तरीय महिला दिवस धूमधाम से मनाया. इस मौके पर सम्मेलन का आयोजन पारिस गिरजाघर में हुआ. सम्मेलन में लालपुर पल्ली की महिलाएं एवं पल्लीवासी एकत्रित हुई मिस्सा पूजा अनुष्ठान के बाद उपस्थित महिलाओं ने अपने अनुभव और विचारों का आदान-प्रदान किया. मिस्सा का मुख्य अनुष्ठाता संत अलबर्टस कॉलेज के प्रोफेसर फादर प्रफुल बड़ा थे. समारोह की मुख्य अतिथि इनकम टैक्स विभाग की सेवानिवृत कमिश्नर मेरी लोरेटिना लकड़ा ने अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के बारे बताया. कार्यक्रम का आरंभ अतिथियों के दीप प्रज्जलित कर किया. इसके बाद पुष्पा टोप्पो द्वारा बाइबल से एक अंश पढ़ कर सुनाए गए. सभानेत्री श्रद्धा बारला ने प्रार्थना की अगुवाई की. यूनिट 'डी' की महिलाओं ने स्वागत गीत गाकर, बैज पहनाकर और पुष्पगुच्छ प्रदान कर अतिथिओं का स्वागत किया. मुख्य अतिथि के सम्बोधन पश्चात समिति सचिव कस्मिरिया मिंज ने वार्षिक रिपोर्ट पढ़ा. वहीं आने वाले दिनों में कैसे बेहतर काम हो इस पर भी लोगों ने विचार व्यक्त किए. लोगों की सेवा सेवा कैसे हो इस पर भी चर्चा हुई समारोह में पल्ली पुरोहित फादर देवसहाय मिंज, सरपंच माइकल कच्छप, शिला लकड़ा, समिति के सदस्य सहित बड़ी संख्या में पल्ली महिलाओं ने भाग लिया. मेरी कुजूर के आभार प्रदर्शन के साथ समारोह का समापन हुआ.

आम्रपाली में हुई त्रिपक्षीय सुरक्षा समिति की बैठक

पिपरवार । बचरा स्थित मंगलम ऑफिसर्स क्लब में आम्रपाली चन्द्रगुप्त की त्रिपक्षीय सुरक्षा समिति की बैठक रविवार को हुई. बैठक की अध्यक्षता आम्रपाली चंद्रगुप्त क्षेत्र के महाप्रबंधक अमरेश कुमार और संचालन कार्मिक प्रबधंक आलोक कुमार ने किया. मुख्य अतिथि के रूप में डायरेक्टर माइन्स सेफ्टी माईनिंग आफताब अहमद और विशिष्ट अतिथि में डायरेक्टर माइंस सेफ्टी मैकेनिक रत्नाकर सोंकी,डायरेक्टर माइंस सेफ्टी इलेक्ट्रिकल विकास महेश्वरम, डीडीएमएस विनीत चौरसिया,अजेश मोहम्मद, हनुमंत राव,रविंद्र बोथा,जीएम एसएंडआर सुनील कुमार सिंह,आईएसओ राजेश कुमार उपस्थित थे. मुख्य अतिथि डायरेक्टर माइंस सेफ्टी आफताब अहमद ने कहा कि सीसीएल के सभी क्षेत्रों में सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित कर सुरक्षा से संबंधित बातों की समीक्षा की जा रही है. मौके पर जीएम अमरेश कुमार, पीओ पीके सिन्हा,पवन गुप्ता सहित श्रमिक प्रतिनिधियों में जेबीसीसीआई सदस्य लखनलाल महतो, सीसीएल सेफ्टी बोर्ड सदस्य रविंद्रनाथ सिंह,एसके चौधरी,अरुण कुमार सिंह, सहित कई अधिकारी और श्रमिक प्रतिनिधि मौजूद थे.

मजदूर यूनियन ने किया होली मिलन समारोह का आयोजन

पिपरवार। बचरा में राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन ने यूनियन कार्यालय में रविवार को किया होली मिलन समारोह का आयोजन हुआ. इस समारोह की अध्यक्षता यूनियन के पिपरवार क्षेत्रीय अध्यक्ष कासिम उर्फ मुन्ना और संचालन पिपरवार क्षेत्रीय सचिव विद्यापति सिंह ने किया. इस कार्यक्रम के बतौर मुख्य अतिथि झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्षा गुंजन कुमारी सिंह ,विशिष्ट अतिथि सीएचपी सीपीपी परियोजना पदाधिकारी धनंजय कुमार झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस सचिव पिंकी सिंह रैयत विस्थापित मोर्चा के केंद्रीय उपाध्यक्ष इकबाल हुसैन विधायक प्रतिनिधि राजेंद्र गुप्ता सहित आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे . इस कार्यक्रम के दौरान आगंतुक सभी अतिथियों का स्वागत अंग वस्त्र देकर किया गया .इसके पश्चात यूनियन के सेवानिवृत्त सदस्यों को उपहार देकर सम्मानित किया गया सम्मानित होने वाले सीसीएल कर्मियों में अब्दुल अंसारी श्रवण कुमार एव यूनियन के क्षेत्रीय सचिव विद्यापति सिंह के नाम शामिल थे .

ग्रामीणों ने विरोध कर जताया रोष

बड़का मुरू में सांसद और विधायक का प्रवेश वर्जित

संवाददाता। बुढ़मू

पिछले कई सालों से रोड की मांग कर रहे बड़का मुरु के ग्रामीणों का गुस्सा उबाल पर है . लोकसभा चुनाव से पूर्व ही लोगों ने वर्तमान सांसद ,विधायक को अपना कोपभाजन बनाते हुए बड़का मुरु में सांसद व विधायक का प्रवेश पूरी तरह वर्जित कर दिया है. वहीं ग्रामीणों ने अपने गांव घर में होने वाले हर कार्यक्रम का भी बहिष्कार कर दिया है . इसी को लेकर सैकड़ों ग्रामीणों ने सांसद संजय सेठ, व विधायक समरीलाल के खिलाफ रविवार को जोरदार प्रदर्शन करते हुए वोट बहिष्कार का भी आह्वान किया है. पूरी तरह बीजेपी का गढ़ समझे जाने वाले बड़का मुरु के ग्रामीणों में अपने ही सांसद विधायक के प्रति नाराज है.

आस्था

महाशिवरात्रि महोत्सव का सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हुआ समापन

बाबा बनखंडी धाम में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

संवाददाता। लापुंग

बाबा बनखंडी धाम लापुंग में आयोजित महाशिवरात्रि महोत्सव का सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हुआ समापन. महाशिवरात्रि के मौके पर आयोजित रंगारंग नागपुरी सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान जगन्नाथ बाबा म्यूजिकल ग्रुप गुमला के लोककलाकारों नारायण महतो, बिंदेश्वरी देवी, लक्ष्मीनाथ बडाईक, नितेश कश्यप, नीलम कुमारी, नमिता उरांव, नृत्यांगना पिंकी तथा जितेंद्र कुमार ने एक से बढ़कर एक कार्यक्रम प्रस्तुत कर लोगों का मन मोह लिया. नृत्यांगना पिंकी ने भी खूब तालियां बटोरी. पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत बतौर मुख्य अतिथि शिल्पी नेहा तिर्की को भाग लेना था लेकिन जरूरी काम से उन्हें दिल्ली जाना पड़ा. उनकी अनुपस्थिति में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व शिक्षा मंत्री सह कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन किया. इस मौके पर उन्होंने कहा कि पबीरा के पहाड़ पर हिंदू धर्म की इस आस्था के केंद्र बाबा वनखंडी धाम को बहुत जल्द सड़क मार्ग से लापुंग से पबीरा होते हुए जोड़ा जाएगा. इसके लिए इंजीनियर राहुल को वे भेजेंगे. उन्होंने कहा कि अभी ऊपर में एक शेड बनाने की जरूरत है. उन्होंने कहा कि नागपुरी कलाकार नागपुरी भाषा संस्कृति को बचाए रखने में अहम भूमिका है निभाते हैं जिसके कारण आज भी गांवों में ठेठ नागपुरी गीतों का प्रचलन बहुत ही लोकप्रिय है. इस मौके पर समाजसेवी सह शिवरात्रि मेला आयोजन समिति के अध्यक्ष बिरंची महतो, उपाध्यक्ष रामदेव साहु, कोषाध्यक्ष कैलाश मुंडा, सचिव प्रदीप महतो,मेला आयोजन समिति के संरक्षक ग्राम प्रधान सोमरा मुंडा, योगेंद्र मुंडा, मादी पहान, विधायक प्रतिनिधि सह कांग्रेसी नेता सुदामा महली , युवा कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष जन्मेंजय पाठक, फिरेंन्द्र साहु, तेम्बा उरांव, महावीर साहु, पहरू लोहरा, शिवरात्रि हीरामुणी देवी, शंकर साहु,विरतु साहु सहित दर्जनों लोग कार्यक्रम में मौजूद थे.

न्यूज अपडेट

ट्रस्ट ने महिला दिवस पर किया महिलाओं को सम्मानित

ओरमांझी। ट्रस्ट कार्यालय में कार्यरत महिला सदस्यों को सम्मानित किया. मां केयर चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में महिला दिवस की शुभकामनाएं दी गई. इसमें समिति ने महिलाओं को सम्मानित किया. अध्यक्ष अभिषेक कुमार ने समाज सेवा में उत्कृष्ट कार्यों के लिए महिलाओं को सम्मानित किया. इस दौरान अध्यक्ष अभिषेक कुमार ने कहा कि आज की महिला किसी की मोहताज नहीं है, वह आत्मनिर्भर है और अपने आप में सक्षम है. सचिव सह समाजसेवी वंदना उपाध्याय ने बताया कि घर और समाज को बेहतर करने के लिए पुरुष और महिला दोनों समान रूप से योगदान करते हैं.

फुटबॉल से जीने की प्रेरणा मिलती है: विनय महतो

राहे। प्रखंड के सताकी भेलवाटीकर गांव में रविवार को एक दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इसमें मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा ग्रामीण जिला उपाध्यक्ष विनय महतो धीरज एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में उपप्रमुख उमेश महतो शामिल हुए. फाइनल मैच कि उदघाटन अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया. एच आर इंटरप्राइजेज ने खेल के दौरान 1-0 से बढ़त बना ली. फुटबॉल के खेल से जीने की प्रेरणा मिलती है. प्रतियोगिता के फाइनल में विजेता टीम को 50,000 एवं उपविजेता टीम को 40000 रूपए नगद राशि देकर अतिथियों के द्वारा सम्मानित किया गया.

किसान लैंपस से जुड़कर लाभ उठाएं : आरती कुजूर

नामकुम। नामकुम लैंपस की अध्यक्ष आरती कुजूर और नामकुम एफपीओ की डायरेक्टर अंजलि लकड़ा सोगोद के ग्रामीणों के साथ बैठक की. बैठक में गांव के किसानों को नामकुम लैंपस और नामकुम के एफपीओ के बारे में जानकारी दी गई. श्री कुजूर ने नामकुम लैंपस के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि नामकुम के किसान लैंपस से जुड़कर खाद,बीज,नैनो खाद का लाभ उठा सकते हैं . अभी सरकार के द्वारा किसानों से धान प्रति किलो 23 रुपए खरीद की जा रही है. इस मौके पर बैठक में चंदन बिन्हा, गुलाब मुंडा,सोहराय मुंडा ,चंद्र मोहन मुंडा सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे.

चान्हो में ग्रामीणों ने निकाली वन बचाओ रैली

चान्हो। प्रखंड के सोंस पंचायत के ओपा ,सोंस, बुचाओपा के ग्रामीणों ने रविवार को वन बचाओ रैली निकाली. रैली बालक राम पहान के नेतृत्व में निकाली गई. रैली में शामिल ग्रामीणों ने झंडे बैनर के साथ चान्हो(बस्ति)से निकले हुए बुचाओपा लुपुंगा ,फुलडीह, सोस पाटुक आदि गांव का भ्रमण किया और वन बचाओ अभियान के समर्थन में नारे लगाए. रैली सोंस पंचायत का भ्रमण करते हुए चान्हो पतरा पहुंची जहां आम सभा में तब्दील हो गई.

कलशयात्रा के साथ तीन दिवसीय यज्ञ समारोह शुरू

बुढ़मू। हेसलपिरी गांव में नवनिर्मित श्री हनुमान मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा सह तीन दिवसीय यज्ञ समारोह का शुभारंभ रविवार को कलशयात्रा के साथ हुआ. कलश वितरण भाजपा के वरीय नेता स्वामी देवेंद्र प्रकाश, पूर्व सांसद रामटहल चौधरी, पूर्व जिप उपाध्यक्ष पार्वती देवी ने संयुक्त रूप से किया. मौके पर स्वामी देवेंद्र प्रकाश ने कहा कि यज्ञ का आयोजन से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो जाता है. साथ ही उन्होंने कहा कि आध्यात्म से ही मुक्ति संभव है. कलशयात्रा में 751 कन्याओं व महिलाओं ने भाग लिया. यज्ञ के सभी अनुष्ठान आचार्य रुद्रनाथ मिश्रा, नरेन्द्र किशोर वैद्य व वरुण वैद्य के सानिध्य में संपन्न हो रहा है. कलशयात्रा के आयोजन में समिति के रंजीत पटेल, मुखिया कुशेन्द्र पाहन, शोभनाथ महतो, सबिता देवी, रीता देवी, सोहन कुमार, रामटहल महतो आदि की सराहनीय भूमिका रही.

चेतन देवराज ट्रॉफी : सरला बिरला विवि बना उपविजेता

नामकुम। 31वीं चेतन देवराज मेमोरियल ईस्ट इंटर टेक्निकल क्रिकेट प्रतियोगिता में सरला बिरला विवि की टीम उपविजेता बनी. बीआईटी मेसरा में खेले जा रहे इस प्रतियोगिता में टीम को बीआईटी मेसरा की टीम ने फाइनल में 4 विकेट से हराया. रविवार को खेले गए मैच में सरला बिरला की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 21.3 ओवरों में सभी विकेट खोकर 91 रन बनाए. बिष्णु ने 17 और अभिषेक ने 16 रनों का योगदान दिया. जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी बीआईटी की टीम ने 17.2 ओवरों में लक्ष्य हासिल कर लिया. विजेता टीम की ओर से अभिनव ने 19 और सुधांशु ने 15 रनों का योगदान दिया. प्रीतम और विष्णु को 2-2 विकेट हासिल हुए.विवि के प्रतिकुलाधिपति विजय दलान , कुलपति प्रो. गोपाल पाठक और मुख्य कार्यकारी पदाधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने दोनों टीमों को बधाई दी.

कल्याणपुर में धूमधाम से मना महिला दिवस

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के कल्याणपुर गांव में रविवार को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया. इस मौके पर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन किया गया.कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजद महिला मोर्चा की चतरा जिला अध्यक्ष श्रद्धा देवी एवं विशिष्ट अतिथि मे कल्याणपुर पंचायत के मुखिया महेश मुंडा,राजद सिमरिया प्रखण्ड अध्यक्ष गुड्डु आलम, जेएमएम केन्द्रीय सदस्य सरोज देवी,यूसीडब्लू अशोक परियोजना के सचिव अरविंद शर्मा,पूर्व प्रमुख सीताराम साव,मोहम्मद रहमतुल्लाह सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे.सभी अतिथियों का स्वागत परंपरागत ढोल नगाड़े के साथ किया गया.कार्यक्रम की अध्यक्षता सरोज देवी और संचालन दुर्गा सोरेन सेना के जिलाध्यक्ष धनेश्वर गंझू ने किया.

एसोसिएशन ने किया होली मिलन समारोह का आयोजन

पिपरवार। विस्थापित प्रभावित ट्रक ऑनर एसोसिएशन, डीओ होल्डर, लिफ्टर के संयुक्त तत्वावधान में होली मिलन समारोह मनाया गया. होली मिलन समारोह की अध्यक्षता एसोसिएशन के अर्जुन गंझु एवं संचालन अमर कुमार महतो ने किया . समारोह के दौरान उपस्थित ट्रक ऑनर एसोसिएशन लिफ्टर डीओ होल्डर के सदस्यों द्वारा अपनी अपनी समस्याओं को बारी बारी से रखा एवं इसके निदान पर विस्तार पूर्वक चर्चा हुई . इसके पश्चात सभी लोगों ने एक दूसरे को रंग अबीर गुलाल लगाकर होली की शुभकामना दी और समारोह के दौरान बने व्यंजन का लुत्फ उठाया . मारोह के दौरान मुख्य रूप से महेंद्र कुमार मुकेश कुमार रामबालक गंझुरतु गंजू सुरेंद्र राम वसंत गंझु राजेन्द्र कुमार सद्दाम अंसारी प्रकाश भोक्ता नागेश्वर महतो महेश महतोअभिमन्यु कुमार केसरी पिंटू कुमार बीरबल उरांव सादिक अंसारी अशफाक मियां गुलाम रब्बानी ललेश महतो जमीर अंसारी सहित दर्जनों लोग मौजूद थे .

ब्रीफ खबरें

1100 लोगों ने लिया अन्नपूर्णा का प्रसाद

रांची। श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम के तत्वावधान में रविवार को सचिन दीपिका मोतिका के सौजन्य से 139 वां श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें 1100 से अधिक लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया. इस दौरान विशाल जालान के सौजन्य से श्रद्धालुओं के बीच एक एक पैकेट आलू चिप्स दिया गया. यह भंडारा पुंदाग स्थित संस्था के निर्माणाधीन श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर के प्रांगण में आयोजित हुआ, जिसका संस्था के उपाध्यक्ष निर्मल जालान एवं राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल की देखरेख में संस्था के वरिष्ठ सदस्या विद्या देवी अग्रवाल द्वारा उद्घाटन किया गया. भंडारे के प्रसाद में पुडी आलू टमाटर मिश्रित सब्जी, केसरिया खीर, वेजिटेबल पुलाव एवं आलू चिप्स का वितरण किया गया.

डीएसपीएमयू के तीन सत्र के छात्रों का भविष्य अंधकार में

रांची। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के जूलोजी ऑनर्स सत्र 2013-2016, 2014-2017 (तब का रांची कॉलेज) और 2015-18 के जो भी विद्यार्थी एनसीसी कर रहे थे, उन सभी विद्यार्थियों के सब्सिडियरी पेपर में विभाग द्वारा एनसीसी कर दिया गया था. उपरोक्त बातें आदिवासी छात्र संघ के नेता दया राम ने प्रेस रिलीज जारी कर के कही. उन्होंने कहा कि ऑनर्स पेपर कॉम्बिनेशन के साथ मैच नहीं कर रहा है और इस कारण से बीएड पास छात्र शिक्षक का फॉर्म भर नहीं पा रहे हैं. विभाग के तत्कालीन विभागाध्यक्ष गणेश बास्की एनसीसी इंचार्ज थे. यह समस्या उन्हीं की देन है. जब विद्यार्थी डिग्री लेकर शिक्षक के लिए आवेदन करना चाहते हैं तो उससे वंचित रह जा रहे है.

श्रीश्याम परिवार का जत्था खाटू धाम के लिए रवाना

रांची। श्रीश्याम परिवार का 101 सदस्यीय जत्था रविवार को खाटू धाम के लिए रेल मार्ग से रवाना हुआ. श्रीश्याम भक्त राजधानी एक्सप्रेस पहले दिल्ली पहुंचेंगे. यात्रा शुरू करने से पूर्व रात साढ़े आठ बजे अखंड ज्योत प्रज्वलित कर भजन-संकीर्तन किया जायेगा. श्रीश्याम प्रभु की आरती उताने के बाद रात साढ़े 12 बजे यात्रा शुरू होगी. श्रद्धालु निशान के साथ 17 किमी की पदयात्रा कर खाटू धाम आयेंगे. जत्था 12 मार्च को जीण माता और सालासर बालाजी के दर्शन को जायेगा. बुधवार को झुंझुनूं धाम होते हुए सभी वृंदावन के लिए प्रस्थान करेंगे. परिवार के अध्यक्ष श्रवण जालान ने बताया कि 14 मार्च को संपूर्ण दिवस वृंदावन धाम में विभिन्न मंदिरों का दर्शन-पूजन किया जायेगा.

मस्जिद जफरिया में जिक्र आले मुहम्मद का आयोजन

रांची। स्व. अफरोज इमाम की बरसी के अवसर पर जिक्र आले मोहम्मद का आयोजन किया गया. इस मजलिस में सैयद अता इमाम रिजवी ने मर्सिया पेश किया और अमूद अब्बास, कासिम अली, यूनुस, राजा हसनैन ने कलाम पेश किया. इस मजलिस को संबोधित करते हुए मौलाना सैयद तहसील ने कहा कि हम सबको अपने व्यवहार और करतब से जमाने में पहचान बनानी चाहिए. इस्लाम मजहब किरदार का मजहब है. आज जरूरत है कि धर्म और मजहब के प्रचार की बजाय इंसानियत का प्रचार किया जाये. जिस इंसान में सच्ची इंसानियत पाई जाएगी, वह कभी धर्म की सियासत नहीं करेगा, जो लोग धर्म की सियासत करते हैं, वह धर्म वफादार नहीं हो सकते. इस मजलिस में अफरोज इमाम के लिए दुआएं मकसूद की.

रियल स्टेट मास्टरी के वर्कशॉप में जुटे देश-विदेश के व्यवसायी

संवाददाता। रांची

यदि हम आंकड़ों की बात करें तो रियल स्टेट आज दुनिया भर में रोजगार प्रदान करने के मामले में दूसरे नंबर का सेक्टर है. भारत में इस व्यवसाय के फलने-फूलने की अपार संभावनाएं हैं. जरूरत केवल इस बात की है कि लोग इस व्यवसाय की बारीकियों से परिचित हों. उक्त बातें सुनील तुलस्यानी ने कही.

वे रियल स्टेट मास्टरी कार्यक्रम में बतौर मुख्य प्रशिक्षक प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे. तुलस्यानी भारतीय मूल के रहने वाले हैं. इनका व्यवसाय कनाडा में फैला हुआ है. ये मूलतः रियल स्टेट व्यवसायी, लेखक और प्रशिक्षक हैं. आचार्य अमरेश के बुलावे पर वे रांची आए हैं. इस प्रशिक्षण सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम के आयोजक आचार्य अमरेश हैं. आचार्य अमरेश अमीषा रीयल स्टेट के फाउंडर लेखक और कोच हैं. अमीषा रीयल स्टेट डेवलपर रांची की प्रमुख कंपनी है. आचार्य अमरेश रांची की धरती पर व्यवसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन और प्रशिक्षण के लिए जाने जाते हैं. उनका मानना है कि देश का विकास तभी होगा जब हमारे युवा स्किल के साथ मोटिवेशन भी सीख लेंगे. हम लोगों में व्यावसायिक स्किल होनी ही चाहिए.

दो दिनों तक रांची में हुई कार्यशाला

बता दें कि यह कार्यक्रम 9 और10 मार्च को रांची में आयोजित हुआ. कार्यक्रम में भाग लेने के लिए महाराष्ट्र, गुजरात छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड के साथ देश के बाहर से आए 200 लोग भाग ले रहे हैं. दोहा कतर से आए प्रतिभागी जीवन कुमार ने कहा कि यह कार्यक्रम देश के रियल स्टेट व्यवसायों के लिए मिल का पत्थर साबित होगा. महाराष्ट्र से आए जीमित कुमार ने कहा कि हमारे लिए यह एकेडमी और इसके कार्यक्रम हमें नए उत्साह और आइडिया से भरने वाले होते हैं. इनके अतिरिक्त अहमदाबाद से राधा, रांची के गौरव सहित सैकड़ों लोगों ने भाग लिया. इस अवसर पर कोल इंडिया के सीएमडी से सेवा निवृत अजय कुमार सिंह, जेनर मैनेजर कोल इंडिया से सेवा निवृत बीपी सिंह सहित अनुज कुमार, दीपक, पंकज, रविंद्र, सुनील इत्यादि मौजूद रहे. कार्यक्रम का संचालन लेखक एवं वक्ता डॉ डीसी पांडेय और हैदराबाद की सोनी ने किया.

पारंपरिक जमीन बेचने वालों का हुक्का पानी किया जाएगा बंद

संवाददाता रांची

आदिवासी कल्याण समिति ग्राम सभा पुरानी रांची एवं सरना प्रार्थना सभा की रविवार को बैठक हुई. लोगो ने कहा कि धार्मिक जमीन आदिवासियों की पहचान से जुड़ी है. रांची शहर में पारंपरिक जमीन की अवैध तरीके से खरीद विक्री हो रही है. समाज विरोधी कार्य किया जा रहा है. ऐसे लोगों को सबक सिखाया जाएगा. चिन्हित कर हुक्का पानी बंद किया जाएगा. क्योंकि सामाजिक, पारंपरिक और व्यवस्था को संभालना पूर्वजों ने सिखाया है. इसे संवारने के लिए आदिवासी समाज को आगे आना होगा. तभी आदिवासी समाज सुरक्षित रहेगा. मौके पर महानगर अध्यक्ष संजय कुजूर, सोनू खलखो, प्रभु कुजूर, राहुल तिर्की, झरिया उरांव, ग्राम सभा अध्यक्ष अतुल कुमार केरकेट्टा, स्वराज उरांव, विजय उरांव, जीतू उरांव, जतरू गाड़ी समेत अन्य शामिल थे.

डॉ. सुभाष चंद्र यादव को मिला विश्वंभर मैथिली साहित्य सम्मान

सबसे चर्चित किताब है 'गुलो'

पियूष गौतम। रांची

50 किताबों का अब तक हो चुका है प्रकाशन

1983 में प्रकाशित हुई पहली किताब 'घरदेखिया'

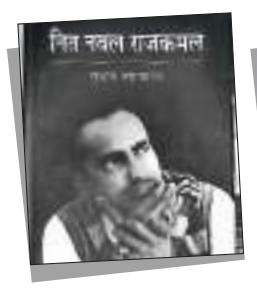

हरमू स्थित स्वागतम बैंक्वेट हॉल में रविवार को विश्वंभर मैथिली साहित्य सम्मान 2023 व विश्वंभर स्मृति झारखंड साहित्य सम्मान 2024 का आयोजन हुआ. पिछले पांच वर्षों से आयोजित हो रहे सम्मान समारोह का यह छठा वर्ष था. कई किताबें लिखकर साहित्य में अपना लोहा मनवाने वाले डॉ. सुभाष चंद्र यादव को मैथिली साहित्य सम्मान 2023 से नवाजा गया. वहीं जनजातीय साहित्य खासकर कुडुख भाषा में योगदान देने वाले भीखू उरांव को विश्वंभर स्मृति झारखंड साहित्य सम्मान 2024 के खिताब से सम्मानित किया गया. वहीं इस सम्मान के साथ एक लाख ग्यारह हजार रुपये की पुरस्कार राशि, अंगवस्त्रम और प्रशस्ति पत्र भेंट किया गया. उन्हें यह सम्मान भाजपा के संगठन मंत्री कर्मवीर सिंह, रांची विधायक सी पी सिंह एवं पूर्व कुलपति सुरेश प्रसाद सिंह ने संयुक्त रूप से प्रदान किया. इस अवसर पर विक्रम संवत 2081 का पंचाग का लोकार्पण भी किया गया.

मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

समारोह में कलाकारों ने कई मनमोहक गीत प्रस्तुत किए. अवनींद्रनाथ ठाकुर और रिषभ भारद्वाज ने अपनी प्रस्तुति से लोगों के बीच समां बांधा. पहले सत्र का संचालन राम सेवक ठाकुर जबकि दूसरे सत्र में कृष्ण मोहन ठाकुर ने कार्यक्रम का संचालन किया. कार्यक्रम में मुख्य रूप से वीर कुंवर विश्वविद्यालय आरा के पूर्व कुलपति सुरेश प्रसाद सिंह, भाजपा झारखण्ड संगठन मंत्री कर्मवीर सिंह, रांची विधायक सीपी सिंह, रांची के पूर्व उप मेयर संजीव विजयवर्गीय, आईसीएम के निदेशक पीसी मिश्रा, मैथिली साहित्यकार केदार कानन, विश्व हिन्दू परिषद के नेता गंगा प्रसाद यादव, रांची दूरदर्शन के पूर्व निदेशक प्रमोद कुमार झा, साहित्यकार नरेंद्र झा, साहित्यकार सरोज झा, भारतीय जनतंत्र मोर्चा के धर्मेंद्र तिवारी एवं रांची नगर निगम वार्ड 26 के पार्षद के साथ अनेक गणमान्य लोग शामिल हुए.

कौन हैं डॉ. सुभाष चंद्र यादव

डॉ. सुभाष चंद्र यादव 55 वर्षों से हिंदी और मैथिली भाषा में किताबें लिख रहे हैं. लगभग 50 किताबें अब तक प्रकाशित हो चुकी हैं. उनकी लिखी किताब 'गुलो' अब तक की सबसे चर्चित किताब रही है. यह किताब रोज कमाने-खाने वाले के जीवन पर आधारित है, जो कि आम बोल-चाल की भाषा में लिखी गई है. बिहार के सुपौल जिले में जन्मे डॉ. सुभाष ने प्रारंभिक स्कूली शिक्षा अपने गृह जिले से पूरी की, उसके बाद पटना कॉलेज से स्नातक करने के बाद जवाहरलाल नेहरू युनिवर्सिटी (जेएनयू, दिल्ली) से हिन्दी में एमए और फिर पीएचडी की उपाधि ली. उनकी पहली किताब सन 1983 में 'घरदेखिया' प्रकाशित हुई. डॉ. सुभाष चंद्र यादव को हिन्दी मैथिली के अलावा बांग्ला, उर्दू और स्पेनिश भाषा में महारत हासिल है.

प्रभु यीशु मुक्तिदाता है, यीशु ही संसार का स्वर्ग दूत है : सिस्टर

संवाददाता। रांची

फादर बुल्के पथ स्थित संत मरिया महागिरजाघर चर्च में आयोजित तीन दिवसीय आत्माभिषेक साधना का रविवार को समापन हो गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता दिल्ली की सांत्वना कम्युनिटी के फादर संतोष ने किया. साधना में टोंकाटोली, हिंदपीड़ी, संत अन्ना, उर्सलाइन कन्वेंट, मदर हाउस के हजारों विश्वासी शामिल हुए. धर्म बहनों को सम्बोधित करते हुए फादर संतोष ने कहा कि यीशु मसीह की शक्ति पहचानें. उन्होंने ईसाई समुदाय में माता मरियम, रोजरी, बेदी के महत्व को समझाया.आज मिस्सा एक प्रथा बन गया है. विनती के प्रति विश्वासियों का विश्वास कमजोर हो गया है, इसे मजबूत करने की जरूरत है. सिस्टर सैली ने कहा कि यीशु मसीह चंगाई करते हैं. शैतान की शक्ति को बढ़ाने वाले यीशु मसीह का निंदा करते है. उन्हें मालूम नहीं कि यीशु मुक्तिदाता हैं. यीशु ही संसार का स्वर्गदूत है.

ईश्वर को आदर और सम्मान देना है. आज यीशु के प्रति विश्वासियों का विश्वास कमजोर हो गया है. मनुष्य के संस्कार में दया और कृपा है. यीशु को पहचाने बिना जो लोग परम प्रसाद ग्रहण करते है, लापरवाह बनते हैं.आज वे ही लोग दुर्बल, बीमार हैं. उन्होंने कहा कि मिस्सा, बलिदान और प्रार्धना प्रभु को सौपते हैं, उनके वस्त्र को पहचानते है. यीशु द्वारा अर्पित रोटी को जो खाता है, वह सदा जीवित रहता है. विश्वासियो को संसार के लिए आध्यात्मिक जीवन में लीन होने की आवश्यकता है. विनम्रता के साथ प्रभु के पास आओ. यीशु के वचन को पढ़ो. कलिसिया की अच्छाई को जानो. लोगो के आंसू पोछने वाला बनें. अज्ञनता से हुई पाप को स्वीकार करे. पाप के मुक्ति के लिए विश्वासियो को पश्चाताप करना चाहिए.

अनेक सदस्यों ने ग्रहण की संगठन की सदस्यता

रांची। रांची गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसियेशन की सभा रविवार को जालान रोड में हुई. इसमें अनेक सदस्यों ने संगठन की सदस्यता ग्रहण की. इसमें मुख्य मुद्दा शहर में ट्रांसपोर्ट नगर की स्थापना, संगठन का मानना है कि कथित ट्रांसपोर्ट नगर, जो सुकुरहुट्टू में निर्माणाधीन है, वह मात्र परिवहन व्यवसाय के लिए छलावा है, कथित ट्रांसपोर्ट नगर में किसको स्थान मिलेगा, यह कोई सरकार द्वारा तय नहीं किया गया है. रांची के परिवहन व्यवसाय को देखते हुए उक्त स्थान में परिवहन व्यवसाय करना न तो संभव है और न ही सरकार के द्वारा कोई आधिकारिक जानकारी दी गई है कि किस परिकल्पना के साथ कथित ट्रांसपोर्ट नगर का निर्माण किया जा रहा है. मौके पर संजय जैन, सुनील सिंह चौहान, ऋषिदेव यादव, राजकिशोर सिंह, एस बी सिंह, रणजीत तिवारी, बिंदुल वर्मा, दिनेश चौबे, उदय सिंह, दीपक सिंह आदि शामिल थे.

होली का धमाल 17 मार्च को रशियन संग थिरकेगी रांची

संवाददाता। रांची

सन डाउनर इंटरटेनमेंट की ओर से प्री होली सेलिब्रेशन इट्स होली थिंग का आयोजन 17 मार्च को किया जाएगा. यह आयोजन रांची के कार्निवाल पैलेस में होगा. यह जानकारी सन डाउनर इंटरटेनमेंट के सीईओ आदित्य राज और फाउंडर ईशान कुमार सोनी ने दी. उन्होंने बताया कि रांची में होने वाले होली सेलिब्रेशन में यह कार्यक्रम सबसे अलग और सबसे ज्यादा शानदार होगा. कार्यक्रम में रशियन डांसर भी भाग लेकर अपनी अदाओं से जलवा बिखेरेंगी. साथ ही डीजे की धुन पर रंगभरी होली खेलेंगी. आदित्य ने बताया कि अबतक 1000 से अधिक टिकट की बिक्री हो चुकी है. कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं. प्रशासन भी इसमें सहयोग कर रहा है. होली खेलने के साथ-साथ स्नेक्स और ड्रिंक की भी व्यवस्था की गई है. कार्यक्रम के सफल आयोजन में सीइओ आदित्य राज फाउंडर के साथ ईशान कुमार सोनी, मीडिया मैनेजर आयुष राज वर्मा व अन्य लोग सहयोग कर रहे हैं.

मेगा इंटरनेशनल ट्रेड फेयर का समापन आज

संवाददाता। रांची

मोरहबादी मैदान में चल रहे इंडिया इंटरनेशनल मेगा ट्रेड फेयर का समापन सोमवार को होगा. इस दिन रांचीवासियों को विभिन्न उत्पादों को खरीदने का अंतिम मौका मिलेगा. साथ ही कई उत्पादों पर छूट भी मिलेगी. ट्रेड फेयर के नौवें दिन रविवार होने की वजह से भारी भीड़ उमड़ी. दोपहर 12 बजे से लोगों का आना शुरू हुआ, जो देर रात तक जारी रहा. ट्रेड फेयर में लोगों ने जमकर खरीदारी की, इससे स्टॉल धारक भी काफी खुश नजर आये. ट्रेड फेयर में झारखंड सरकार का भी स्टॉल लगाया गया है. इनमें झारखंड टूरिज्म का भी एक स्टॉल है, जहां लोगों को झारखंड के पर्यटन स्थलों के बारे में जानकारी दी जा रही है. उद्योग विभाग ने भी अपना स्टार लगाया है. जहां सरकार की योजनाओं से लोग अवगत हो रहे हैं. वही, ऑटोमोबाइल जोन में भी लोगों की अच्छी भीड़ जुटी थी. ट्रेड फेयर में रियल स्टेट सेक्टर का भी स्टॉल है, जहां लोग फ्लैट की जानकारी ले रहे हैं. कई डेयरी कंपनियों ने भी अपना स्टॉल लगाया है, जहां अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया है. इन स्टॉल में लोगों की अत्यधिक भीड़ जुट रही है. चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री व महासचिव परेश गट्टानी ने कहा कि 10 दिवसीय मेगा ट्रेड फेयर का समापन सोमवार संध्या 4 बजे होगा. आज 20 हजार से अधिक लोग ट्रेड फेयर पहुंचे और खरीदारी की. ट्रेड फेयर में गौशाला न्यास बोर्ड के अध्यक्ष राजीव रंजन और झारखंड बस ओनर एसोसिएशन के अध्यक्ष सच्चिदानंद सिंह भी ट्रेड फेयर पहुंचे और खरीदारी की.

श्रद्धा से मना श्रीश्री ठाकुर अनुकुलचंद्र जी का जन्मोत्सव

संवाददाता। रांची

कांके, बोरिया रोड स्थित सत्संग स्थल में रविवार को श्रीश्री ठाकुर अनुकुलचंद्र जी का 136वां वार्षिकोत्सव श्रद्धाभाव से मनाया गया. इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और सद्गुरु की भक्ति में रमे रहे. अहले सुबह से शाम साढ़े छह बजे तक भक्ति के विविध कार्यक्रमों का क्रमवार सिलसिला चला. शुरुआत सुबह साढ़े चार बजे मांगलिक वेद वाचन और शहनाई वादन से हुई. इसके बाद सुबह शुभ मुहुर्त 8:42 बजे सिपाई दा ने सत्संग विहार मंदिर का नेम-निष्ठा से उद्बोधन किया. इस दौरान वंदे पुरुषोत्तम के उद्घोष से वातावरण रह-रह कर गूंजता रहा. फिर सत्संग सभा शुरू हुई. अनुयायियों को आशीर्वचन प्रदान करते हुए सिपाई दा ने गुरु भक्ति का मर्म समझाया. कहा कि भक्ति, उत्साह और उमंग के साथ सद्गगुरु के बताये मार्ग पर हमेशा अग्रसर रहे. सह प्रति ऋत्विक बिरबर राउत ने कहा है कि औरों को बचाना और अपने को बचाना इसी को धर्म समझना ही वर्तमान समस्या का निदान है. उन्होंने सद्गुरु के बतायी गयी पांच नीतियों पर प्रकाश डालते हुए इसे जीवन में उतारने की बात कही. सत्संग विहार देवघर से आयी संगीत मंडली ने भजन-कीर्तन कर गुरु भक्ति की महिमा का गुणगान किया. श्रीठाकुर की शरण में आ जाओ, हो जाए बेड़ा पार ... जैसे भजनों पर श्रद्धालु घंटों झुमते रहे. डॉ जयदीप पति ने श्रीठाकुर जी की वाणी पर चर्चा करते हुए कहा कि संकुचित स्वार्थ जीवन का सबसे बड़ा बाधक है. तमाम दुखों का कारण है. हमे स्वयं के साथ दूसरों के भले-बुरे का खास ख्याल रखना चाहिए. इनके बाद कई और अनुयायियों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए श्रीश्री ठाकुर जी के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की. दोपहर बाद शुरू हुआ मातृ सम्मेलन शाम साढ़े छह बजे तक चला. सचिव देवाशीष गुप्ता, डॉ आरएस पान, रंजीत गुप्ता, बसंत राम, योगेंद्र सिंह, अर्जुन सिंह, रणवीर ,दिलीप, संजय महतो, गौतम सेन, शाहिद आदि ने इसके सफल आयोजन में मुख्य योगदान दिया.

खास बातें

- श्रीश्री ठाकुर की शरण में आ जाओ, हो जाएगा बेड़ा पार
- सिपाई दा ने समझाया सद्गुरु की भक्ति का मर्म

रमजान का इंतजार दारूल कजा इमारत-ए-शरिया रांची के काजी मुफ्ती मोहम्मद अनवर कासमी ने की अपील

आज रमजान उल मुबारक का चांद देखने पर विशेष ध्यान दें

संवाददाता। रांची

दारुल कजा इमारत-ए-शरिया रांची के काजी शरीअत, मुफ्ती मोहम्मद अनवर कासमी ने रमजान उल मुबारक महीना के चांद देखने की अपील करते हुए कहा कि चांद देखने की कोशिश करना एक दीनी जिम्मेदारी है. इसलिए कि इस पर कई इबादतों का आधार है. इमारत शारीया ने बिहार, झारखंड, ओडिशा और बंगाल के विभिन्न शहरों, कस्बों और क्षेत्रों में इमारत ए शरिया की 91 शाखाओं और हजारों बस्तियों में स्थापित इमारत शरिया की कमेटी के द्वारा चांद देखने के बाद उसकी गवाही लेने का प्रबंध किया जाता है. सोमवार 11 मार्च को शबानुल मोअज्जम महीना 1445 हिजरी की 29 तारीख है और चांद की 29 तारीख को आगामी महीने के चांद नजर आने की संभावना रहती है. इसलिए उपरोक्त तिथि को रमजान उल मुबारक महीने के चांद देखने पर विशेष ध्यान दें, और देखने के बाद दूसरों को भी दिखाएं और देरी किये बिना स्थानीय काजी शरीअत या जिम्मेदार आलिम के पास शहादत दें, और निम्नलिखित फोन नंबर और मोबाइल के माध्यम से जानकारी दें. इमारत शरिया फुलवारी शरीफ पटना.0612.2555351, 9430035947, 9431878184, 9709807646, 9471867660, 9801877662, 9431619558, 9939796296, 7488402471, 8540891038, 9472077552, 8298651630, दारूल कजा इमारत शरिया रांची. 9430113833, 9798506704 दारुल कजा इमारत शरिया जमशेदपुर 9334617212, 9534741637 दारुल कजा इमारत शरिया धनबाद 8936812883, 9835598327 दारुल कजा इमारत शरिया गोरगांवां गोड्डा 7667112517, दारुल कजा इमारत शरिया गिरिडीह 8210258172, 8809490394, दारुल कजा इमारत शरिया जामताड़ा, 9934358440, 8969538840 दारुल कजा इमारत शरिया चितरपुर 9955269514 दारुल कजा इमारत शरिया हजारीबाग 8294814338 दारुल कजा इमारत शरिया कोडरमा 8507825390, 9934149491 दारुल कजा इमारत शरिया बोकारो 7004516070,7549295314 दारुल कजा इमारत शरिया सिमडेगा 7903474891, दारुल कजा इमारत शरिया लोहरदगा 9304809887, 9997715370 दारुल कजा इमारत शरिया साहेब गंज 9932869500, दारुल कजा इमारत शरिया मधुपुर, देवघर 8126580348, दारुल कजा इमारत शरिया सिसई, गुमला 7895061994.

खास बातें

- आज शबानुल मोअज्जम महीना 1445 हिजरी की 29 तारीख
- चांद खुद देखने और दूसरों को भी दिखाने का किया अनुरोध

महिला दिवस पर दयालनगर में परिचर्चा का आयोजन

संवाददाता। रांची

उद्यमी आदिवासी विकास संस्थान के तत्वावधान में पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार रविवार को पिस्का मोड़ के समीप दयाल नगर कार्यालय में महिला दिवस के अवसर पर परिचर्चा का आयोजन किया गया. इस अवसर पर महिलाओं के आर्थिक, सामाजिक एवं शारीरिक विषय पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया. साथ ही महिलाओं की सुरक्षा कैसे हो, किस तरह कानूनी लड़ाई लड़ी जाए आदि मुद्दों पर गंभीरता से विचार विमर्श किया गया. साथ ही महिलाओं को अपने अधिकार और मान-सम्मान के लिए मानसिक रूप से तैयार रहने को कहा गया. संस्थान की कई महिलाओं ने कहा कि आए दिन महिलाओं के साथ काफी अत्याचार किया जा रहा है. कई महिलाएं संगठन चला रही हैं, लेकिन वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक नहीं हैं. अध्यक्षता संस्थान की सचिव शर्मिला मिश्रा कर रही थीं. इस अवसर पर सभी महिलाओं ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर स्वागत किया. आज के कार्यक्रम में संस्थान की सचिव संजू मिश्रा, विनीता नायक, शिक्षिका रंजन चौबे, अधिवक्ता प्रिया वंदना सहित सैकड़ो महिलाएं उपस्थित थीं. बैठक के बाद उद्यमी आदिवासी विकास संस्थान की ओर से कहा गया कि हम लोग अब लगातार जन जागरूकता अभियान चलाएंगे और महिलाओं को उचित सम्मान देने के लिए सामाजिक संगठनों के साथ-साथ राजनीतिक संगठन एवं राज्य सरकार से भी मांग करेंगे.

करिश्माई आंकड़ों की कथा

अर्थव्यवस्था संबंधी ताजा आंकड़ों ने एक तरह का चमत्कारिक प्रभाव पैदा किया है. कई रिपोर्टों में इसका उल्लेख किया गया है कि जहां दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं मंदी टालने के लिए संघर्षरत हैं, वहीं भारत में इस वित्त वर्ष में चौंकाने वाली वृद्धि दर्ज होने जा रही है. इसलिए यह समझना महत्त्वपूर्ण है कि आखिर ऐसा कैसे हुआ है! कहानी दरअसल यह है कि भारत सरकार के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने आर्थिक वृद्धि संबंधी आंकड़ों में कई संशोधन किए. नतीजा हुआ कि भारत के 2023-24 के आर्थिक आंकड़ों में चमत्कारिक चमक आ गई. पिछले महीने एनएसओ ने इस वर्ष जीडीपी में वृद्धि दर 7.3 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था. अब इसे बढ़ाकर 7.6 प्रतिशत कर दिया गया है. बताया गया है कि वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में यह दर 8.4 प्रतिशत तक पहुंच गई. चालू वित्त वर्ष में अर्थव्यवस्था में अनुमानित सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) को 6.9 प्रतिशत पर रखा गया है. जाहिर है, सारी कहानी आंकड़ों में किए गए संशोधनों पर आ कर टिक जाती है. एनएसओ ने चालू वित्त वर्ष में निजी उपभोग में अब सिर्फ तीन प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान लगाया है, जबकि जनवरी में जारी आंकड़ों में इसके 4.4 प्रतिशत रहने का अंदाजा लगाया गया था. तीसरी तिमाही में कृषि क्षेत्र के जीवीए में तो गिरावट आने- यानी माइनस ग्रोथ की बात कही गई है. यह गिरावट 0.8 फीसदी की रहने का अनुमान लगाया गया है. पूरे वित्त वर्ष में महज 0.7 प्रतिशत वृद्धि होने की बात कही गई है. यह जाना-पहचाना तथ्य है कि आज भी भारत की बहुत बड़ी जनसंख्या कृषि पर निर्भर है. इस क्षेत्र में वृद्धि दर लगभग गतिरुद्ध अवस्था में है. इसके बावजूद अगर ऊंची जीडीपी वृद्धि दर्ज हुई है, तो यह स्वाभाविक प्रश्न उठेगा कि जीडीपी की इस खुशहाली में कौन शामिल है और कौन इससे बाहर है. मगर इस मुद्दे पर आने के पहले अभी आए आंकड़ों पर कुछ और गौर करना उचित होगा.एनएसओ ने बताया हैः व्यापार, होटल, ट्रांसपोर्ट, संचार और प्रसारण जैसे क्षेत्रों में 2023-24 में जीवीए ग्रोथ 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है. 2022-23 में यह वृद्धि 12 प्रतिशत रही थी. यानी इस वर्ष इसमें 40 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आएगी. ये वे क्षेत्र हैं, जिनमें बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिलता है. तो यह सवाल लोगों की ओर से उठेगा कि तो फिर वृद्धि कहां दर्ज हुई है. एनएसओ के आंकड़ों से ही यह साफ है कि जिस क्षेत्र ने अर्थव्यवस्था को अपने कंधों पर उठा रखा है, वह सरकार का पूंजीगत निवेश है. यहां याद करना उचित होगा कि चालू वित्त साल के बजट में सरकार ने दस लाख करोड़ रुपए इस मद में रखे थे. मगर इस मद में ज्यादा पैसा खर्च करने का परिणाम हुआ है कि सरकारी उपभोग में गिरावट आई है. तीसरी तिमाही में इसमें 3.2 प्रतिशत की गिरावट आई. तो कुल सूरत यह उभरती है कि कृषि सहित अर्थव्यवस्था के वे क्षेत्र, जहां ज्यादा लोगों को रोजगार मिलता है, वहां खुद सरकारी आंकड़ों के मुताबिक रुझान गिरावट का है.

> पूरे वित्त वर्ष में महज 0.7 प्रतिशत वृद्धि होने की बात कही गई है. यह जाना-पहचाना तथ्य है कि आज भी भारत की बहुत बड़ी जनसंख्या कृषि पर निर्भर है. इस क्षेत्र में वृद्धि दर लगभग गतिरुद्ध अवस्था में है.

सुभाषित

पुण्यतीर्थे कृतं येन तपः क्वाप्यतिदुष्करम्।
तस्य पुत्रो भवेद्वश्यः समृद्धो धार्मिकः सुधीः।।

जिस व्यक्ति ने तीर्थ यात्रा में जाकर तपस्या की है, तो उसके प्रभाव से उसका पुत्र आज्ञाकारी, धनवान, गुणी और विद्वान बनता है.

ये गरीबी क्या बला है, जो खत्म न हुई

भारत एक अमीर लोगों वाला गरीब देश है. मतलब कि देश के कुछ लोग बहुत अमीर हैं, लेकिन एक बड़ी संख्या गरीबों की भी है. पिछले 75 सालों से अलग-अलग राजनीतिक पार्टियां गरीबी से जुड़े नारे देकर सत्ता में आती रही हैं. 1971 में इंदिरा गांधी ने गरीबी हटाओ का नारा देकर सरकार बनायी थी. उनके बाद राजीव गांधी ने भी यही नारा दिया और देश के प्रधानमंत्री बने. फिर 2014 में नरेंद्र मोदी ने भी देश से गरीबी हटाने के कई वादे किए थे.

• देश-काल

बृजेंद्र दूबे

अब एक बार फिर देश में अगले कुछ दिनों में लोकसभा चुनाव होने वाले हैं. चुनाव से पहले संसद में बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार का एक ही लक्ष्य है- देश में कोई भी गरीब भूखा न सोए. इस स्लोगन के जरिए मोदी सरकार भारत के 80 करोड़ लोगों को एक साथ साधना चाहती है. भारत को आजाद हुए 75 साल से भी ज्यादा हो गए. इस दौरान देश ने 12 प्रधानमंत्री देखे. लेकिन गरीबी और भुखमरी का मुद्दा ज्यों का त्यों रहा. हाल ही में नीति आयोग की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पिछले कुछ सालों में गरीबी का स्तर तेजी से कम हुआ है. नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रमण्यम का कहना है कि पिछले कुछ सालों में शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के लोग काफी समृद्ध हुए हैं. इतना ही नहीं, दोनों क्षेत्रों के बीच के खर्च में भी ज्यादा फर्क नहीं रह गया है. नीति आयोग की इसी रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2013-14 में भारत की 29.17 प्रतिशत आबादी एमपीआई (बहुआयामी गरीबी सूचकांक) के हिसाब से गरीब थी. जो कि वित्त वर्ष 2022-23 में घटकर 11.28 प्रतिशत हो गया है. यानी एमपीआई के अनुसार इन नौ सालों में 17.89 प्रतिशत लोग गरीबी से बाहर आए है. इन आंकड़ों को देखते हुए ये कहना गलत नहीं होगा कि इन तीन दशकों में गरीबी हटाओ के नारे को जीवंत बनाने के लिए जबर्दस्त तेजी दिखाई गई है. लेकिन इस कहानी का दूसरा पहलू भी है.

कुछ अर्थशास्त्रियों का दावा है कि इस रिपोर्ट में पूरी तस्वीर पेश नहीं की गई है. 2022 में आई ग्लोबल हंगर इंडेक्स की लिस्ट के अनुसार भी भारत 121 देशों में 107वें स्थान पर है. ऐसे में सवाल यह उठता है कि अगर भारत में वाकई गरीबी खत्म हो रही है, तो हंगर इंडेक्स में देश की दशा इतनी बुरी क्यों है? 9 साल पहले यानी 25 सितंबर 2015 को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 17 एसडीजी (सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स) तय किया गया था. एसडीजी का सबसे बड़ा मकसद गरीबी को जड़ से उखाड़ फेंकना था. सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स में यह भी साफ़ कहा गया था कि गरीबी किसी एक मानक से तय नहीं की जा सकती. यही कारण है कि एमपीआई को विकसित किया गया. एमपीआई से यूएन को दुनियाभर के देशों में गरीबी की स्थिति का आकलन करने में मदद मिलती है. कुछ अलग-अलग इंडिकेटर के आधार पर एमपीआई की गणना की जाती है और संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इसका एक लेखा-जोखा भी बनाया है. हालांकि अपनी स्थिति के अनुसार हर देश इन इंडिकेटर में थोड़ा बहुत बदलाव कर सकते हैं. भारत में एमपीआई की गणना 12 इंडिकेटर के आधार पर की जाती है. इन 12 मापदंडों में पोषण, स्कूली शिक्षा के साल, प्रेग्नेंसी के दौरान देखभाल, बाल और किशोर मृत्यु दर, खाना पकाने में किस ईंधन का इस्तेमाल होता है और स्कूल में उपस्थिति जैसे इंडिकेटर्स शामिल हैं. इन 12 मानदंडों में स्वच्छता, किन घरों में बिजली है. किन घरों में पीने के पानी की उपलब्धता है, घर है या नहीं, संपत्ति कितनी है और बैंक या पोस्ट ऑफिस में खाता है या नहीं, भी शामिल किया गया है. साल 1971 में जनगणना के अनुसार उस वक्त भारत की आबादी 54 करोड़ थी. इनमें से 57% आबादी गरीबी रेखा के नीचे थी और लगभग 66 प्रतिशत लोग अनपढ़ थे. जनगणना के अनुसार उस वक्त ग्रामीण से ज्यादा शहरी आबादी गरीबी रेखा के नीचे जीवन बसर कर रहे थे. वहीं, साल 2020 में संयुक्त राष्ट्र संघ की संस्था यूएनडीपी ने एक रिपोर्ट जारी की थी, जिसमें कहा गया था कि भारत की कुल 135 करोड़ आबादी में से 22 करोड़ लोग अब भी गरीबी रेखा के नीचे हैं. दुनिया के अन्य देशों की तुलना में भारत में गरीबों की संख्या का स्थान सबसे ऊपर है. हालांकि, इसी रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि इस देश में पिछले 20 साल में 40 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले हैं. हालांकि साल 2022 में आई ग्लोबल हंगर इंडेक्स की लिस्ट में भारत को 121 देशों में 107 वां स्थान दिया गया था. रिपोर्ट में कहा गया कि कोरोना के बाद 5 करोड़ 60 लाख भारतीय फिर से गरीबी रेखा के नीचे आ गए.

पटना यूनिवर्सिटी में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर कुलदीप शर्मा ने कहा, भारत में कितनी प्रतिशत आबादी गरीब है इसकी गिनती लोगों की आय के आधार पर की जाती है. लेकिन गरीबी रेखा निर्धारण के इस पैमाने में एक खामी है और वह यह है कि इस तरीके के सर्वे करने के कारण गरीबी के अन्य आयामों को नजरअंदाज कर दिया जाता है. उदाहरण के लिए ऐसे समझिए की एक तरफ एक बेघर व्यक्ति है और दूसरी तरफ एक ऐसा व्यक्ति है जिसके पास रहने के लिए छत हो और घर में बिजली भी हो, ये दोनों ही व्यक्ति आमदनी के आधार पर तो गरीबी रेखा के नीचे हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर देखा जाए तो बेघर व्यक्ति की हालत मकान वाले के मुकाबले काफी बदतर है. नीति आयोग की रिपोर्ट में इस बात का भी दावा किया गया है कि अलग अलग कल्याणकारी योजनाओं ने देश में गरीब अमीर की दूरी को कम करने में प्रमुख भूमिका निभाई है. हालांकि डीडब्ल्यू की एक रिपोर्ट में दिल्ली के जेएनयू में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर रहे अरुण कुमार का कहना है कि सरकार की रिपोर्ट की दोबारा व्याख्या की जरूरत है. उन्होंने आगे कहा कि साल 2019 और साल 2021 के पांचवें राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के डेटा का इस्तेमाल करने से सर्वेक्षण के आधार पर अभाव सूचकांक में काफी त्रुटियां हुई होंगी, जिससे नीति आयोग की रिपोर्ट के निष्कर्ष संदेह के घेरे में आ गए हैं. भारत में सबसे गरीब राज्य छत्तीसगढ़ है. इसके बाद झारखंड, मणिपुर, बिहार, अरुणाचल प्रदेश और असम में भी गरीबी चरम पर है. वहीं सबसे अमीर राज्यों में महाराष्ट्र, तमिलनाडु, गुजरात, कर्नाटक, यूपी और राजस्थान का नाम आता है. राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक की साल 2023 की रिपोर्ट के अनुसार पश्चिम बंगाल की 11.89 प्रतिशत आबादी बहुआयामी गरीबी के तहत निवास करती है, जबकि आंकड़ा गुजरात में 11.66 प्रतिशत है, जोकि पश्चिम बंगाल से कुछ ही कम है. हालांकि एक तथ्य यह भी है कि सांख्यिकी मंत्रालय के 2021-22 के अनुमान के अनुसार, गुजरात की प्रति व्यक्ति आय प्रतिवर्ष औसत लगभग 2.5 लाख रुपए है, जो पश्चिम बंगाल की 1.24 लाख रुपए से लगभग दोगुनी है. जाति के अनुसार, भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में 45.3 प्रतिशत एसटी, 31.5 प्रतिशत एससी, 22.6 प्रतिशत ओबीसी और 15.5 अन्य गरीबी रेखा से नीचे हैं. वहीं, दूसरी तरफ शहरी इलाकों में 24.1 प्रतिशत एसटी, 21.7 प्रतिशत एससी, 15.4 फीसदी ओबीसी और 8.1 अन्य गरीबी रेखा से नीचे हैं.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

ध्यान की साधना

बहुत समय पहले की बात है, एक वृद्ध संन्यासी हिमालय की पहाड़ियों में कहीं रहता था. वह बड़ा ज्ञानी था और उसकी बुद्धिमत्ता की ख्याति दूर -दूर तक फैली थी. एक दिन एक महिला उसके पास पहुंची और अपना दुखड़ा रोने लगी, "बाबा, मेरा पति मुझसे बहुत प्रेम करता था, लेकिन वह जबसे युद्ध से लौटा है, ठीक से बात तक नहीं करता" "युद्ध लोगों के साथ ऐसा ही करता है", संन्यासी बोला. "लोग कहते हैं कि आपकी जड़ी-बूटी इंसान में फिर से प्रेम उत्पन्न कर सकती है, कृपया आप मुझे वह जड़ी-बूटी दे दीजिए", महिला ने विनती की. संन्यासी ने कुछ सोचा और फिर बोला, "देवी, मैं तुम्हें वह जड़ी-बूटी ज़रूर दे देता, लेकिन उसे बनाने के लिए एक ऐसी वस्तु चाहिए जो मेरे पास नहीं है" "आपको क्या चाहिए मुझे बताइए, मैं लेकर आऊंगी!", महिला ने आग्रह किया. "मुझे बाघ की मूंछ का एक बाल चाहिए!", संन्यासी ने बताया. अगले ही दिन महिला बाघ की तलाश में जंगल में निकल पड़ी, बहुत खोजने के बाद उसे नदी के किनारे एक बाघ दिखा, बाघ उसे देखते ही दहाड़ा, महिला सहम गयी और तेजी से वापस चली गयी. अगले कुछ दिनों तक यही हुआ, महिला हिम्मत कर के उस बाघ के पास पहुंचती और डर कर वापस चली आती. महीना बीतते-बीतते बाघ को महिला की मौजूदगी की आदत पड़ गयी. अब तो महिला बाघ के निकट जाकर उसे परेशान करते कीट मक्खियों को दूर करती, सहलाती. बाघ को भी उसकी उपस्थिति रास आने लगी. उनकी मैत्री बढ़ने लगी, अब महिला बाघ को थपथपाने भी लगी. और देखते देखते एक दिन वह भी आ गया, जब उसने हिम्मत दिखाते हुए बाघ की मूंछ का एक बाल भी निकाल लिया. फिर क्या था, वह बिना देरी किये संन्यासी के पास पहुंची, और बोली, "मैं बाल ले आई बाबा!" "बहुत अच्छे!" और ऐसा कहते हुए संन्यासी ने बाल लेकर उसे जलती हुई अग्नी में झोंक दिया. "अरे! यह क्या बाबा, आप नहीं जानते, इस बाल को लाने के लिए मैंने कितना कठिन श्रम किया और आपने इसे जला दिया? अब मेरी जड़ी-बूटी कैसे बनेगी?", महिला घबराते हुए बोली. "अब तुम्हें किसी जड़ी-बूटी की ज़रूरत नहीं है", "संन्यासी बोला. जरा सोचो, तुमने बाघ को किस तरह अपने वश में किया! जब एक हिंसक पशु को धैर्य, मनोबल और प्रेम से जीता जा सकता है तो भला एक इंसान को क्यों नहीं? तुमने धैर्य, सहनशीलता, ध्येय समर्पण व पुरुषार्थ से लक्ष्य सिद्ध करने का पाठ न केवल पढा, बल्कि उसे प्रायोगिक सिद्ध भी कर लिया है. बस अपने लक्ष्य के प्रति पूर्ण निष्ठा एवं आत्मकेन्द्रित मनोबल चाहिए, यही कार्य की सफलता का मंत्र है.

आर्थिक संकटों के बीच लोकतंत्र का खतरनाक प्रहसन

• देशांतर

जी. पार्थसारथी

पाकिस्तान में नागरिक पिछले कुछ महीनों से चुनावी माहौल में रमे हुए थे और चाहवान थे कि चुनाव प्रक्रिया मुक्त, ईमानदार और लोकतांत्रिक ढंग से हो. लेकिन जल्द ही साफ हो गया और जो कुछ उन्हें देखने को मिला वह इस कल्पना जैसा नहीं था. यह तो बल्कि वह नाटक था, जिसकी पटकथाएं सेनाध्यक्ष जनरल सईद असीम मुनीर ने लिखी थीं. सेनाध्यक्ष बनने से पहले मुनीर का कार्यकाल काफी तनातनी भरा रहा. पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को मुनीर सुहाते नहीं थे, उन्होंने तत्कालीन सेनाध्यक्ष जनरल बाजवा द्वारा मुनीर को आईएसआई मुखिया बनाए जाने वाले आदेश को निरस्त कर अपने चेहते को पद पर बैठा दिया था. तत्पश्चात, निर्वाचित सरकार को गिराने की जो ताकत पाकिस्तानी सेना के हाथ में सदा से रही है, जनरल बाजवा ने उसका इस्तेमाल करते हुए इमरान की जबरन विदाई यकीनी बना दी. पाकिस्तान में ऐसे लोगों की भी कमी नहीं, जिन्हें विश्वास है कि इमरान खान की विदाई के पीछे अमेरिकी साजिश थी. अमेरिका और जनरल बाजवा की यारी सुविख्यात है, अमेरिका के कहने पर उन्होंने यूक्रेन की जेलेंस्की सरकार को 900 मिलियन डॉलर मूल्य के हथियार और गोला-बारूद पहुंचाने में मदद की. हालांकि, यहां मानना पड़ेगा कि भारत के मामले में उन्होंने अपने पूर्ववर्तियों के मुकाबले समझदारी भरा और सकारात्मक रुख बनाए रखा. जाहिर है, और यह ठीक भी है, उन्हें इल्म था कि भारत से तनाव में बढ़ोतरी का असर उल्टा पाकिस्तान पर अधिक होगा. हालांकि यह बात उनके द्वारा नियुक्त और जानशीन जनरल असीम मुनीर के बारे में नहीं कही जा सकती. दरअसल, उनकी सेवानिवृत्ति के उपरांत पाकिस्तान अपनी बनाई मुश्किलों में फंसता गया, इसमें एक वजह हालिया चुनाव में गलत आचरण और जानबूझकर की गई हेराफेरी भी है. लोकतांत्रिक रिवायतों को पूरी तरह छींके पर टांग देने वाले इस अभियान की अगुवाई जनरल मुनीर और उनकी सेना ने की. लोकतंत्र का हनन करने वालों के सम्मुख खड़े होने वाले हिम्मतियों का साथ देने की बजाय पाकिस्तान की न्यायपालिका, नौकरशाही, सिविल सोसायटियों ने शुतुर्मुगी रवैया अपनाए रखा. पाकिस्तान के संविधान को नीचा दिखाने के कृत्य में वे भी शामिल हो गए. जनरल मुनीर के नेतृत्व में रीढ़विहीन बना सिविल प्रशासन और पुलिस तंत्र चुनाव प्रक्रिया में हेराफेरी करने में भागीदार बन गया. यह भांपकर कि मतदान में घपलेबाजी होगी, इमरान खान ने अपने समर्थकों से आह्वान किया कि मतदान संबंधी अड़चनों का सामना करें और खुलकर वोट डालें.सेना की इन हरकतों का यदि कोई राजनीतिक दल गंभीर रूप से विरोध कर रहा था तो वह थी इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी. अन्य मुख्य राजनीतिक दल तो सेना के आगे बिछ गए और इसके सहयोग से अपने-अपने गढ़ में अच्छी जीत हासिल कर पाए. हालांकि कलई खुलने पर, कई मौकों पर सेना को नामोशी झेलनी पड़ी है. यद्यपि इमरान खान ने प्रतिबंधों का तोड़ पहले से तैयार रखा था और अपने उम्मीदवार बतौर आजाद प्रत्याशी खड़े किए, उनके 93 बंदे सांसद चुने गए हैं. जबकि नवाज़ शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग के 75 तो भुट्टो-ज़रदारी परिवार के नेतृत्व वाली पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के 54 सांसद चुनकर आए हैं. लेकिन जिस भौंडे ढंग से पाकिस्तान के संविधान और लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हनन हुआ है, उससे दुनिया और लगभग समूचे पाकिस्तानी अवाम की नज़र में सेना की छवि खराब हुई है. इसी बीच सेनाध्यक्ष जनरल असीम मुनीर ने बयान दागाः 'जब भारत को पाकिस्तान का वजूद गवारा नहीं, तो हमें उसका कैसे हो?' दुनिया के लिए यह देखना एक झटका था कि किस ढिठाई और गैर-कानूनी ढंग से जनरल मुनीर ने पाकिस्तान के संविधान, चुनाव प्रक्रिया का अपहरण कर लिया. तथापि, जैसा कि अपेक्षित था, सेना ने शरीफ़ बंधुओं और भुट्टो परिवार और कुछ छोटे दलों को एकजुट करवाया. यह करना इमरान खान की हार और उन्हें सलाखों के पीछे बनाए रखने के लिए जरूरी था. इमरान खान द्वारा हालिया चुनाव में धांधली के आरोपों से पाकिस्तानी सरकार साफ इनकार करती है. हाल ही में रावलपिंडी के कमिश्नर ऑफ कैपिटल लियाकत अली चट्ठा ने स्वीकारोक्ति की है कि उनकी मौजूदगी में 8 फरवरी के चुनाव में हेराफेरी हुई है, और उन्होंने अपना इस्तीफा देने की पेशकश की. हालांकि, उन्हें अपना उक्त इकबालिया बयान और इस्तीफा वापस लेने के लिए मजबूर किया गया.

> पाकिस्तान में ऐसे लोगों की भी कमी नहीं, जिन्हें विश्वास है कि इमरान खान की विदाई के पीछे अमेरिकी साजिश थी. अमेरिका और जनरल बाजवा की यारी सुविख्यात है, अमेरिका के कहने पर उन्होंने यूक्रेन की जेलेंस्की सरकार को 900 मिलियन डॉलर मूल्य के हथियार और गोला-बारूद पहुंचाने में मदद की.

लोकतंत्र की मजबूती के लिए सशक्त लोकपाल जरूरी

• विमर्श

के रवीन्द्रन

भारतीय चुनाव का मौसम एक जीवंत तमाशा है. रैलियां ऊर्जा से भरी होती हैं, रंग-बिरंगे झंडे लहराते हैं और घोषणापत्र भविष्य के लिए भव्य दृष्टिकोण पेश करते हैं. फिर भी, जश्न के माहौल के नीचे एक परेशान करने वाला सवाल छिपा हैः क्या ये वायदे महज़ बयानबाजी का खेल हैं, जिनके हकीकत में बदलने की बहुत कम संभावना है? शायद, अब चुनावी वायदों के लिए एक लोकपाल को संस्थागत बनाने का समय आ गया है-पार्टियों को व्यवहार्यता के लिए जवाबदेह बनाने और उनके वादों पर अमल करने के लिए एक तंत्र को अस्तित्व में लाने का. भाजपा और विपक्षी कांग्रेस दोनों द्वारा तेजी से बढ़ते महत्वाकांक्षी वायदों के मद्देनजर इस तरह के नियंत्रण और संतुलन की आवश्यकता विशेष रूप से स्पष्ट है. 2019 के चुनावों में, भाजपा ने 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का वायदा किया था, इस लक्ष्य को विशेषज्ञों ने व्यापक रूप से अवास्तविक माना था. दूसरी ओर, कांग्रेस ने न्यूनतम आय गारंटी योजना (न्यूनतम आय योजना) का वायदा किया-महत्वपूर्ण बजटीय निहितार्थ वाला एक सामाजिक कल्याण कार्यक्रम. भारत के चुनाव आयोग को अक्सर अजीबोगरीब वायदों के खिलाफ संभावित संरक्षक के रूप में उद्धृत किया जाता है. हालांकि, चुनाव आयोग की भूमिका मुख्य रूप से निष्पक्ष चुनाव कराने और चुनाव प्रचार के लिए दिशानिर्देशों का एक सेट, आदर्श आचार संहिता लागू करने तक ही सीमित है. उन्हें घोषणापत्र के वायदों की जांच करने का अधिकार नहीं है, जिससे वे बड़े पैमाने पर अनियंत्रित हो जाते हैं. चुनाव के बाद वायदों की पूर्ति पर नज़र रखने के लिए एक मजबूत तंत्र की अनुपस्थिति चुनाव आयोग की प्रभावकारिता को और सीमित कर रही है. जश्न मनाने के लिए ऊपर फेंके जाने वाले चमचमाते कागज के टुकड़ों (कन्फेटी) के नीचे गिरकर शांत होने के बाद घोषणापत्र अक्सर धूल फांकते हैं, उनके कार्यान्वयन का कोई व्यवस्थित अनुवर्ती मूल्यांकन नहीं होता है. अनुवर्ती कार्रवाई की यह कमी लोकतांत्रिक जवाबदेही के विचार को कमजोर करती है. मोदी सरकार ने एक निश्चित प्रकार के चुनावी वायदों को लागू किया है, लेकिन इनका मुख्य उद्देश्य समावेशी लोकतांत्रिक प्रगति को बढ़ावा देने के बजाय विभाजनकारी एजेंडे को आगे बढ़ाना था.इसके लिए एक लोकपाल की मांग इसी कमी से उपजती है. समर्थक एक स्वतंत्र निकाय की कल्पना करते हैं जिसके पास व्यवहार्यता और वित्तीय व्यवहार्यता के लिए घोषणापत्र के वादों की जांच करने की शक्ति हो. लोकपाल चुनाव के बाद जनता और चुनाव आयोग को समय-समय पर रिपोर्ट जारी करके वायदा की गई योजनाओं की प्रगति पर भी नज़र रख सकता है. ऐसी प्रणाली बहुत आवश्यक पारदर्शिता लायेगी और वायदे के खेल में कुछ ताकत लायेगी. राजनीतिक दलों को यथार्थवादी और प्राप्त करने योग्य लक्ष्य तैयार करने के लिए प्रोत्साहित किया जायेगा, यह जानते हुए कि वे जांच के अधीन होंगे. लोकपाल की रिपोर्टों से सशक्त मतदाता मतपेटी में अधिक जानकारीपूर्ण विकल्प चुन सकते हैं. लोकपाल प्रस्ताव के विरोधियों ने नवाचार को दबाने और राजनीतिक प्रवचन को सूक्ष्म रूप से प्रबंधित करने के बारे में चिंता जताई है. उनका तर्क है कि घोषणापत्र-लेखन लोकतांत्रिक प्रक्रिया का एक अंतर्निहित हिस्सा है, और मतदाताओं में यथार्थवादी वायदों को मात्र दिखावे से समझने की क्षमता होती है. हालांकि, ये चिंताएं वर्तमान वास्तविकता को झुठलाती हैं. मौजूदा प्रणाली, जवाबदेही से रहित, काल्पनिक वायदों की अनुमति देती है जो अंततः राजनीतिक प्रक्रिया में जनता के विश्वास को खत्म कर देती है. एक लोकपाल नवप्रवर्तन को नहीं रोकेगा; इसके बजाय यह पार्टियों को अपने एजेंडे तैयार करने में अधिक रचनात्मक और जिम्मेदार होने के लिए प्रोत्साहित करेगा.एक लोकपाल राजनीतिक विमर्श को भी नहीं दबायेगा. नीतिगत विकल्पों के बारे में स्वस्थ बहस लोकतंत्र की आधारशिला है. लोकपाल की भूमिका यह सुनिश्चित करने की होगी कि यह बहस वास्तविकता पर आधारित हो, न कि अवास्तविक वादों की मृगतृष्णा पर. आगे के रास्ते पर सावधानीपूर्वक विचार करने की आवश्यकता है. पार्टियों के अपने विचार प्रस्तुत करने के वैध अधिकार के उल्लंघन से बचने के लिए लोकपाल की शक्तियों और सीमाओं को स्पष्ट रूप से परिभाषित करने की आवश्यकता होगी. शायद एक परामर्शी दृष्टिकोण अपनाया जा सकता है, जहां लोकपाल पार्टियों को उनके वायदों की व्यवहार्यता पर सलाह देता है और संभावित लाल झंडे दिखाता है. अंततः लोकपाल का निर्माण भारतीय लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक कदम होगा.

> लोकपाल प्रस्ताव के विरोधियों ने नवाचार को दबाने और राजनीतिक प्रवचन को सूक्ष्म रूप से प्रबंधित करने के बारे में चिंता जताई है. उनका तर्क है कि घोषणापत्र-लेखन लोकतांत्रिक प्रक्रिया का एक अंतर्निहित हिस्सा है, और मतदाताओं में यथार्थवादी वायदों को मात्र दिखावे से समझने की क्षमता होती है. हालांकि, ये चिंताएं वर्तमान वास्तविकता को झुठलाती हैं.

मीडिया में अन्यत्र

पर्यटन क्षेत्र में फिसलन भरी ढलान

सुप्रीम कोर्ट ने जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क में लगभग 6,000 पेड़ों की कटाई के मामले में उत्तराखंड सरकार को कड़ी फटकार लगाई है. अदालत के मुताबिक, वन अधिकारियों और राज्य के एक शीर्ष राजनेता ने मिलकर पार्क परिसर में 'टाइगर सफारी' के दायरे को व्यापक रूप से विस्तारित करने के लिए पर्यावरण के संरक्षण से जुड़ी कार्यप्रणालियों का मखौल उड़ाया है. तीन न्यायाधीशों की पीठ के फैसले में न्यायमूर्ति बी.आर. गवई ने कहा, "जंगलों में बाघों की मौजूदगी पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) की तंदुरुस्ती का एक संकेतक है. जब तक बाघों की सुरक्षा के लिए कदम नहीं उठाए जाते, बाघों के इर्द-गिर्द घूमने वाले पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा नहीं की जा सकती... कॉर्बेट की तरह अवैध निर्माण और पेड़ों की अवैध कटाई जैसी घटनाओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है." राजनीतिक भ्रष्टाचार और पर्यावरणीय क्षति के बीच का रिश्ता इस मामले में खासतौर पर प्रासंगिक है, क्योंकि अदालत के इस फैसले का वन्यजीव पार्कों के प्रबंधन पर प्रभाव पड़ेगा, विशेष रूप से इस सवाल पर कि वन्यजीव पार्कों के 'बफर और फ्रिंज जोन' में 'टाइगर सफारी' की व्यवस्था पर्यावरण के संरक्षण के उपायों के साथ अच्छी तरह मेल खाती है या नहीं. अदालत ने पार्क के आसपास के विभिन्न रिसॉर्टों का भी जिक्र किया जहां अक्सर तेज संगीत बजाया जाता है और जो जानवरों के लिए खतरा पैदा करते हैं. केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण और राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण, दोनों केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय से संबद्ध विशेषज्ञ निकाय हैं और इन्हें जंगली जानवरों के संरक्षण एवं सुरक्षा की जिम्मेवारी सौंपी गई है. सिद्धांत रूप में, इन संगठनों को 'टाइगर सफारी' के अस्तित्व पर कोई आपत्ति नहीं है बशर्ते इन्हें दिशानिर्देशों की एक श्रृंखला के दायरे में संचालित किया जाए. एक निर्दिष्ट स्थान पर वन्यजीव सफारी जंगल के मुख्य क्षेत्रों से दूर ध्यान आकर्षित करती है और इस प्रकार जंगल की अक्षुण्ण प्रकृति को बढ़ावा देती है और साथ ही पर्यावरण संरक्षण के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाती है. सफारी के पीछे यही अंतर्निहित तर्क है. लिहाजा, उनका व्यापक उद्देश्य इको-पर्यटन होना चाहिए, न कि व्यावसायिक पर्यटन. हालांकि, हाल के दिनों में, यह तर्क जोर पकड़ रहा है कि यह स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसरों का एक स्रोत हो सकता है और राज्य सरकारों को इसे बढ़ावा देना चाहिए. हाल ही में अफ्रीका से मध्य प्रदेश के कुनो नेशनल पार्क में चीतों के स्थानांतरण का मकसद भी चीतों की मौजूदगी को पुनर्जीवित करना और पर्यटन को बढ़ावा देना है.

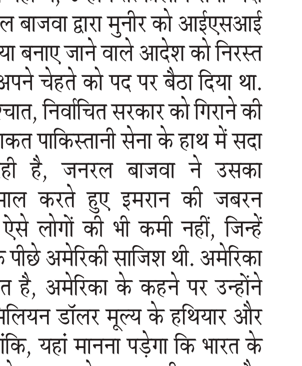

(द हिंदू)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

जोर/जोड़

पेश है बेदार भोपाली का यह शेर-हर जोर सितम मंजूर उन्हें हर जुल्म गवारा है उनको, फिर भी तो तिरे दीवानों की क़िस्मत में तिरा दीदार नहीं. इस सुप्रसिद्ध नारे से तो आज हर कोई अवगत है-हर जोर जुल्म के टक्कर में संघर्ष हमारा नारा है. इन दोनों वाक्यों पर ध्यान देंगे तो पाएंगे कि इनके प्रारंभ में जोर शब्द का प्रयोग हुआ है. जोर जुल्म कहें या जोर सितम, दोनों का यही आशय है घोर अत्याचार, अन्याय, दमन, दबाव, शोषण. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार जोर फारसी मूल का संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. इसका मतलब है शरीर का बल, शक्ति, ताकत, किसी चीज का दबाव, धन या पद के कारण होनेवाला दबदबा, रुतबा, उन्नति, बढ़त, प्रबलता, तेजी, वेग, बल-प्रयोग, जबरदस्ती, शारीरिक बल के कारण प्रदर्शित किया जानेवाला उत्साह या समार्थ्य, वश, अधिकार, इख्तियार, भरोसा, आसरा, सहारा, श्रम, मेहनत, व्यायाम, कसरत. क्रिया विशेषण के रूप में जोर का मतलब है कार्य या परिणाम के विचार से बहुत अधिक, खूब, काफी. मुहावरा है जोर आजमाना यानी अपनी ताकत का प्रयोग करके देखना, भिड़ना, मुकाबला करना, जोर लगाना, जोर देना यानी किसी बात को बहुत महत्वपूर्ण बताना, जोर लगाना यानी किसी काम के लिए पूरी कोशिश करना. जिसमें जोर हो, बलशाली हो, प्रबल हो उसे जोरदार कहा जाता है. इसका श्रुतिसमभिन्नार्थक शब्द है जोड़. इसका अर्थ है जुड़ाव की अवस्था या भाव, योग, मिलान, दो या दो से अधिक चीजों के हिस्से जुड़ने का स्थान, संधि स्थान, संधि, गांठ, दो वस्तुओं का इस प्रकार जुड़ना कि वे एक ही प्रतीत हों, अनेक संख्याओं के जोड़ने से निकलनेवाली संख्या, योगफल, टोटल, वह टुकड़ा या भाग जो कहीं जोड़ा जा सके, ऐसा मेल-मिलाप या संयोग जो उपयुकत और सुंदर जान पड़े, वह जो किसी के समतुल्य या बराबर हो, मेल, जोड़ा, समानता, बराबरी, खेल में एक घर में आनेवाली दो गोटें या मोहरे, सिर से पांव तक पहनने के सब कपड़े, पूरा पहनावा या पोशाक.

चाय पीने-पिलाने का फायदा-नुकसान

• तीर-तुक्का

डॉ. एसके पाण्डेय

शुक्लाजी चाय चौकन्ने होकर पीते हैं. पीते समय ही कोई आ न टपके. यह चिंता लगातार बनी रहती है. जैसे आहट मिलते ही कुत्ते भौंकने लगते हैं. वैसे ही ये किसी की आहट पाते ही चाय पीना बंद कर देते हैं. छुपाकर रख देंगे. बाद में ठंडी ही सही, पर खुश होकर पी जाते हैं. पत्नी कभी कह दे कि गर्म कर देती हूं तो कहते हैं कि गर्म चाय नुकसान करती है. गैस खर्च होगी तो जाहिर सी बात है नुकसान तो होगा ही. चाय में मक्खी गिर जाय तो न ही चाय छोड़ते हैं और न ही मक्खी को. मक्खी फेंकने से पहले उसे चूस लेते हैं. तिवारीजी सुबह के समय टहलने निकलते हैं. टहलते-टहलते एक दो चाय किसी न किसी के घर से रोज पी जाते हैं. एक बार किसी ने कहा कि चीनी थोड़ी कम हो गई है तो बोले कि चीनी का क्या करना है. बस गर्म होना चहिये. दरअसल आदत बस बोल गए कि चीनी का क्या करना है? जब भी पत्नी चीनी लाने को कहती है तो यही कहते हैं. गर्म से ही मतलब हो तो खौलाकर पानी ही पी लिया जाय तो सेहत भी ठीक रहे. गांव-शहर, कस्बों, बाजारों, गलियों, चौराहों आदि पर चाय आसानी से मिल जाती है. दो रुपए से लेकर चालीस-पचास और सैकड़ों रूपये कप वाली चाय पी और पिलाई जाती है. चौराहों-नुक्कडों की चाय की दुकानों पर भीड़ देखते ही बनती है. यहीं पर देश और समाज का भविष्य तय किया जाता है. सरकारें बनायी और बिगाड़ी जाती हैं. राजनीतिक पार्टियों व राजनेताओं के भविष्य की घोषणाएं की जाती हैं. कभी-कभी गाली-गलौज और मार-पीट तक की नौबत भी आ जाती है. जहां इतने अहम फैसले और मुद्दे होंगे. वहां यह सब तो आम बात है. संसद और विधानसभाएं इस बात के प्रत्यक्ष प्रमाण हैं. कुछ लोग कहते हैं कि अरे उनकी बात न करो. दरवाजे पर चले जाओ तो एक कप चाय भी नहीं पिला सकते. लेकिन मेरे यहां से कोई बिना चाय पिए वापस नहीं जा सकता. बड़े भाई प्रधान हुए हैं. चीनी मुफ्त में उठा लेते हैं. कोटे की आधी चीनी इसी ओर आती है. कई लोग किसी-किसी को बड़ी उम्मीद से चाय पिलाते हैं. उम्मीद पर पानी फिर जाने पर पछताते हैं और कहते हैं कि हमारे पास फालतू पैसा थोड़े था. लेकिन सोच रहा था कि काम करा देंगे. सैकड़ों चाय गटक गए. और आज साफ मुकर गए कि यह हमसे नहीं हो पायेगा. कई लोग इसी गलतफ़हमी का शिकार होते हैं और दूसरे मजे में चाय गटकते जाते हैं. कई लोग इसी इंतजार में रहते हैं कि कोई चाय पिलाने वाला मिल जाता तो चाय पी लेते. कोई न मिले तो बहुत मायूस होकर लौट आते हैं और सोचते हैं कि आज का दिन खाली चला गया. कई लोग तो चाय पीते समय उठना भी भूल जाते हैं. चाहे जितनी देर हो रही हो, लेकिन टस से मस नहीं होते. कोई न कोई मसला छेड़ते रहेंगे. कभी-कभी तो ऐसा लगता है कि कुल्हड़ भी चट कर जायेंगे. उसमें कुछ बचा हो अथवा नहीं, उसे चूसते रहेंगे. लेकिन जब तक किसी के सब्र का बांध टूट नहीं जायेगा, कदापि नहीं उठेंगे. इस स्थिति में कई बार मेरे सब्र का बाँध टूटा है. आखिर कुछ रुपये बचाने के चक्कर में कब तक बैठा रहा जाय?

मोटिवेशन

अनकहे महत्वपूर्ण नियम

डॉ कुमार संजय
शिक्षाविद

कोई कितनी भी किताबें पढ़ ले, कितना भी ज्ञान अर्जित कर ले, अगर उसे कब, कहां, किसके साथ कैसे व्यवहार करना है, नहीं पता तो सारी पढ़ाई, सारा ज्ञान अधूरा है. वल्लभ भाई पटेल ने बहुत सही बात कही है - आदमी का असली सौंदर्य उसका शिष्टाचार होता है. कोई भी परफेक्ट नहीं होता. कई बार हमसे जाने-अनजाने कुछ गलतियां हो जाती हैं. हम कुछ ऐसा कर बैठते हैं, जो शिष्टाचार के खिलाफ होता है. कभी हमें इसका एहसास होता है, कभी नहीं होता. बहुत बार इसलिए नहीं होता क्योंकि इसकी हमें जानकारी नहीं होती या हम इसे गलत नहीं मानते. शिष्टाचार से संबंधित ऐसे ही 15 अनलिखे नियमों के बारे में बात करने जा रहा हूं, जिनका पालन हर किसी को करना चाहिए.

1. कभी किसी से बैठे हुए हाथ नहीं मिलना चाहिए. हमेशा खड़े होकर हाथ मिलाना चाहिए.
2. किसी बड़े को बैठे हुए प्रणाम करना भी उचित नहीं. उन्हें खड़े होकर प्रणाम करना चाहिए.
3. अगर कोई बड़ा हमें गिफ्ट, सैलरी, पैसा दे रहा हो, तो हमेशा खड़े होकर लेना चाहिए.
4. अगर कोई एक या दो बार हमारा बिल पे कर दे, तो तीसरी बार निश्चित रूप से बिल हमें पे करना चाहिए.
5. अगर किसी व्यक्ति को हम आमंत्रित नहीं कर रहे, तो उसके सामने किसी दूसरे को आमंत्रित करना शिष्टाचार के खिलाफ है.
6. अगर कोई हमारे लिए पे कर दे रहा है, तो हमें कम मूल्य की चीजें चुननी चाहिए.
7. कोई हमें शॉपिंग पर ले जाता है तो उस पर अपनी पसंद नहीं थोपनी चाहिए. सिर्फ सलाह देनी चाहिए, फाइनल निर्णय उसी पर छोड़ देना चाहिए.
8. अगर हम ग्रुप में हैं तो हमें ऐसे टॉपिक पर बात करनी चाहिए, जिसे सभी समझ सकें. कुछ लोग अपनी लोकल भाषा में अपने दोस्त या करीबी से बात करने लगते हैं, जिसे ग्रुप वाले नहीं समझते. यह शिष्टाचार के खिलाफ है.
9. बड़े-बुजुर्गों के लिए हमेशा जगह छोड़ देनी चाहिए. उन्हें बैठने के लिए स्थान देना चाहिए.
10. किसी को दो बार कॉल करना चाहिए. अगर कॉल नहीं उठा रहा तो लगातार फोन न करें.
11. लगातार कॉलिंग बेल बजाना भी शिष्टाचार के खिलाफ है. एक बार बजा कर थोड़ी देर इंतजार करें, होस्ट को आकर खोलने का समय दें.
12. पार्टी, दुकान, कैंटीन, बस या रेलवे स्टेशन, कहीं भी रास्ता छेंक कर खड़ा न हों. बात करनी हो, तो साइड होकर बात करें.
13. कार्यक्रम या मीटिंग में अपने मोबाइल को साइलेंट मोड पर रखना चाहिए. अगर कॉल आता है, और उसे रिसीव करना जरूरी है, तो सिर्फ एक लाइन बोलें कि अभी कार्यक्रम में हूं या मीटिंग में हूं, थोड़ी देर बाद कॉल करता हूं. अगर बात करनी बहुत जरूरी हो, तो कार्यक्रम या मीटिंग से बाहर निकल कर बात करें. अपने गेस्ट को बैठाकर मोबाइल पर किसी लंबी बात नहीं करनी चाहिए.
14. हम कितने भी बड़े जानकार क्यों न हों, किसी को बिन मांगे सलाह नहीं देनी चाहिए. किसी सामान का मूल्य तभी बताना चाहिए, जब कोई पूछे.
15. मैं आज भी फेंके हुए पैसे नहीं उठाता. याद है न यह डायलॉग. फिल्म दीवार का यह डायलॉग शिष्टाचार से ही जुड़ा हुआ है. किसी को पैसा या कोई भी सामान फेंक कर देना गलत बात है.

मूल मंत्र : अभद्र व्यवहार अशिष्ट लोगों की पहचान है, चाहे वे कोई भी हों. सही आदमी वही है, जो निरंतर सीखता रहे, अपने आप को सुधारता रहे, और पॉलिश करता रहे. डायाना मादर ने कितनी सही बात कही है- आकर्षक व्यक्तित्व में सबसे अहम भूमिका होती है शिष्टाचार की.

जोड़ों का डिंक से डिंकवाड तक का सफर

पति-पत्नी और फर बेबी

डिंक कपल शब्द से अब तक आप वाकिफ नहीं तो बता दें कि यह शब्द उन जोड़ों के लिए इस्तेमाल किया जाता है जिनमें दोनों कमाते तो हैं लेकिन उनके कोई बच्चे नहीं होते हैं. डिंक का फुल फॉम है डबल इनकम नो किड्स. यह टर्म लंबे समय से ऐसे जोड़ों के उपयोग में लिया जा रहा है जिनमें पति-पत्नी दोनों कामकाजी होते हैं, कमाते हैं लेकिन उन्होंने अपनी जीवनशैली में बच्चों के जन्म, परवरिश व जिम्मेदारी को शामिल नहीं किया है. बच्चों की परवरिश उनकी चिंता में शामिल नहीं होता. दरअसल यह जीवनशैली की उनकी पसंदगी होती है जिसमें वे करियर व ट्रैवल पर फोकस करते हैं, बच्चों की जिम्मेदारी से मुक्त जिंदगी का आनंद उठाते हैं. यह पैरेंटिंग की जिम्मेदारी से मुक्त होकर करियर और व्यक्तिगत जीवन के बीच संतुलन स्थापित करने की एक कोशिश है. बच्चों का ना होना कोई मजबूरी या शारीरिक कमी नहीं होती, बल्कि जीवनशैली को लेकर उनकी पसंदगी होती है. यह ट्रेंड कोई नया नहीं. करीब दो दशक पहले मैट्रो शहरों से शुरू हुआ यह ट्रेंड अब झारखंड के शहरों में भी आम है. नया है ऐसे मिंया-बीबी के बीच फर बेबी का पूरे हक-लाड़ से शामिल होना. ऐसे कपल अब डिंक से डिंकवाड हो गए हैं. यानी डबल इनकम नो किड्स विद अ डॉग. (हालांकि डॉग की जगह कैट भी हो सकती है). जिंदगी में फर वाले नन्हें पालतू जिन्हें वे बेबी का संबोधन देते हैं (और खुद को उनका ओनर नहीं बल्कि पैरेंट्स) को शामिल कर एक अधूरेपन को बिना अधिक जिम्मेदारी उठाए पूरा करने की कोशिश करते हैं.

डिंक कपल का कॉन्सेप्ट नया नहीं. जब दोनों पति-पत्नी कामकाजी होते हैं, कमाते हैं, अपनी इच्छा से संतान रहित होते हैं तो उन्हें सालों से डिंक कपल के रूप में हम पहचानते आ रहे हैं. डिंक यानी डबल इनकम नो किड्स. लेकिन ये डिंक कपल अब एक कदम आगे बढ़ कर डिंकवाड हो गए हैं. डिंकवाड यानी डबल इनकम नो किड्स विद ए डॉग. जोड़ों के इस नए ट्रेंड पर एक नजर...

क्यों फर बेबी

आर्थिक स्वतंत्रता

बच्चों की परवरिश इन दिनों बहुत महंगी है. उनकी पढ़ाई से लेकर हॉबी क्लासेज तक के लिए पैसों की अंतहीन मांग होती है. वहीं डिंक्स कपल आर्थिक आजादी को एंजॉय कर रहे होते हैं. ऐसे में पालतु कुत्ते/ बिल्ली को फर बेबी के रूप में अपनी जिंदगी में शामिल कर वे उनके लिए सर्वश्रेष्ठ खाना, खिलौने और हेल्थ केयर उपलब्ध करा सकते हैं. बच्चों की परवरिश से जुड़ी आर्थिक जिम्मेदारियों से मुक्ति उन्हें अपने फर बेबी के लिए आरामदेह और लग्जरीयिस जिंदगी उपलब्ध कराने की सुविधा देती है.

क्या बच्चे पसंद नहीं

ऐसा बिल्कुल नहीं की सभी डिंक या डिंकवाड कपल बच्चों को नापसंद करते हैं. उन्हें आप अपने भाई-बहन, रिश्तेदार, यहां तक की पड़ोसियों के बच्चों के साथ समय गुजारते, उन्हे खूब प्यार करते देख सकते हैं. फिर बेबी की जगह डॉग क्यों! जवाब सीधा सा है, क्योंकि कुत्तों की परवरिश बच्चों की परवरिश जितनी महंगी नहीं. आज की तारीख में बच्चों को जन्म देना आर्थिक रूप से आसान नहीं, विशेषकर कामकाजी महिला के लिए. उन्हें इसके लिए ढेर सारी प्लानिंग करनी होती है. जब वे वर्क प्लेस पर हों तो कौन उसकी देखभाल करेगा से अगर करियर में ब्रेक लेती हैं तो कार से होमलोन तक के ईएमआई का क्या होगा तक. यह भी सच है कि बच्चे के गर्भ में आने से उसके कॉलेज जाने तक बेशुमार खर्च और जिम्मेदारियां हैं. एक कुत्ते को साथ रखना पॉकेट और जिम्मेदारी, दोनों लिहाज से आसान है.

क्या हमेशा डिंकवाड ही रहेंगे कपल

ऐसा बिल्कुल नहीं है. आर्थिक लक्ष्य जैसे खुद का बड़ा मकान, कर्ज से मुक्ति आदि की प्राप्ति के बाद ऐसे कपल्स बच्चे के पालन-पोषण की जिम्मेदारी एक सही योजना के तहत लेते हैं. शादी के कुछ सालों डिंकवाड कई कपल अपने गोद में बच्चे लाने के लिए इतने लालायित रहते हैं कि कई बार आईवीएफ सेंटर तक के चक्कर काटते नजर आते. ज्यादातर जोड़े एक निश्चित समय के बाद अपने आंगन में बच्चों का स्वागत ही करते हैं.

इन दिनों मेरी किताब

ग्रामीण बाल मनोविज्ञान की उपज ये कविताएं

दीपक ठाकुर
शोधार्थी, बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय धनबाद

कोयला आर माटी डॉ.मुकुंद रविदास की तीसरी कृति है. हिंदी में 'छायावादोत्तर हिन्दी गीत ' एवं 'छायावादोत्तर हिन्दी नवगीत' के बाद झारखंड के बहुसंख्यकों की भाषा एवं कवि की मातृभाषा खोरठा में रचित यह कविता संग्रह है. जिस भाषा के स्वरूप निर्धारण और मानकीकरण को लेकर अभी भी असामंजस्य व्याप्त हो, इसमें अपने यथार्थ अनुभवों से उपजी मनोवृत्तियों को रेखांकित करने का काम डॉ. मुकुंद रविदास ने किया है. उनका कविता संग्रह ₹कोयला आर माटी₹ 2023 में छपकर आया है जिसमें कुल मिलाकर 25 कविताएं संकलित हैं. ₹पढ़ नुनू पढ़₹, ₹एक डुभा भातर, ₹कोयला आर माटी₹, ₹आइगऱ, ₹झींगा फूलर जैसी कविताएं आकर्षित करती हैं. ₹पढ़ नुनू पढ़₹ की पृष्ठभूमि उनकी अपनी पृष्ठभूमि नज़र आती है- ₹इसकूल आर कोलेज/ होइ गेलहो बंद/ मगुर तोञ तनी/ किताब गुला खोल/ ओकरे में तोर जिनगी/ लिखल होर

वहीं जब ₹एक डुभा भातर की पंक्तियों -₹दूसर के देइख हमरो मनवा/ कखनो-कखनो होइ जाहे उदास/ जोडा-पारि संगीक देइख कुन/ हाम्हूं सोइच ही/ कइसे लागतइ हमरो भइया/ देहीक गात/ जब ले खइबइ नाञ हाम/ एक डुभा भातर बाल मनोविज्ञान का कितना अनूठा उदाहरण हैं ये पंक्तियां. ₹पढ़ नुनू पढ़₹ में जो नुनू है, उसका बाल मन इस चिंता में लिप्त है कि अगर हर दिन एक डुभा भात नहीं मिलता है तो उसका शरीर कैसे लगेगा? वो अपने संगी साथियों जैसा तंदरुस्त कैसे होगा? मन्नू भंडारी के बंटी की चिंताओं की आधारभूमि भी तो ऐसी ही है कि अगर मेरी मम्मी किसी दूसरे से शादी कर लेगी तो मैं कहां रहूंगा? बाल मनोविज्ञान का चित्रण भी इतने स्तरों पर हो सकता है, यह भी कवि की अपनी उपलब्धि ही है. यही नुनू जब बड़ा होता है तब "जिनगी बेकार भइ गेल" कविता का पात्र बनकर उभरता है. जिसकी नियति दर-दर की ठोकरें खाना और ग्रुप डी का चपरासी बनना तय होता है जबकि उसके लिए कितने सपने बुने गए थे -

"जे दिना तोञ/ पास करल हले मेटरिक/ सइ दिना सोंसे गांवे/ बाप तोर
खुसी से बांटल हलो लड्डू/ जे दिना तोर सेलेकसन
भइ गेल हलो इंजिनियरिंग में/ सह दिना बाप तोर/ खुसी से/ गोटे गांवे घ्म ल हलो/ बांइध के पगड़ी/ आर ताइन के सीना"

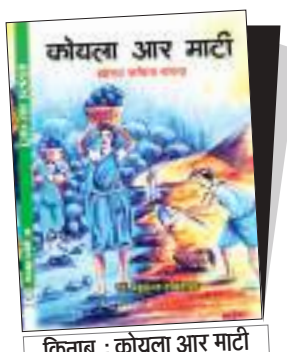

किताब : कोयला आर माटी
प्रकाशक : ब्राइट एमपी पब्लिशर
मूल्य : रु 110/-

खोरठा के कई प्रयोगों का अध्ययन मैंने किया है. मेरे जैसे हिंदी के पाठक हमेशा उस भाषाई प्रवाह के साथ आगे बढ़ते हुए आंचलिक शब्दों के साथ एक असहजता महसूस करते हैं. लेकिन मुकुंद जी की पहली ही किताब में ऐसी सरल भाषा है कि कोई भी हिंदी पट्टी का आदमी उसे पढ़कर ही उसका ठीक-ठीक अर्थ जोड़ ले और कोई भी बांग्ला पट्टी का आदमी उसे सुनकर ही उसमें अपनत्व का आभास पा जाए. इसी तरह इनकी कई कविताओं में जो प्रतीक योजना बुनी गई है वो सहजता के साथ पाठक को इस किताब से जोड़ेगी. बिसथापित, इसकूल, असथापित जैसे शब्दों में आंचालिकत का जो पुट है वो विशेष रूप से ध्यानाकर्षित करता है.

मुश्किल है दौर मगर वक्त भी सिखाता है और शिक्षक भी. पर दोनों में अंतर सिर्फ इतना होता है कि शिक्षक सीखा कर इम्तिहान लेते हैं और वक्त इम्तिहान लेकर सिखाता है. दोनों ही स्थितियों में हम सीखते ही हैं. अब यह हमारे ऊपर निर्भर करता है कि हम कठिनाइयों को किस रूप में लेते हैं. संघर्ष से सीख लें और आगे बढ़ें-

गुड़िया झा

हिम्मत न हारें : परिस्थितियों को अपनाएं और खुद से कहें कि यह सही है कि अभी हमारा समय प्रतिकूल चल रहा है और यह समय भी बहुत जल्द ही गुजर जायेगा. इससे मन को शांति मिलती है. हम सिर्फ समस्याओं के बारे में ही सोचेंगे तो आसपास हमेशा वही दिखाई देगी. जबकि मन को हल्का कर समाधान के बारे में रास्ते निकालने की सोचेंगे तो हमारा काम आसान हो जाता है. अनुभवी लोगों से बाते करें. इससे हमारा काम आसान हो जाता है. चुनौतियां गुजर जाने के बाद हमें हमारी मजबूती का अहसास भी दिलाती हैं.

आत्मविश्वास बनाए रखें : आत्मविश्वास बनाए रखें. सकारात्मक सोच से यह विश्वास रखें कि जो हो रहा है उसमें हमारे लिए जरूर ही कुछ अच्छा होगा. हमेशा हमारे मन के मुताबिक नहीं होता है. हमें भी परिस्थितियों के अनुसार ढलना पड़ता है.

30 मिनट मेडिटेशन : मन को शांति और सुकून देने के लिए कम से कम 30 मिनट का मेडिटेशन जरूर करें. ये हमें मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को प्रदान करने के लिए भी बहुत उपयोगी है.

ये ताक-झांक करने वाले

कुछ लोग हमारे अड़ोस-पड़ोस, रिश्ते या ऑफिस में ऐसे जरूर होते हैं जिनसे सामना सिरदर्द से कम नहीं होता. खुद के बारे में बढ़ा-चढ़ा कर बताना और दूसरों की जिंदगी में इस हद तक तांक-झांक करना कि निजता प्रभावित हो जाए और हम असुविधाजनक अनुभव करने लगे. कई बार तो आपसे जानकारियां हासिल कर उसका दुरुपयोग भी करते हैं. आइए, ऐसे लोगों से कैसे निबटे, इस पर करें चर्चा-

- **सीमाएं तय करें**
जाहिर है इनका स्वभाव तो हम बदल नहीं सकते. ऐसे में बेहतर होगा कि हम अपनी सीमाएं तय कर लें. अगर इस सीमा को वे क्रॉस करने की कोशिश करें तो बिना उसकी प्रतिक्रिया की चिंता किए दो टूक कह दें कि यह आपको पसंद नहीं.
- **व्यस्तता जाहिर करें**
अगर सीधे-सीधे बोलना कठीन लगता है तो बेहर हो कि उनके सामने आते ही किसी फोन पर व्यस्त हो जाएं या किसी काम का बहाना बता कर निकल जाएं. एक-दो बार में जाहिर हो जाएगा कि आपकी उसमें दिलचस्पी नहीं

- **चुप लगा लें**
जब भी ऐसे व्यक्ति आपसे अधिक निजी सवाल पूछे, चुप हो जाएं. एक-दो बार ऐसे अनुभव से रू-ब-रू होने पर वह जान जाएगा कि पूछने से कोई फायदा नहीं.
- **छोटी, मगर काम की बातें**
ऐसे लोग अक्सर मीठी-मीठी बातों की चाशनी में कब आपसे सबकुछ उगलवा लेते हैं, आपको खुद पता नहीं चलता. बेहतर हो कि ऐसे लोगों से बातचीत बेहद संक्षिप्त रखें.

यहां जागती एक मुट्ठी जलधर चुराने की ख्वाहिश

यात्रा वृत्तांत

अनिता रश्मि

विभिन्न रंगों के ऊंचे, भरे-पूरे पर्वतों की श्रेणियां. हरियाली से आच्छादित पर्वतों के बीच की पगडंडियां. तुषार धवल पर्तमालाएं. नदी, नालों, झरनों की कल-कल ध्वनि और इन सबके बीच बहता जीवन. पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग को पहाड़ों की रानी कहा जाता है. हिमालयी चोटी की बांहों में स्थित इस पहाड़ों की रानी के पास ही एक और नन्हा सा पर्यटन स्थल है- वह है मिरिक! एक छोटी लगभग अछूती पर बेतरह आकर्षक जगह.

बाल सूर्य अगली सुबह धरा पे कदम रख रहा था, हम मिरिक की ओर चल पड़े. चार दिन पहले ही हम आठ लोग रांची से भाड़े के बोलेरो से दार्जिलिंग आए थे. जैसे-जैसे हम दार्जिलिंग से नीचे की ओर उतर रहे थे, वैसे-वैसे प्रकृति की अप्रतिम सुंदरता हमें अवाक् कर रही थी. घुमावदार, पहाड़ी सड़कों पर सरपट दौड़ती गाड़ी के शीशों पर ओस-सी जल की बूंदें टपक रहीं थीं. झरने, नदी, चाय बगान के साथ सड़क किनारे आकाश से मिलने के लिए भागते पेड़ों की फुनगी दिखलाई पड़ रही थी.

रंगों में बंटे देश

आगे बढ़ते हुए हम बहुत छोटे स्थान पर आ पहुंचे, जहां सड़क के एक ओर भारत, दूसरी तरफ छोटा सा भूखंड नेपाल का हिस्सा है. एकदम छोटे से भूखंड पर खड़े होकर सैलानी साश्चर्य अपने हिंदुस्तान की सड़क तथा बेहद नीचे वादी में दोनों देशों के घरों को देख रहे थे. घाटियों में श्वेत-श्याम छतों वाले गृह. दोनों देशों के घरों के अंतर को दर्शाने के लिए दो तरह के रंग में रंगी छतें. हम विदेश नेपाल को अलविदा कह, उसी रोड से, जो देश में था, आगे बढ़े.

बाजार में महिलाएं

हम मिरिक के व्यस्ततम बाजार में जा पहुंचे. यह बाजार अंग्रेजों के जमाने से है. दुकानें सज रही थीं. मोमो, नेपाली तथा दक्षिण भारतीय भोजन की अलग ठाठ थी. स्थानीय पेंटिंग से सजी दुकानें भी ग्राहकों को बुला रही थीं. काले कपड़ों पर कहीं दलाई लामा, कहीं बौद्ध मठ, कहीं हिमालय की खूबसूरती, कहीं स्थानीय पुष्प, कहीं वहां की सज-धज, गहनों के साथ महिलाएं चटख रंगों में चित्र बनकर मौजूद! महिलाओं ने प्रतिष्ठानों की कमान सँभाल ली थी. इधर हर व्यावसायिक विकास के केंद्र में महिला नजर आई.

धुंध ही धुंध

पहाड़ के गर्भ में मिरिक झील हमारी असली मंजिल थी. हम बीच में मिले बाजार और बस्ती का मोह छोड़ और आगे बढ़ चले. गाड़ी रुकी नहीं कि आगवानी करने श्वेत बादलों का झुंड उमड़ पड़ा. धुंध से भरे हाथ को हाथ सुझाई न देनेवाली जगह पर हम उतर तो गए, झील तक जाएँ कैसे, किधर से? कुछ भी नजर नहीं आ रहा था. थोड़ी ठंड थी, घन हमें घेरे हुए थे.

लगा, एक...बस एक मुट्ठी जलधर चुराकर ले चलूँ. रेतीले समुद्र तल, नदी के पथरीले किनारों से रेत या चिकने पत्थर उठाकर लाना तो संभव है लेकिन जगह-जगह हमसे आँखमिचौली खेल रहे जलधर को लाना संभव था? यहाँ उसने सारी हदें तोड़ दी थीं.

लो, अभी बगल में खड़ा व्यक्ति नजर नहीं आ रहा था, अभी धूप खिल उठी. हटते धुरंधरों के साथ झील के पास जाने का रास्ता दिखलाई पड़ने लगा. काफी बड़े मैदान के पार बहुत बड़ी विलक्षण झील थी. पीछे ऊंचे-ऊंचे दरख्त. दरख्तों की छाया झील में जल संग डोलती हुईं, कभी हिलोरें ले गुम सी जातीं. यहां बोटिंग की उत्तम सुविधा.

घुड़सवारी, नौकायन

झील के पास मैदान में दौड़ते घोड़ों को देख उस पर चढ़ने का लोभ यायावर छोड़ नहीं पा रहे थे. आजीविका की तलाश में आए नेपाल या आस-पास से लोग, अनगिनत घोड़ेवाले. गोरे-गोरे, ललछौंही रंगत, चमकती त्वचावाले किशोर, युवा भर दिन घोड़ों को दौड़ाते हुए अपने घरों की जिम्मेदारी उठाते हैं. दार्जिलिंग के वाशिंदे भी यहां अपनी सेवाएं दे रहे थे. एक ने बताया, ₹मिरिक को सुमेंदु लेक भी कहते हैं साब जी. और यहाँ पास में सावित्री पुष्प बाग और संतरे के बाग हैं, उसे भी देखना. पूरे बंगाल में सबसे अधिक ऑरेंज यहीं होता है.₹

हमने भी घुड़सवारी की, थोड़ा डरते हुए, थोड़ा आन्नद लेते हुए. अश्वारोहण के पश्चात् लगभग डेढ़ कि. मी. लंबी झील के शांत-स्वच्छ जल पर नौकाओं की सैर का मजा नहीं लिया, तो मिरिक घूमने का आन्नद अधूरा रह जाता है.

झील पर रेनबो ब्रिज इंद्रधनुषी आकार के कारण आकर्षक लगा. पास में अच्छे होटल, दुकानें, नर्सरी आदि थीं. कुछेक दुर्लभ पौधे नर्सरी की शोभा बढ़ा रहे थे. हमने चंद आकर्षक ऑर्किड के पौधे खरीदे. एक कैक्टस पर गुलाबी-गुलाबी घनी बुनावटवाले पुष्प...जैसे मुश्किल जिंदगी के बीच उल्लास का राग. काफी सालों तक वह मनमोहक कैक्टस मेरे टैरेस में खिला. गमले के साथ मन में भी खिलता-खिलाता हुआ.

कई घंटे गुजारने के बाद हम सिलीगुड़ी की राह पर. देखा, चाय बागान, बागानों में पीठ पर बाँस की टोकरी बाँधे काम करती स्त्रियों का झुंड. हम जब निकल रहे थे, धूप-छाँव खेलती प्रकृति रोने लगी थी. विदाई के अश्रु बूँदों की शक्ल में गिर रहे थे. जैसे-जैसे हम नीचे उतर रहे थे, एक मटमैली नदी साथ चल रही थी...तिस्ता. जलद जलविहीन हो रहे थे, गर्मी बढ़ती जा रही थी. हम रात को तारों भरा चंदोवा टँगने के बाद सिलिगुड़ी पहुंच पाए.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

भारत-इंग्लैंड टेस्ट शृंखला : भारतीय टीम ने टेस्ट क्रिकेट में फिर से साबित की बादशाहत

युवा व अनुभव खिलाड़ियों के मिश्रण ने दिलायी भारतीय टीम को सफलता

यशस्वी जायसवाल मैच 05 रन 712 औसत 89

भाषा । धर्मशाला

इंग्लैंड के खिलाफ जीवंत पिचों पर खेली गई शृंखला में भारत ने घरेलू धरती पर अपनी यादगार जीत दर्ज करके सबसे लंबे प्रारूप में अपनी बादशाहत फिर से साबित की. भारत के युवा और अनुभव से मिश्रित टीम ने पहला मैच गंवाने के बाद शृंखला में शानदार वापसी. भारत ने पांच मैच की इस शृंखला को 4-1 से जीता और इंग्लैंड की आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करने की 'बैजबॉल' रणनीति पर भी बड़ा सवालिया निशान लगा दिया.

भारत की यह जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि विराट कोहली और मोहम्मद शमी जैसे सीनियर खिलाड़ी पूरी शृंखला के लिए उपलब्ध नहीं थे, जबकि केएल राहुल और रविंद्र जडेजा भी पहले टेस्ट मैच के बाद चोटिल हो गए थे. रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम ने हालांकि धैर्य बनाए रखा और लगातार चार मैच जीते.

शृंखला ने पांच खिलाड़ियों ने किया डेब्यू : भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ इस शृंखला में पांच खिलाड़ियों को टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण का मौका दिया, जिनमें से चार खिलाड़ियों सरफराज खान, ध्रुव जुरेल, आकाश दीप और देवदत्त पडिक्कल ने दिखाया कि वे शीर्ष स्तर पर खेलने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं. इन युवा खिलाड़ियों के बीच स्वयं कप्तान रोहित, उप कप्तान जसप्रीत बुमराह और रविचंद्रन अश्विन ने अच्छा प्रदर्शन करके उदाहरण पेश किया.

जायसवाल ने खुद को रन मशीन साबित किया

युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने खुद को रन मशीन साबित किया जबकि अनुभवी कुलदीप यादव ने अपनी कलाई का जादू बिखेरा. इससे यह स्पष्ट हो गया कि भारत की अगली पीढ़ी जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार है. जायसवाल इस शृंखला में भारत की नई रन मशीन बनकर उभरे. उन्होंने शृंखला में 712 रन बनाए और इस तरह से सुनील गावस्कर के बाद किसी एक शृंखला में 700 से अधिक रन बनाने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बने. उन्होंने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करके इंग्लैंड के गेंदबाजों को पस्त करने में कोई कसर नहीं छोड़ी. इस युवा सलामी बल्लेबाज ने इस बीच लगातार दो मैच में दोहरे शतक लगाए. उन्होंने शृंखला में 26 छक्के जड़े, जिससे पता चलता है कि वह गेंदबाजों पर किस कदर हावी रहे.

घरेलू पर फिर चमकी अश्विन-जडेजा की जोड़ी

अश्विन और जडेजा ने क्रमशः 26 और 19 विकेट लेकर फिर से साबित किया कि घरेलू परिस्थितियों में उनका कोई जवाब नहीं है. इन दोनों को कुलदीप यादव का भी अच्छा साथ मिला जिन्होंने अंतिम चार टेस्ट मैच में अच्छा प्रदर्शन करके टीम में तीसरे नंबर के स्पिनर के तौर पर अपनी जगह मजबूत की. भारत के लिए अच्छी बात यह रही कि जिन खिलाड़ियों को उसने इस शृंखला में पदार्पण का मौका दिया, वह अपेक्षाओं पर खरे उतरे.

रोहित शर्मा मैच 05 रन 400 औसत 44.44

युवाओं का शृंखला में प्रदर्शन

शुभमन गिल	सरफराज खान	ध्रुव जुरेल	देवदत्त पड्डिकल	आकाश दीप
मैच-05	मैच-03	मैच-03	मैच-01	मैच-01
रन-452	रन-200	रन-190	रन-65	विकेट-03
औसत 56.5	औसत 50	औसत 63.33	औसत 65	औसत 27.66

अनुभवी खिलाड़ियों का प्रदर्शन

रविंद्र जडेजा	रविचंद्रन अश्विन	कुलदीप यादव	जसप्रीत बुमराह
मैच-04	मैच-05	मैच-04	मैच-04
रन-232	रन-116	विकेट-19	विकेट-19
विकेट 19	विकेट 26	औसत 20.15	औसत 16.89

टेस्ट में सफलता के लिए एक दूसरे की जरूरत : राहुल द्रविड़

भाषा । धर्मशाला

भारत की इंग्लैंड पर पांच मैच की शृंखला में 4-1 की यादगार जीत के बाद भारतीय कोट ने ड्रेसिंग रूम में प्रेरणादायक भाषण दिया. राहुल द्रविड़ कहा कि युवा खिलाड़ियों को टेस्ट क्रिकेट की मुश्किल डगर में फतह हासिल करने के लिए एकजुट बने रहने और एक इकाई के तौर पर खेलना अहम है. हैदराबाद में पहले टेस्ट में हारने के बाद मेजबान टीम ने शानदार वापसी करते हुए अगले चार मैच जीतकर शृंखला कब्जायी. द्रविड़ ने कहा कि इस तरह शृंखला को जीतना होता है और यह मुश्किल है. कभी कभार टेस्ट क्रिकेट मुश्किल होता है. यह आपके कौशल के मामले में, शारीरिक रूप से और मानसिक रूप से भी मुश्किल होता है जैसा कि आपने देखा ही है. द्रविड़ ने कहा कि लेकिन अंत में यह बहुत संतोषजनक होता है. आपको शृंखला जीतने के बाद जो संतुष्टि मिलती है, मुझे लगता है कि यह अभूतपूर्व होती है. जैसे इस शृंखला में एक मैच में हार से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 4-1 से जीतना, कितना संतोषजनक है. वहीं विराट कोहली और मोहम्मद शमी और केएल राहुल जैसे अहम खिलाड़ी शृंखला के दौरान अनुपलब्ध रहे. टीम को शृंखला में कुछ युवा खिलाड़ी मिले जिन्होंने शानदार खेल दिखाया. इस शृंखला में भारत के पांच खिलाड़ियों रजत पाटीदार, ध्रुव जुरेल, देवदत्त पडीक्कल, सरफराज खान और आकाश दीप ने पदार्पण किया. जसप्रीत बुमराह और रविंद्र जडेजा भी एक एक मैच में नहीं खेले.

क्या कहा

- द्रविड़ ने कहा- टेस्ट शृंखला जीतना बहुत मुश्किल
- शारीरिक व मानसिक रुप से कठिन होता है टेस्ट

बजरंग पूनिया व रवि दहिया के ओलंपिक का सपना टूटा

भाषा । सोनीपत (हरियाणा)

तोक्यो ओलंपिक खेलों के पदक विजेता बजरंग पूनिया और रवि दहिया रविवार को यहां आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के लिए चयन ट्रायल में अपने मुकाबले हारने के बाद पेरिस ओलंपिक क्वालीफिकेशन की दौड़ से बाहर हो गये. भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन की अगुआई करने वाले पूनिया को पुरुषों के फ्रीस्टाइल 65 किग्रा सेमीफाइनल में रोहित कुमार से 9-1 से हार मिली. इससे पहले वह रविंदर के खिलाफ मुश्किल से जीत दर्ज करने में कामयाब हुए थे. अगर रविंदर ने मुकाबले में चेतावनी से अंक नहीं गंवाया होता तो पूनिया पहले ही मुकाबले में बाहर हो गये होते. सेमीफाइनल में हारने के बाद पूनिया गुस्से में तुरंत भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) केंद्र से चले गये.राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के अधिकारियों ने पूनिया के डोप नमूने लेने की कोशिश की लेकिन वह तीसरे-चौथे स्थान के मुकाबले के लिए भी नहीं रूके. पूनिया ने ट्रायल्स की तैयारी के लिए रूस में ट्रेनिंग ली थी. पूनिया ने हालांकि दिल्ली उच्च न्यायालय में यह कहते हुए मुकदमा जीत लिया था कि निलंबित डब्ल्यूएफआई के पास ट्रायल्स कराने का कोई अधिकार नहीं है. चोट से वापसी कर रहे दहिया बड़े स्कोर वाले पहले मुकाबले में अमन से 13-14 से हार गये.

चयन ट्रायल

- सेमीफाइनल में रोहित कुमार ने बजरंग को 9-1 से हराया
- तीसरे-चौथे स्थान के मुकाबले के लिए भी नहीं रूके बजरंग
- चोट से वापसी कर रहे दहिया को अमन ने हराया

ऑस्ट्रेलिया-न्यूजीलैंड के बीच टेस्ट रोमांचक

क्राइस्टचर्च । ऑस्ट्रेलिया को रोमांचक मोड़ पर पहुंचे दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच में जीत के लिए 202 रन जबकि न्यूजीलैंड को छह विकेट की जरूरत है. पहली पारी में 82 रन से पीछे रहने वाले न्यूजीलैंड की तरफ से दूसरी पारी में चार बल्लेबाजों ने अर्धशतक जमाए. रचिन रविंद्र ने 82, टॉम लैथम ने 73, डेरिल मिशेल ने 58 और केन विलियमसन ने 51 रन का योगदान दिया. इनके अलावा स्कॉट कुगलेइज़न की 49 गेंदों में 44 रन की तूफानी पारी खेली जिससे न्यूजीलैंड 372 रन बनाने में सफल रहा. ऑस्ट्रेलिया के सामने इस तरह से दो मैच की शृंखला में क्लीन स्वीप करने के लिए 279 रन का लक्ष्य था. ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक चार विकेट पर 77 रन बनाए थे. स्टंप उखड़ने के समय मिशेल मार्श 27 और ट्रेविस हेड 17 रन पर खेल रहे थे. इन दोनों ने दिन के अंतिम 10 ओवर में ऑस्ट्रेलिया को आगे कोई झटका नहीं लगने दिया. मैट हेनरी और बेन सियर्स ने अंतिम सत्र में दो-दो विकेट लिए.

विदर्भ के खिलाफ शार्दुल ने करायी मुंबई की वापसी

भाषा । मुंबई

रणजी ट्रॉफी

- 224 रन बनाए मुंबई ने अपनी पहली पारी में
- शार्दुल ने अपनी टीम के लिए महत्वपूर्ण 75 रन बनाए

दिग्गज बल्लेबाज श्रेयस अय्यर और अजिंक्य रहाणे का रणजी ट्रॉफी में खराब प्रदर्शन जारी रहा, लेकिन शारदुल ठाकुर के हरफनमौला खेल के दम पर मेजबान मुंबई रणजी ट्रॉफी फाइनल के शुरुआती दिन विदर्भ के खिलाफ खराब स्थिति से वापसी करने में सफल रहा. शारदुल ने 69 गेंद में आठ चौके और तीन छक्के की मदद से 75 रन की आक्रामक पारी खेली जिससे 111 रन पर छह विकेट गंवाने वाली मुंबई की टीम ने 224 रन बनाये. शारदुल ने इसके बाद गेंद से भी कमाल करते हुए विदर्भ के सलामी बल्लेबाज ध्रुव शोरे को खाता खोले बगैर पगबाधा कर मुंबई को शानदार शुरुआत दिलायी. दिन का खेल खत्म होने तक विदर्भ ने तीन विकेट पर 31 रन बनाये थे. टीम अब भी मुंबई से 193 रन पीछे है. स्टंप्स के समय सलामी बल्लेबाज अथर्व तायडे 21 रन बनाकर क्रीज पर थे जबकि रात्रि प्रहरी आदित्य ठाकरे उनका साथ दे रहे थे. अपने प्रथम श्रेणी करियर का आखिरी मैच खेल रहे रहे तेज गेंदबाज ने धवल कुलकर्णी ने दिन के आखिरी सत्र में आउटस्विंग का शानदार इस्तेमाल करते हुए अमन मोखाडे (आठ) और अनुभवी करुण नायर (शून्य) को विकेटकीपर हार्दिक तामोरे के हाथों कैच कराकर मैच पर मुंबई का दबदबा बनाया.

हमें 'बैजबॉल' शब्द ने भ्रमित कर दिया: नासिर

धर्मशाला । इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने भारत के खिलाफ हार पर निराशा व्यक्त करते हुए टीम के बल्लेबाजों को अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन पर काम करने और 'बैजबॉल' के प्रति अपना जुनून छोड़ने की सलाह दी. इंग्लैंड ने टेस्ट क्रिकेट में आक्रामक अंदाज में खेलने के लिए 'बैजबॉल' शैली को अपनाया लेकिन भारत के खिलाफ उसकी यह रणनीति नहीं चल पाई और उसे शृंखला में करारी हार का सामना करना पड़ा. 'बैजबॉल' शब्द इंग्लैंड के टेस्ट कोच ब्रैंडन मैकुलम के उपनाम 'बैज' से लिया गया है. हुसैन ने स्काई स्पोर्ट्स में अपने कॉलम में लिखा कि हम इस शब्द 'बैजबॉल' के कारण भ्रमित हो गए. टीम और टीम प्रबंधन को यह शब्द 'बैजबॉल' रास नहीं आ रहा है. उन्हें अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन पर ध्यान देने की जरूरत है. इंग्लैंड की तरफ से 45 टेस्ट मैच में कप्तानी करने वाले हुसैन ने कहा कि विपक्षी टीम को देखिए. उन्होंने जिंदगी के हर पहलू की तरह प्रयास किया और उनसे सीख ली. फिर हमारा पतन क्यों हुआ.

तीनों फॉर्मेट में भारतीय टीम नंबर वन

भाषा । दुबई

भारत ने धर्मशाला में इंग्लैंड को करारी शिकस्त देकर पांच मैच की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की नवीनतम टेस्ट रैंकिंग में पहला स्थान हासिल कर लिया. भारत ने ऑस्ट्रेलिया की जगह शीर्ष स्थान हासिल किया. इस तरह से भारतीय टीम खेल के तीनों प्रारूप की आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज हो गई है. भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तालिका में पहले ही शीर्ष पर बना हुआ है. न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच क्राइस्टचर्च में चल रहे दूसरे टेस्ट मैच का परिणाम कुछ भी रहे रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम शीर्ष पर बनी रहेगी. विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के मौजूदा विजेता ऑस्ट्रेलिया ने वेलिंगटन में पहला टेस्ट मैच 172 रन से जीता था और वह अभी शृंखला में 1-0 से आगे है. भारत के टेस्ट रैंकिंग में अब 122 रेटिंग अंक हो गए हैं जो ऑस्ट्रेलिया से पांच अधिक हैं. इंग्लैंड की टीम 111 रेटिंग अंक के साथ तीसरे स्थान पर है. वनडे में भारत के 121 रेटिंग अंक हैं जबकि ऑस्ट्रेलिया 118 रेटिंग अंक के साथ दूसरे स्थान पर है. टी-20 अंतरराष्ट्रीय में भारत के 266 अंक हैं. इंग्लैंड इस प्रारूप में 256 अंक लेकर दूसरे स्थान पर है. भारत सितंबर 2023 से जनवरी 2024 के बीच टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर रहा था. दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शृंखला बराबरी पर छूटने के कारण भारत दूसरे नंबर पर खिसक गया था.

टेस्ट टीम रैंकिंग

रैंक	टीम	रेटिंग
1	भारत	122
2	ऑस्ट्रेलिया	117
3	इंगलैंड	111
4	न्यूजीलैंड	101
5	द. अफ्रीका	99

वनडे टीम रैंकिंग

रैंक	टीम	रेटिंग
1	भारत	121
2	ऑस्ट्रेलिया	118
3	दक्षिण अफ्रीका	110
4	पाकिस्तान	109
5	न्यूजीलैंड	102

टी-20 टीम रैंकिंग

रैंक	टीम	रेटिंग
1	भारत	266
2	इंग्लैंड	256
3	ऑस्ट्रेलिया	255
4	न्यूजीलैंड	254
5	पाकिस्तान	249

बैडमिंटन भारतीय जोड़ी ने दक्षिण कोरिया के सियो व कांग को सीधे गेम में हराया

सात्विक व चिराग की जोड़ी पुरुष युगल के फाइनल में

भाषा । पेरिस

खास बातें

- 21-13, 21-16 से जीती सात्विक-चिराग के जोड़ी
- केवल 40 मिनट में भारतीय जोड़ी ने मुकाबला अपने नाम किया

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की विश्व में नंबर एक भारतीय जोड़ी ने दक्षिण कोरिया के सियो सेउंग जे और कांग मिन ह्युक को सीधे गेम में हराकर फ्रेंच ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल के फाइनल में प्रवेश किया. भारतीय जोड़ी ने इस साल लगातार तीसरी बार फाइनल में जगह बनाई है. फ्रेंच ओपन में भी यह जोड़ी तीसरी बार फाइनल में पहुंची है. सात्विक और चिराग ने शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल में कोरिया की जोड़ी को 21-13, 21-16 से हराया. सात्विक और चिराग ने दुनिया की दो सर्वश्रेष्ठ जोड़ियों के बीच खेले गए मुकाबले में शुरू से ही दबदबा बनाए रखा और इस साल के शुरू में इंडिया ओपन में मिली हार का बदला चुकता किया. मौजूदा विश्व चैंपियन जोड़ी के खिलाफ पहला गेम आसानी से जीतने के बाद सात्विक और चिराग ने दूसरे गेम में भी कोरियाई जोड़ी को वापसी का मौका नहीं दिया. भारतीय जोड़ी ने यह मुकाबला केवल 40 मिनट में अपने नाम किया. भारतीय जोड़ी फाइनल में चीनी ताइपे के ली झे हुई और यांग पो ह्वान से भिड़ेगी, जिन्होंने सेमीफाइनल में जापान के ताकुरो होकी और यूगो कोबायाशी को हराया.

लक्ष्य सेन का अभियान समाप्त

पुरुष एकल में हालांकि लक्ष्य सेन का अभियान मौजूदा विश्व चैंपियन थाईलैंड के कुनलावुत विटिडसर्न से हारने के बाद समाप्त हो गया. कुनलावुत ने सेमीफाइनल में एक घंटे 18 मिनट तक चले मुकाबले में 20-22, 21-13, 21-11 से जीत दर्ज की.

डब्ल्यूपीएल : एक्लेस्टो व नवगिरे पर जुर्माना

नयी दिल्ली । यूपी वारियर्स की सोफी एक्लेस्टोन और किरण नवगिरे पर यहां दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपनी टीम के मैच के दौरान डब्ल्यूपीएल आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया. दोनों पर शुक्रवार को हुए मैच के दौरान डब्ल्यूपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 का उल्लंघन करने के लिए जुर्माना लगाया गया. डब्ल्यूपीएल के एक बयान के अनुसार, सोफी और किरण दोनों ने अनुच्छेद 2.2 के अंतर्गत लेवल एक का उल्लंघन स्वीकार कर लिया है जो मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण या कपड़े, मैदानी उपकरण के दुरुपयोग से संबंधित है. इसके अनुसार, आचार संहिता के लेवल एक के उल्लंघन के लिए मैच रेफरी का फैसला अंतिम और मान्य होता है.

जोकोविच ने जीत के साथ की इंडियन वेल्स में वापसी

भाषा । इंडियन वेल्स

- 400 मैच जीतने वाले दूसरे खिलाड़ी बने जोकोविच
- जोकोविच ने वुकिच को 6-2, 5-7, 6-3 से हराया

नोवाक जोकोविच ने अलेक्जेंडर वुकिच को 6-2, 5-7, 6-3 से हराकर बीएनपी परिबास इंडियन वेल्स टेनिस टूर्नामेंट में पांच साल बाद जीत के साथ वापसी की. चौबीस बार के ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन जोकोविच इस जीत से राफेल नडाल के बाद एटीपी मास्टर्स 1000 सीरीज प्रतियोगिता में 400 मैच जीतने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं. इंडियन वेल्स में 2019 के बाद पहली बार खेल रहे जोकोविच इस टूर्नामेंट में पांच बार के पूर्व चैंपियन हैं.

कोको गॉफ ने क्लारा बुरेल को हराया : महिला वर्ग में कोको गॉफ ने भी क्लारा बुरेल को 2-6, 6-3, 7-6 (4) से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया. तीसरी वरीयता प्राप्त गॉफ तीसरे दौर में लूसिया ब्रोंजेटी से भिड़ेगी जिन्होंने एन्हेलिना कलिनिना को 6-3, 6-4 से हराया. जेसिका पेगुला हालांकि दूसरे दौर से आगे नहीं बढ़ पाई. उन्हें रूस की अन्ना ब्लिंकोवा ने 6-2, 3-6, 6-3 से हराया. नाओमी ओसाका ने रूस की ल्यूडमिला सैमसोनोवा को 7-5, 6-3 से हराकर बाहर किया.

सिदगोड़ा स्थित टाउनहॉल में आयोजित भारतीय जनतंत्र मोर्चा का एक दिवसीय प्रदेश स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित

झारखंड मे भ्रष्टाचार पर दोहरा मापदंड अब नहीं चलेगाः सरयू राय

संवाददाता। जमशेदपुर

भारतीय जनतंत्र मोर्चा के संरक्षक और जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय ने रविवार को भ्रष्टाचार करने वालों पर कड़ा प्रहार किया. उन्होंने कहा-2015-16 से 2019-20 तक किया गया भ्रष्टाचार, भ्रष्टाचार नहीं है, लेकिन 2020 के बाद तीन भ्रष्टाचार के मामले भ्रष्टाचार कहलाते हैं. यह भ्रष्टाचार पर दोहरा मापदंड है, यह नहीं चलेगा. सरयू राय रविवार को सिदगोड़ा स्थित टाउनहॉल में आयोजित भारतीय जनतंत्र मोर्चा के एक दिवसीय प्रदेश स्तरीय कार्यकर्ता

सम्मेलन में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि दिल्ली में पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने एक बीएमडब्ल्यू कार पर सवारी कर ली तो वह भ्रष्टाचारी हो गए जबकि वह बीएमडब्ल्यू धीरज साहू के नाम से है. लेकिन, जमशेदपुर में 1101 नंबर की इनोवा गाड़ी पर जब पूर्व मुख्यमंत्री, उनकी पत्नी, उनके अन्य रिश्तेदार घूमते रहे, तब यह भ्रष्टाचार का मामला नहीं बना. यह इनोवा भी प्रेम प्रकाश और उसके मित्र भार्गव ने खरीदी थी. यह भ्रष्टाचार के दोहरे मापदंड का ही उदाहरण है.

खास बातें

- इनोवा पर चलने वाला कैसे हो सकता है गैर-भ्रष्टाचारी
- रघुवर व हेमंत सरकार दोनों से पूछताछ करे ईडी

भ्रष्टाचार का मामला उठाया तो नहीं मिला टिकट

सरयू राय ने कहा कि मैं जिस सरकार में मंत्री था, उस सरकार में भ्रष्टाचार के 35 मामले हुए. उन 35 में से कुछ मामलों को मैंने उठाया. चूंकि मैंने मंत्री रहते उन मामलों को उठाया तो मुझे भारतीय जनता पार्टी ने टिकट नहीं दिया. मैंने तो पार्टी से कहा था कि अगर आप मुझे टिकट नहीं देना चाहते तो पहले बता दें. मैं लोगों से कह दूंगा, मीडिया से कह दूंगा कि अब मैं राजनीति से बाहर जा रहा हूं. लेकिन, भाजपा ने मुझे यह भी नहीं करने दिया.

ईडी पक्षपात नहीं करती तो दोनों से पूछताछ करती

राय ने कहा कि हम तो चाहते हैं कि दोनों सरकारों में जितने भी भ्रष्टाचार के मामले हैं, सबकी गिनती करें और दोनों के ऊपर में कार्रवाई करें. अगर ईडी पक्षपात नहीं करती तो दोनों को बुला कर पूछताछ करती. पूजा सिंघल का तो मामला ही अजीब है. 2017 में पूजा सिंघल को तत्कालीन मुख्यमंत्री के दस्तखत से क्लीन चिट दे दिया गया था. उन्हीं आरोपों में ईडी ने पूजा सिंघल को 2022 में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. वह दो साल से जेल में हैं.

भाजमो का राजनीतिक व सामाजिक प्रस्ताव

1. झारखंड की दुर्दशा के लिए झारखंड में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही जिम्मेवार हैं
2. भारतीय जनतंत्र मोर्चा भ्रष्टाचार के मुद्दों पर मुखर होकर संघर्ष करेगा
3. केन्द्रीय जांच एजेंसियों को प्रधानमंत्री के संकल्प को सकार करते हुए ना गलत करेंगे ना करने देंगे, ना खाएंगे ना खाने देंगे, ऐसे देश व राज्य को लूटने वाले हर लोगों पर न्याय संगत कारवाई करनी चाहिए
4. झारखंड में ईडी ने पूजा सिंघल से संबंधित मामले में अपने चार्जशीट में जिन जिन के नामों का उल्लेख किया है, उन सभी पर समान रूप से कारवाई होनी चाहिए
5. झारखंड में रह रहे लोगों के लिए स्थानीयता झारखंड बंटवारे की तिथि 15 नवंबर 2000 के मानक को आधार मानकर होना चाहिए क्योंकि 15 नवंबर 2000 के पूर्व सभी बिहार के ही निवासी थे
6. एक समावेशी स्थानीयता नीति बनानी चाहिए
7. झारखंड आंदोलन का क्रेडिट लेने की प्रवृत्ति का त्याग करना चाहिए
8. स्थायी प्रवृत्ति के कार्य में लगे ठेका मजदूरों, संविदा आधारित कर्मचारी, पारा शिक्षकों, आंगनबाड़ी सेविकाओं, स्वास्थ्य साहियाओं को स्थायी कर्मचारी घोषित किया जाए
9. निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा सीएसआर पर जो खर्च किया जाता है, उसका अंकेक्षण कराकर इसका ब्योरा सरकार को आम जनता के बीच देनी चाहिए
10. कोविड के दौरान वरिष्ठ नागरिकों को रेलवे द्वारा दी जा रही किराए में रियायत की कटौती को समाप्त कर अविलंब कोविड काल के पूर्व की व्यवस्था लागू की जाए.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष चंद्रमा राहु बारहवें भाव में हैं. किसी नए कार्य पर खर्च अधिक होगा और कार्य क्षेत्र में किये गए प्रयासों में सफलता प्राप्त होगी. अपनी योग्यता में वृद्धि करें, कार्य के प्रति उत्साह बना रहेगा. किये गये कार्य का लाभ मिलेगा.

वृषभ शेयर बाजार से लाभ का योग है. आय होगा आपको मेहनत का फल अवश्य मिलेगा, दिन सामान्य रहेगा. अपने जीवन को सुखमय बनाने का प्रयास करेंगे. यात्रा के दौरान कोई नई वस्तु की प्राप्ति होगी. अन्न और जल का दान करें.

मिथुन पिता और सत्कर्म के सहयोग से कर्म का लाभ मिलेगा, पर शरीर में आलस्य की प्रधानता बनी रहेगी. शिक्षा के क्षेत्र में पूर्णतः मन नहीं लग पाएगा. स्वास्थ्य में भी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं.

कर्क कोई धार्मिक यात्रा का प्रबल योग है. भाग्य और धर्म से आय बढ़ेगी. परिवार में आपका या किसी और का स्वास्थ्य खराब होने की संभावना है. क्रोध पर नियंत्रण रखें. किसी से बिना वजह के तकरार से बचना चाहिए. जल का दान करें.

सिंह कोई बड़ा नुकसान होगा मन पर परिवार का सुख भी उत्तम स्तर का प्राप्त होगा. स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें. गलत संगति की ओर मन आकर्षित हो सकता है. किसी से बिना वजह का लड़ाई हो सकता है. मीठा वस्तु का दान करें.

कन्या जीवनसाथी का सुख मिलेगा. पढ़ाई-लिखाई में मन लगेगा. वाहन का प्रयोग करते समय सावधानी बरतें. आज मिथ्या आरोप लग सकते हैं. धन से संबंधित दिक्कतें आ सकती है. मंदिर में जल और अन्न का दान करें.

तुला मौसमी बीमारियों से बचें. कोई पुराना रोग परेशान कर सकता है. अपने काम पर ध्यान दें. शत्रु से बचें. अपनी इच्छा के अनुसार कार्य करेंगे. घर में किसी बात को लेकर तनाव बना रहेगा. गुस्से पर काबू नहीं रहेगा. अकारण क्रोध से बचें.

वृश्चिक शिक्षा में कोई नयी जिमेवारी मिल सकती है. माता की सहायता से लाभदायक फलों की प्राप्ति होगी. पढ़ाई लिखाई में पूरी तरह से मन नहीं लग पाएगा. स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है. पक्षी को जल और अन्न दें.

धनु किसी से बिना वजह का लड़ाई हो सकती है. जुबान पर नियंत्रण आवश्यक है. मेहनत और समझदारी से जीवन सुखमय बनेगा. बड़ों का आदर करने में आगे रहेंगे. परिवार का सुख मिलेगा. गृहस्थ सुख में मधुरता बनी रहेगी.

मकर भाई बहन का सहयोग मिलेगा. पराक्रम में वृद्धि होगी. कोई बड़ा कार्य होने से मन खुश होगा. पारिवारिक सुख मिलेगा. मन में नया उत्साह और जोश देखने को मिलेगा. कामकाज ठीक-ठाक रहेगा. मिठाई का दान बच्चों को करें.

कुंभ कल मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है. वाणी का प्रभाव दूसरों पर अच्छा बना रहेगा. मन में एक नया उत्साह और जोश दिखाई देगा. धन का संचय होगा. कोई बड़ा कार्य करने का मन होगा. शनि को दीपक दान करें.

मीन समय बहुत ही उत्तम है. मानसिक और शारीरिक सुख मिलेगा. परीक्षा-प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त करेंगे. परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है. धन खर्च होगा. यात्रा करते समय सावधानी बरतें. मिठाई का दान करें.

लोन रिकवरी केसः नाबालिग को बंधक बनाने पर बाल संरक्षण आयोग से शिकायत

गढ़वा। भवनाथपुर में कर्ज नहीं चुकाने पर नाबालिग को बंधक बनाने से जुड़े मामले में राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग से शिकायत की गई है. चाइल्ड राइट्स फाउंडेशन के सचिव बैजनाथ कुमार ने रविवार को शिकायत की. गढ़वा के भवनाथपुर इलाके में माइक्रो फाइनेंस कंपनी के मैनेजर और अन्य कर्मचारियों ने लोन नहीं चुकाने पर एक बच्चे को बंधक बना लिया था. इस दौरान बच्चे से जूठे बर्तन और शराब की बोतलें उठवाईं गईं. साथ ही बच्चे की आंखें और किडनी बेचने की धमकी भी दी गई. शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी बैंक मैनेजर को गिरफ्तार कर लिया है. जबकि एक आरोपी फरार हो गया है.

ओबीसी एकता अधिकार मंच के महासम्मेलन में खेसारी लाल ने गीत गुनगुनाये

पिछड़ों से 11 सूत्री मांगों के लिए एकजुट होने का आह्वान

संवाददाता। रांची

ओबीसी एकता अधिकार मंच के तत्वावधान में रविवार को हरमू मैदान में महासम्मेलन का आयोजन किया गया. महासम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में भोजपुरी अभिनेता खेसारीलाल यादव शामिल हुए. ओबीसी एकता अधिकार मंच ने महासम्मेलन में आये सभी लोगों के बीच 11 सूत्री मांग पत्र बांटे. मंच से 11 सूत्री अधिकारों की प्राप्ति के लिए सभी से एकजुट होने का आह्वान किया गया. वक्ताओं ने कहा कि हमारे देश की सामाजिक व राजनीतिक व्यवस्था जटिलताओं व विविधताओं से भरी पड़ी है. इसके बावजूद सामाजिक एकता और सौहार्द देश की विशेषता है.

वक्ताओं ने कहा कि देश में रहनेवाले विभिन्न जाति, उपजाति, अलग-अलग धार्मिक अस्तित्व व सांस्कृतिक मान्यता की पहचान के साथ जीवनयापन करते आ रहे हैं. क्षेत्रीयता व भाषा के आधार पर लोग अपनी अलग- अलग सामाजिक व सांस्कृतिक पहचान के साथ-साथ अपने हक व अधिकार के लिए संघर्षरत हैं. सभी जातियां सामाजिक आर्थिक स्तर पर वर्गों में बंटी हुई हैं. यही कारण है कि पिछड़ी जाति की हालात ठीक नहीं है. झारखंड 15 नवंबर 2000 को अलग राज्य के रूप में स्थापित हुआ है. राज्य में ओबीसी की आबादी 60 फीसदी से अधिक ह, फिर भी सामाजिक व आर्थिक आधार पर ओबीसी के लिए मात्र 14 फीसदी आरक्षण की व्यवस्था है, जो उचित नहीं है. झारखंड में रहने वाले पिछड़े व अति पिछड़े वर्गों के द्वारा जाति के जनसंख्या के आधार पर 52 फीसदी आरक्षण की मांग के समर्थन में आवाज उठनी शुरू हो गई है.

खास बातें

- महासम्मेलन में आये सभी सदस्यों के बीच 11 सूत्री मांग पत्र बांटे गये
- ओबीसी के लिए मात्र 14 प्रतिशत आरक्षण का ही प्रावधान

ओबीसी एकता अधिकार मंच की मुख्य मांगें

- जाति आधारित जनगणना कराकर जनसंख्या के अनुपात में पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के महिला-पुरुष की राजनैतिक हिस्सेदारी व भागीदारी के साथ ही साथ उनकी सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक रिपोर्ट जारी की जाए.
- झारखंड के रांची, लातेहार, सिमडेगा, गुमला, लोहरदगा, खूंटी, पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला, खरसावां, दुमका, पाकुड़, जामताड़ा, साहेबगंज जिलों में जिला स्तरीय नौकरियों में ओबीसी का नियोजन शून्य है, जहां झारखंड के अन्य जिलों की तरह ओबीसी समाज के लिए आरक्षण सुनिश्चित किया जाए.
- जनसंख्या के हिसाब से सभी सरकारी व गैर सरकारी संस्थानों में 52 फीसदी आरक्षण की व्यवस्था की जाए.
- नगर निकाय एवं पंचायत चुनाव में पिछड़ा वर्ग के लिए तय रोस्टर के अनुसार सीटें राज्य सरकार आरक्षित करें और केंद्र सरकार से संविधान संशोधन कराकर विधानसभा, लोकसभा, राज्यसभा, नगर निगम, नगर परिषद, नगर पंचायत व त्रि-स्तरीय ग्राम पंचायत में भी पिछड़े वर्ग के सीटों को आरक्षित करें.
- पिछड़े वर्ग ओबीसी के शिक्षित बेरोजगार युवाओं के लिए 10,000 रुपये मासिक बेरोजगारी भत्ता की व्यवस्था की जाये. पेपर लीक पर केंद्र द्वारा बनाये गये कानून को सख्ती से लागू किया जाये.
- खेसारीलाल बोले- मेरी फिल्म रंग दे बसंती तैयार है, प्रार्थना करें सेंसर बोर्ड इसे पास कर दे
- महासम्मेलन में खेसारीलाल ने अपने निराले अंदाज में कहा- जय झारखंड, जोहार झारखंड. उन्होंने अपनी फिल्म रंग दे बसंती के बारे में बताते हुए कहा कि फिल्म पूरी तरह से बनकर तैयार है और 22 मार्च को रिलीज होगी. इस फिल्म में कश्मीर की खूबसूरत वादियों का मनमोहक नजारा है, जो दर्शकों को बेहद पसंद आएगा. उन्होंने कहा कि फिल्म सभी जगह से पास हो गई है, लेकिन सेंसर बोर्ड से इसे मान्यता नहीं मिली है. सभी मेरे साथ प्रार्थना करें कि सेंसर बोर्ड से इसे पास कर दिया जाए और सभी को इस फिल्म को देखने का अवसर मिले.

भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश प्रभारी जमशेदपुर पहुंचे

भाजपा ने की ओबीसी समाज की चिंता : अरुण शंकर प्रसाद

मुख्य संवाददाता। जमशेदपुर

ओबीसी मोर्चा के प्रदेश प्रभारी अरुण शंकर प्रसाद रविवार को जमशेदपुर पहुंचा. उन्होंने भालूबासा के एक होटल में प्रेस को संबोधित किया. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार प्रेरणास्रोत पंडित दीनदयाल उपाध्याय के द्वारा प्रस्तुत अंत्योदय सिद्धांत के आधार पर नीतियां बना रही है, जिसका लाभ समाज के सभी वर्गों को बिना किसी भेदभाव के मिल रहा है. पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समाज के पिछड़े और कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध होकर निरंतर कार्य कर रहे हैं. आज अनुसूचित जनजाति समाज से देश के राष्ट्रपति बने हैं तो पिछड़ा वर्ग से देश के प्रधानमंत्री बने हैं. गत दिनों ही पार्टी ने ओबीसी समाज से आने वाले कुशल संगठनकर्ता एवं पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ प्रदीप वर्मा को राज्यसभा के लिए उम्मीदवार बनाकर ओबीसी समाज का मान बढ़ाया. भाजपा सिर्फ राजनीति के लिए निर्णय नहीं लेते हैं, बल्कि इसमें सामाजिक न्याय भी सम्मलित होता है. भाजपा जो बोलती है वो करती हैं और जो करती हैं उसे बताती भी हैं. धारा 370 को निरस्त करने, राममंदिर का निर्माण, तीन तलाक खत्म करने जैसे अनेकों निर्णय लिए गए हैं. जो वंचित हैं, उन्हें पार्टी और सरकार सभी जगह, भाजपा साथ लेकर आगे बढ़ रही है.

रामनवमी को लेकर जारी प्रतिबंधों का विरोध

हिंदू धर्म प्रचारकों ने सीएम आवास के समक्ष दिया धरना

संवाददाता। रांची

हजारीबाग और महुदा में रामनवमी पर्व को लेकर जिला प्रशासन द्वारा जारी विभिन्न तरह के प्रतिबंधों के विरोध हिंदुत्व प्रचारकों ने मुख्यमंत्री आवास के सामने धर्ना प्रदर्शन किया. करीब 200 लोगों ने भगवान श्रीराम की प्रतिमा के साथ धरना प्रदर्शन किया. धरना-प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे अमन कुमार ने कहा कि यहां सभी लोग अपनी मांगों के समर्थन में धरना देने यहां आए हैं.

हिंदू धर्म प्रचारकों की मुख्य मांगें

- रामनवमी को राजकीय महोत्सव का दर्जा मिले.
- हजारीबाग और बड़कागांव के महुदी में प्रशासन द्वारा लगाये गए प्रतिबंध पूर्णतः हटाया जाये.
- पिछले वर्ष 2023 की रामनवमी में रामभक्तों पर डीजे को लेकर दर्ज एफआईआर वापस ली जाये
- निर्दोष लोगों को 107 का नोटिस न भेजे प्रशासन

पेज 1 का शेष...

लड़ेंगे, जीतेंगे, झारखंड झुकेगा नहीं...

आज उसी गुरु ने झारखंड को एक नई पहचान दिलाई ताकि आदिवासी मूलवासी को एक पहचान मिल सके. आज हमलोग गर्व से बताते हैं कि झारखंडी हैं, ये आत्म सम्मान हमारे गुरुजी की देन है. और आगे का भी यही संकल्प है कि लड़ेंगे तब तक जब तक शरीर में एक बूंद खून रहेगा, लेकिन झुकेंगे नहीं. क्योंकि झारखंड झुकेगा नहीं. पिछले चार सालों में जनादेश के द्वारा चुनी गयी हेमंत सोरेन ने अबुआ राज अबुआ दिशोम का नारा लगाया था. सरकार ने इन चार सालों में लोगों को विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाया. हेमंत दादा ने विशेष रूप से महिला, बच्चे और बुजुर्गों के हित में काम किया. कल्पना ने कहा कि अगर एक महिला शिक्षित होती है तो पूरा परिवार समाज शिक्षित होगा. इसलिए महिलाओं को आगे लाएं.

आपका बेटा हेमंत आपके साथ है : आगे कल्पना सोरेन ने कहा कि आप लोगों को चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है. आपका लाल आपका बेटा हेमंत सोरेन आपके साथ है, क्योंकि झारखंड का बेटा कभी झुकता नहीं है. जिस तरह से हेमंत जी को अंदर डाला गया है, वो आज की साजिश नहीं है. 2019 से विपक्ष इसलिए पीछे पड़ी हुई थी क्योंकि हेमंत एक आदिवासी हैं. हेमंत बाबू दुमका और बरहेट दो जगह से चुनाव लड़े थे, लेकिन बरहेट से जो प्यार और स्नेह मिला वो प्यार कभी नहीं भूल पाया. आज हमलोग हेमंत सोरेन जिंदाबाद का नारा इतना जोर से लगाएं कि आवाज होटवार जेल के सलाखों से पार होकर हेमंत सोरेन के कानों तक पहुंचे. ताकि उनको लगे कि बरहेट की जनता उन्हें कितना प्यार करती है. आज आपलोग इतना धूप में बैठकर मेरी बात सुन रहे हैं, इसी से पता चलता है कि आपलोग हेमंत सोरेन से कितना प्यार करते हैं. लड़ेंगे, जीतेंगे, झारखंड झुकेगा नहीं का नारा लगाकर अपनी वाणी को कल्पना ने विराम दिया. इस दौरान कार्यकर्ताओं ने जोश के साथ नारेबाजी की.

सीआईएसएफ ने मनाया 55वां स्थापना दिवस

संवाददाता। धनबाद

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल इकाई बीसीसीएल धनबाद द्वारा रविवार को 55वां स्थापना दिवस कोयला नगर मुख्यालय में उप महानिरीक्षक सीआइएसएफ बीसीसीएल धनबाद विनय काजला के नेतृत्व में मनाया गया. इस अवसर पर उप महानिरीक्षक द्वारा स्कूली बच्चों को उनके भविष्य में आगे बढने और कैरियर को मजबूत बनाने के लिये प्रेरणा दी गई. इसी क्रम में बल के अलग-अलग वीडियों के माध्यम से दिखाया गया कि कैसे-कैसे मुश्किल व दुर्गम इलाकों में सीआईएसएफ बल सदस्यों द्वारा राष्ट्रीय सम्पति को सुरक्षा प्रदान करने में अपने जीवन दांव पर लगा रहे हैं.

वर्ष 1969 में सीआईएसएफ में 3000 बल थे, जो अभी 1,70,000 से अधिक हो गई है. वर्तमान में सीआईएसएफ हवाई अड्डों, बंदरगाहों, परमाणु और अंतरिक्ष प्रतिष्ठानों, दिल्ली मेट्रों, इस्पात और वित्त संयत्रों आदि सहित देश के महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को सुरक्षा कवच प्रदान कर रहा है. विशेष सुरक्षा समूह सीआईएसएफ का एसएसजी विभिन्न क्षेणियों के विशिष्ट व्यक्तियों को सुरक्षा प्रदान करने का दायित्व बखूबी निभा रहा है. सीआईएसएफ की अग्निशमन शाखा सार्वजनिक उपक्रमों को अग्नि से सुरक्षा प्रदान कर रहा है.

भूली के दारोगा के खिलाफ एसपी से की गई शिकायत

धनबाद। पांडरपाला की रहने वाली प्रगति कुमारी सिंह ने भूली के दरोगा विजय राम के खिलाफ सिटी एसपी से शिकायत की है. सिटी एसपी को दी गई शिकायत में बताया है कि उसने 2020 में पांडरपाला भूली के ही रहने वाले शिवकुमार सिंह पिता स्व ब्रह्मदेव सिंह को 2 लाख 80 हजार रुपया दिया था, रुपया के बदले एग्रीमेंट किया था कि वो जमीन देंगे. लेकिन उसने जमीन पर बना हुआ घर दिया और पैसा ले लिया. बाद में पता चला कि उक्त जमीन मांझी प्लॉट है, उसमे वह रहने लगी, जुलाई 2023 में उक्त जमीन दान पर दी है, ये बात लिख कर दी है. लेकिन 5 मार्च 2023 को उसने खिलाफ झूठी शिकायत कर दी, कि उसने ये जमीन नहीं लिख कर दी है, भूली के एसआई से मिलकर अब प्रताड़ित किया जा रहा है.

आमने-सामने

धनबाद- जामताड़ा को जोड़ने वाली बराकर नदी पर पुल का हुआ दोहरा भूमि पूजन

एक तरफ सीएम, दूसरी ओर भाजपा सांसद व विधायक ने किया शिलान्यास

राजकुमार महतो। निरसा

धनबाद जामताड़ा को जोड़ने वाली बराकर नदी के बिरगांव और बरबेंदिया घाट पर पुल निर्माण को झारखंड सरकार द्वारा मंजूरी मिलने के बाद रविवार को झारखंड के मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने शिलान्यास किया. वहीं पुल की दूसरी ओर निरसा के भाजपा विधायक अपर्णा सेनगुप्ता ने भी बरबेंदिया पुल पर अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ शिलान्यास किया. इस पुल का श्रेय लेने को लेकर राजनीति शुरू हो गई है और सियासी दलों में होड़ मच गई है. एक ओर जामताड़ा विधायक डॉ. इरफान

अंसारी खुद इसका श्रेय ले रहे हैं तो दूसरी ओर निरसा से भाजपा विधायक अपर्णा सेनगुप्ता अपने खाते में जोड़ने की कोशिश कर रही है.

फोरलेन पुल का होगा निर्माण : पथ निर्माण के अभियंता प्रमुख ने इसके बारे में जानकारी देते हुए बताया कि पुल निर्माण कार्य की स्वीकृति स्टेट हाईवे अथॉरिटी द्वारा दी गई है और इसका सुपरविजन रोड डिवीजन धनबाद जामताड़ा की देखरेख में होगा. उन्होंने इस पुल की कुल लंबाई 1584 मी लगभग बताया.

लगभग 264 करोड़ की लागत से

पुल बन जाता तो नहीं होता हादसा

याद कीजिए 2022 का वह नाव हादसा, जिसमें 14 लोगों की डूबने से मौत गई थी 24 फरवरी 2022 को भयंकर बारिश और आंधी-तूफान में बराकर नदी में एक बड़ा नाव हादसा हुआ था,कुछ लोग किसी तरह तैरकर बाहर निकले तो कुछ लोगों को आसपास के ग्रामीणों ने बचाया शाम के समय हादसा होने के कारण बच्चे, महिला एवं पुरुष कुल मिलाकर 14 लोगों की जान चली गई थी. अगर पुल पहले बना जाता तो यह हादसा नहीं होता.

वर्षों से पुल बनाने की मांग की जा रही थी

जामताड़ा और धनबाद दो जिला को जोड़ने के वाले वीरगांव बरबेंदिया घाट पर पुल नहीं रहने से लोगों को आवागमन करने में काफी परेशानी उठानी पड़ती है. नाव का सहारा लेना पड़ता है. जान जोखिम में डालकर आना-जाना करना पड़ता है. जिससे कई बार लोगों की जान भी चली जाती है बरसों से पुल अधूरा पड़ा हुआ है कई बार लोगों ने सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया, आंदोलन भी किया, 14 लोगों की जान भी चली गई.

झारखंड के स्कूलों ने डेटा...

झारखंड में सिर्फ 2.01% स्कूलों ने ही अपलोड किया डेटा

बोकारो : 0.87%
चतरा : 3.48%
देवघर : 1.30%
धनबादः 0.98 %
दुमका : 1.49%
गढ़वा : 0. 30%
गिरीडीहः 1.72%
गोड्डाः 2.22%
गुमलाः 5.44 %
हजारीबागः 0.79%
जामताड़ा : 1.19 %
खूंटी : 1.43 %
कोडरमा : 0.74%
लातेहारः 1.43%
लोहरदगा : 2.00%
पाकुड़ः 0.00%
पलामू : 2.9 %
प. सिंहभूम : 1.12%
पू. सिंहभूम : 4.63%
रामगढ़ : 3.33 %
रांची : 3.9 %
साहिबगंज : 1.19%
सरायकेला खरसावां : 2.21%
सिमडेगाः 1.33 %

झारखंड में 15.80% छात्रों का ही डेटा अपलोड हुआ

पश्चिमी सिंहभूम : 52.66
सिमडेगाः 35.22
गुमला : 31.40
पूर्वी सिंहभूमः 31.10
पलामूः 23.03
बोकारोः 22.63
सरायकेला खरसावां : 18.41
चतराः 17.84
लोहरदगा : 17.69
रांची : 17.22
रामगढ़ : 13.36
कोडरमाः 12.37
लातेहार : 11.40
देवघरः 10.03
हजारीबाग : 9.55
दुमका : 8.40
साहिबगंज : 7.46
जामताड़ा : 7.27
गढ़वा : 6.77
धनबाद : 6.54
खूंटी : 4.73
गिरीडीह : 4.62
गोड्डा : 4.39
पाकुड : 3.94

टीएमसी की जन-जन सभा रैली

कोलकाताः पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी रविवार को कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में पार्टी की जन-जन सभा रैली के दौरान आगामी उम्मीदवारों के साथ चलती हुईं. फोटो : पीटीआई

ब्रीफ खबरें

विस्फोटक ले जाते समय धमाके में दो की हुई मौत

पेशावर (पाकिस्तान)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में रविवार को एक मोटरसाइकिल से विस्फोटक ले जाए जाने के दौरान हुए विस्फोट में कम से कम दो लोगों की मौत हो गयी तथा एक अन्य घायल हो गया. यह घटना नसीर बाग रोड के बोर्ड बाजार में हुई. शवों और घायल व्यक्ति को खैबर टीचिंग हॉस्पिटल ले जाया गया. इससे पहले, पुलिस अधिकारियों ने बताया था कि यह एक आत्मघाती विस्फोट है. बाद में एसपी (अभियान) काशिफ आफताब अब्बासी ने पुष्टि की कि यह विस्फोट तब हुआ जब तीन लोग एक बाइक से विस्फोटक दूसरे स्थान पर ले जा रहे थे.

पुंछ में एक आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़

जम्मू। सुरक्षा बलों ने रविवार को जम्मू कश्मीर में पुंछ जिले के एक जंगल में आतंकवादियों के एक ठिकाने का भंडाफोड़ किया और सात आईईडी बरादम किये तथा एक वायरलेस सेट जब्त किया. अधिकारियों ने बताया कि यह ठिकाना सुरनकोट इलाके में दारा सांगला में एक गुफा के अंदर था. पुलिस और सेना के संयुक्त खोज दल ने इसका भंडाफोड़ किया. उन्होंने बताया कि ठिकाने से कंबल और कुछ अन्य सामान भी बरामद किए गए हैं. उन्होंने बताया कि एक मामला दर्ज किया गया है और मामले की जांच की जा रही है.

एक ही परिवार के तीन लोग नदी में डूबे

भुवनेश्वर। ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में ईब नदी में नहाते समय दो नाबालिग लड़कों समेत एक ही परिवार के तीन लोग डूब गए. पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान सुंदरगढ़ शहर निवासी मुहम्मद फरहान (15), उसके भाई मुहम्मद रिजवान (17) और उनके चाचा मुहम्मद साजिद (35) के रूप में की गई. पुलिस अधिकारी ने कहा कि तीनों शनिवार को फरहान के जन्मदिन के मौके पर पिकनिक मनाने नदी किनारे गए थे. दोपहर को साजिद और दोनों नाबालिग नहाने के लिए नदी में गये, तभी पैर फिसलने से वे गहरे पानी में चले गए.

पीएम ने महतारी वंदन योजना का डिजिटल तरीके से किया उद्घाटन

भाजपा सरकार ने अपना वादा पूरा किया : नरेंद्र मोदी

भाषा। रायपुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को छत्तीसगढ़ में महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए डिजिटल तरीके से वाराणसी से रिमोट दबाकर महतारी वंदन योजना की शुरुआत की. इस अवसर पर रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उनके मंत्रिमंडल के सदस्य और बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद थे. इस दौरान उन्होंने कहा कि राज्य की 'डबल इंजन' सरकार (केंद्र और राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार) की प्राथमिकता महिलाओं का कल्याण है.

प्रधानमंत्री ने समारोह को डिजिटल तरीके से संबोधित करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने देश में तीन करोड़ महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाने का संकल्प लिया है. मोदी ने रविवार को छत्तीसगढ़ में 'महतारी वंदन योजना' का डिजिटल तरीके से उद्घाटन किया. इस योजना के तहत पात्र विवाहित महिलाओं को एक हजार रुपये की मासिक सहायता दी जाएगी. मोदी ने वाराणसी से रिमोट दबाकर इस योजना की शुरुआत की और 70 लाख से अधिक महिलाओं के बैंक खातों में 655 करोड़ रुपये की राशि का अंतरण किया. उन्होंने योजना की शुरुआत करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की माताओं-बहनों को मेरा प्रणाम. आज मुझे नारी शक्ति को सशक्त बनाने वाली महतारी वंदन योजना को समर्पित करने का सौभाग्य मिला है. महतारी वंदन योजना के तहत छत्तीसगढ़ की 70 लाख से ज्यादा माताओं-बहनों को हर महीने एक हजार रुपये देने का वादा किया गया था. भाजपा सरकार ने अपना वादा पूरा किया है. कहा कि आज महतारी वंदन योजना के तहत 655 करोड़ रुपये की पहली किस्त जारी की गई है.

योजना शुरू

- 3 करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का संकल्प लिया
- 1000 रुपये विवाहित महिलाओं को मासिक सहायता मिलेगी

उन्होंने कहा कि पात्र महिलाओं के खाते में अब हर महीने बिना किसी परेशानी के यह पैसा आता रहेगा और वह इसकी गारंटी दे रहे हैं. कहा कि जब माताएं-बहनें सशक्त होती हैं तो पूरा परिवार सशक्त होता है. इसलिए 'डबल इंजन' सरकार की प्राथमिकता हमारी माता बहनों का कल्याण है. कहा कि आज परिवारों को पक्का घर मिल रहा है, वह भी महिलाओं के नाम पर. उज्ज्वला का सस्ता गैस सिलेंडर मिल रहा है वह भी महिलाओं के नाम पर. 50 फीसदी से ज्यादा जन धन खाते भी हमारी माताओं-बहनों के नाम पर हैं. कहा कि 65 प्रतिशत से ज्यादा मुद्रा लोन भी महिलाओं ने लिया है. खासकर नौजवान बेटियों ने. उन्होंने अपना काम शुरू किया. पिछले दस वर्षों में हमारी सरकार ने सेल्फ हेल्प ग्रुप के माध्यम से 10 करोड़ से अधिक महिलाओं का जीवन बदला. मोदी ने कहा कि हमारी सरकार के प्रयासों से अब तक एक करोड़ से ज्यादा लखपति दीदी बन गई हैं. गांव-गांव में इतनी बड़ी आर्थिक शक्ति बन गई है. इस सफलता को देखते हुए हमने बड़ी छलांग लगाने का फैसला किया.

केरल में सीटों का सूखा खत्म करने के प्रयास तेज कर रही है भाजपा

तिरुवनंतपुरम। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आगामी लोकसभा चुनावों में केरल में अपने लिए सीटों के 'सूखे' को खत्म करने के प्रयास तेज कर रही है. जनता खासतौर से अल्पसंख्यक ईसाई समुदाय तक पहुंच बनाने के समन्वित प्रयासों के साथ पार्टी का उद्देश्य इस दक्षिणी राज्य में पैर जमाना है. हिंदू समर्थक माने जाने वाली भाजपा के लिए केरल का जनसांख्यिकी परिदृश्य एक कठिन चुनौती पेश करता है. राज्य की आबादी में मुस्लिम और ईसाई वर्ग की तादाद अच्छी-खासी है. बहरहाल, पार्टी मतदाताओं के विविध वर्ग को लुभाने की कोशिश में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रही है.

उपचारित जल से भरी जाएंगी अब सूखी झीलें

बेंगलुरु। बेंगलुरु में नगर निकाय प्राधिकारियों ने शहर में भूजल स्रोतों को फिर से भरने के लिए सूख चुकी झीलों में हर दिन 130 करोड़ लीटर उपचारित जल भरने का फैसला किया है. शहर में करीब 50 फीसदी बोरवेल पूरी तरह से सूख गए हैं. बेंगलुरु में जल संकट से निपटने के उद्देश्य से नगर निकाय बेंगलुरु जल आपूर्ति व सीवरेज बोर्ड (बीडब्ल्यूएसएसबी) परीक्षण के बाद जल आपूर्ति के लिए झीलों की तलहटी के समीप एक नवीन प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर फिल्टर बोरवेल भी लगाएगा और जल संयंत्रों का निर्माण करेगा. बीडब्ल्यूएसएसबी के अध्यक्ष राम प्रसाथ मनोहर ने बताया कि यह कदम आईआईएससी के साथ मिलकर उठाया गया है.

शिलांग में आईईडी विस्फोट होने से एक घायल

शिलांग। पंजाबी लेन इलाके में इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) विस्फोट होने से एक व्यक्ति घायल हो गया. पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि विस्फोट शनिवार रात करीब साढ़े दस बजे हुआ. पूर्वी खासी हिल्स जिले के पुलिस अधीक्षक ऋतुराज रवि ने बताया कि रात करीब 10.30 बजे सिंडिकेट बस स्टैंड, पंजाबी लेन के पास एक विस्फोट हुआ. विस्फोट एक छोटे से टिन के ढांचे के अंदर हुआ था. उन्होंने कहा कि नुकसान केवल टिन के ढांचे और पास की कुछ खिड़कियों के शीशों तक ही सीमित था. नुकसान के बारे में और जानकारी की प्रतीक्षा है. पुलिस अधीक्षक ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि विस्फोट आईईडी के कारण हुआ है.

शाहजहां शेख की सीबीआई हिरासत चार दिन बढ़ी

बशीरहाट (पश्चिम बंगाल)। यहां की एक अदालत ने संदेशखलि में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों पर भीड़ के हमले के मुख्य आरोपी शाहजहां शेख की सीबीआई हिरासत रविवार को और चार दिनों के लिए बढ़ा दी. अदालत ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के अनुरोध पर यह आदेश जारी किया. कलकत्ता उच्च न्यायालय के एक आदेश पर मामले की जांच सीबीआई को हस्तांतरित किये जाने के साथ छह मार्च को उसे शेख की हिरासत सौंपी गई थी. प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों पर उस वक्त हमला किया गया था, जब वे शेख के संदेशखलि स्थित परिसर में छापा मारने पहुंचे थे. शेख को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से अब निलंबित कर दिया गया है.

मादक पदार्थ तस्करी गिरोह के 9 सदस्य गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी गिरोह के नौ सदस्यों के पास से 22 किलोग्राम अफीम जब्त की और उन्हें गिरफ्तार किया. इस संबंध में छह सीमा शुल्क अधिकारियों पर भी मामला दर्ज किया गया है. पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने कहा कि 30 बैंक खातों से लेन-देन पर रोक लगा दी गई है. जिनमें नौ करोड़ रुपये जमा हैं. यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि जालंधर कमिश्नरेट पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी गिरोह के सदस्यों के पास से 22 किलोग्राम अफीम जब्त की और गिरोह के नौ सदस्यों को गिरफ्तार किया है. कहा कि अफीम के उत्पादक और खरीदकर्ता को झारखंड से 12 किलोग्राम अफीम के साथ गिरफ्तार किया गया.

कुमारस्वामी ने सिद्धरमैया की तुलना नीरो से की

बेंगलुरु। जनता दल (सेक्युलर) के नेता एचडी कुमारस्वामी ने रविवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया पर कटाक्ष करते हुए उनकी तुलना रोमन साम्राज्य के सम्राट नीरो से की और कहा कि उन्हें लोगों की नहीं बल्कि केवल चुनाव की चिंता है. पूर्व मुख्यमंत्री कुमारस्वामी ने कहा कि ऐसा लगता है कि सिद्धरमैया सरकार राज्य में सूखे की स्थिति और लोगों की परेशानियों का मखौल उड़ा रही है. कुमारस्वामी ने यहां जारी बयान में कहा कि राज्य में जबरदस्त सूखा पड़ा है. जलसंकट गहरा गया है. लोगों और मवेशियों को पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा है. इस स्थिति के बावजूद, कांग्रेस सरकार करदाताओं के करोड़ों रुपये गारंटी सम्मेलनों में खर्च कर रही है. यह शर्मनाक है.

एसयूवी व ट्रक की टक्कर में तीन युवकों की मौत

लखीमपुर खीरी (उप्र)। लखीमपुर खीरी जिले के मैलानी थाना इलाके में रविवार सुबह एक एसयूवी और ट्रक की टक्कर में तीन युवकों की मौत हो गयी और दो अन्य घायल हो गये. पुलिस ने बताया कि रविवार सुबह मैलानी पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत नौवा खेड़ा गांव के पास गोला-खुटार राजमार्ग पर एक भीषण दुर्घटना में तीन युवकों की मौत हो गयी जबकि दो अन्य घायल हो गए. पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान जचल सिंह (30), कुंदन सिंह (35) और प्रतीक शर्मा (30) के रूप में हुई है. तीनों उत्तराखंड राज्य के पिथौरागढ़ के रहने वाले थे. उन्होंने बताया कि घायलों में पिथौरागढ़ के नरेंद्र सिंह (31) और अनिकेत सिंह (30) शामिल हैं.

व्रत का खाना खाकर 50 से अधिक लोग पड़े बीमार

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर जिले में 50 से अधिक लोग 'महाशिवरात्रि' के दौरान व्रत का खाना खाकर बीमार पड़ गए. ये लोग जिले के कामठी और नागपुर शहर के कुछ इलाकों के रहने वाले हैं. इन लोगों ने शुक्रवार को महाशिवरात्रि पर व्रत रखा था. पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि कामठी इलाके के कुछ लोगों ने व्रत के लिए बनाया गया फलाहार दुकानों तथा सड़क किनारे की गुमटियों से खरीदा था और इसे खाने के बाद उन्हें पेट दर्द और मितली की शिकायत हुई. धंतोली पुलिस थाने के अधिकारियों ने बताया कि शहर के गणेश नगर इलाके में शुक्रवार को सिंघाड़े के आटे से बनी 'जलेबी' (मिठाई) और अन्य खाद्य पदार्थ खाने के बाद एक परिवार के सात सदस्य बीमार हो गए.

आसिफ अली जरदारी बने पाकिस्तान के 14वें राष्ट्रपति

भाषा। इस्लामाबाद

आसिफ अली जरदारी ने रविवार को पाकिस्तान के 14वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली. एक दिन पहले उन्हें भारी मतों के अंतर से देश के नये राष्ट्राध्यक्ष के रूप में चुना गया था. पाकिस्तान के प्रधान न्यायाधीश काजी फैज ईसा ने राष्ट्रपति भवन 'ऐवान-ए-सदर' में 68 वर्षीय जरदारी को पद की शपथ दिलाई. जरदारी, डॉ. आरिफ अल्वी की जगह लेंगे, जो सितंबर 2023 में अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करने के बावजूद पांच महीने तक पद पर बने रहे. शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, सेना के तीनों अंगों के प्रमुख, वरिष्ठ अधिकारी और राजनयिक उपस्थित थे. सत्तारूढ़ गठबंधन के संयुक्त उम्मीदवार और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के सह-अध्यक्ष जरदारी ने शनिवार को महमूद खान अचकजई को भारी मतों के अंतर से हराया. इसके बाद उन्हें दूसरी बार देश के राष्ट्रपति के रूप में चुना गया. पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी द्वारा समर्थित अचकजई सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल (एसआईसी) के उम्मीदवार थे.

टीएमसी ने जारी की 42 उम्मीदवारों की लिस्ट

कोलकाता उत्तर	सुदीप बंदोपाध्याय	मुर्शिदाबाद	अबू ताहिर खान
कूच बिहार (एससी)	जगदीश चंद्र बसुनिया	कृष्णानगर	महुआ मोइत्रा
अलीपुरद्वार (एसटी)	प्रकाश चिक बड़ाईक	रानाघाट (एससी)	मुकुट मणि अधिकारी
जलपाईगुड़ी (एससी)	निर्मल चंद्र रॉय	बनगांव	विश्वजीत दास
दार्जिलिंग	गोपाल लामा	बैरकपुर	पार्थ भौमिक
रायगंज	कृष्णा कल्याणी	दमदम	प्रोफेसर सौगत रॉय
बालुरघाट	बिप्लब मित्रा	तमलुक	देबांगशु भट्टाचार्य
मालदा उत्तर	प्रसून बनर्जी	कंठी	उत्तम बारिक
मालदा दक्षिण	शाहनवाज अली रहमान	घाटल	दीपक अधिकारी (देव)
बारासात	काकोली घोष दस्तीदार	झारग्राम (एसटी)	कालीपाड़ा सोरेन
जॉयनगर (एससी)	प्रतिमा मंडल	मेदिनीपुर	जून मालिया
मथुरापुर (एससी)	बापी हलदर	आसनसोल	शत्रुघ्न सिन्हा
डायमंड हार्बर	अभिषेक बनर्जी	बोलपुर (एससी)	असित कुमार मल
जादवपुर	सायोनी घोष	बीरभूम	शताब्दी रॉय
कोलकाता दक्षिण	माला रॉय	पुरुलिया	शांतिराम महतो
हावड़ा	प्रसून बनर्जी	बांकुरा	अरूप चक्रवर्ती
उलूबेरिया	सजदा अहमद	बिष्णुपुर (एससी)	सुजाता मंडल
सेरामपुर	कल्याण बनर्जी	बर्धमान पुरबा (एससी)	डॉ शर्मिला सरकार
हुगली	रचना बनर्जी	बर्धमान दुर्गापुर	कीर्ति आजाद
आरामबाग (एससी)	मिताली बाग	बशीरहाट	हाजी नुरुल इस्लाम
जंगीपुर	खलीलुर्रहमान	बहरामपुर	युसूफ पठान (पूर्व भारतीय क्रिकेटर)

पंजाब में रेल पटरियों पर धरने पर बैठ गए किसान

चंडीगढ़ (भाषा)। एमएसपी की कानूनी गारंटी समेत विभिन्न मांगों को पूरा करने को लेकर केंद्र पर दबाव बनाने के लिए संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) व किसान मजदूर मोर्चा के आह्वान पर 'रेल रोको' आंदोलन के तहत रविवार को पंजाब के विभिन्न इलाकों में किसान रेल पटरियों पर धरने पर बैठ गए. किसानों ने अपनी मांग पूरी नहीं करने के लिए केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की. ट्रेन सेवाएं बाधित होने की वजह से यात्रियों को असुविधा हुई. प्रदर्शन दोपहर 12 बजे शुरू हुआ और शाम चार बजे तक खत्म होगा. किसानों ने कहा कि वे अमृतसर, लुधियाना, तरनतारन, होशियारपुर, फिरोजपुर, फजिल्का, संगरूर, मनसा, मोगा और बठिंडा समेत 22 जिलों में 52 स्थानों पर रेल पटरियों पर धरना देंगे. संयुक्त किसान मोर्चा में शामिल किसान संगठन भारती किसान यूनियन (एकता उगराहां), बीकेयू (दकौंदा-धनेर) व क्रांतिकारी किसान यूनियन भी रेल रोको आंदोलन में शामिल हैं.

कॅरियर-काउंसिलिंग

प्लास्टिक इंजीनियरिंग में बना सकते हैं कॅरियर

रजनीश प्रसाद। रांची

प्लास्टिक इंजीनियरिंग में बीटेक 4 साल की अवधि का बैचलर्स कोर्स है. इस कोर्स को प्लास्टिक इंजीनियरिंग के विशेष कॉन्सेप्ट्स को व्यक्त करने के लिए डिजाइन किया गया है. इसमें प्लास्टिक प्रोसेसिंग, प्लास्टिक और सिंथेटिक मैटेरियल मैन्यूफैक्चरिंग, प्लास्टिक स्टोरेज साइंस, सिंथेटिक मैटेरियल डेवलपमेंट आदि जैसे विषय शामिल हैं. कोर्स के अंतर्गत, छात्रों को प्रमुख निर्माण स्थलों में साइट ट्रेनिंग के लिए भी ले जाया जाता है और मोल्डिंग विधियों और मिश्रण तैयार करने और गुणवत्ता का उपयोग करने पर प्रशिक्षण दिया जाता है.

स्किल्स

- टीम वर्क
- कम्युनिकेशन स्किल्स
- एनालिटिकल स्किल्स
- प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स
- टाइम मैनेजमेंट
- अंडर प्रेशर काम करने की क्षमता

प्लास्टिक इंजीनियरिंग विदेशी विश्वविद्यालय

- हार्वर्ड यूनिवर्सिटी
- ऑकलैंड विश्वविद्यालय
- मैनचेस्टर विश्वविद्यालय
- लौघ्बोरौघ विश्वविद्यालय
- मैसाचुसेट्स लोवेल विश्वविद्यालय
- शेफील्ड विश्वविद्यालय
- वाइकाटो विश्वविद्यालय
- पेंसिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी
- स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी
- इम्पीरियल कॉलेज लंदन
- यूनिवर्सिटी ऑफ़ अल्बर्टा

भारतीय विश्वविद्यालय

- एमिटी स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, नोएडा
- सभी आईआईटी
- लखनऊ इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी, लखनऊ
- इंडस इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, ऊना
- रूंगटा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, भिलाई
- मेडी-कैप्स विश्वविद्यालय, इंदौर
- विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी, जयपुर
- दिल्ली यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली

विदेश में आवेदन प्रक्रिया

- आपकी आवेदन प्रक्रिया का फर्स्ट स्टेप सही कोर्स और यूनिवर्सिटी का चुनाव है.
- कोर्स और यूनिवर्सिटी के चुनाव के बाद उस कोर्स के लिए उस यूनिवर्सिटी की पात्रता मानदंड के बारे में रिसर्च करें.
- आवश्यक टेस्ट स्कोर और दस्तावेज एकत्र करें.
- यूनिवर्सिटी की साइट पर जाकर एप्लीकेशन फॉर्म भरें या फिर आप Leverage Edu एक्सपर्ट्स की भी सहायता ले सकते हैं.
- ऑफर की प्रतीक्षा करें और सिलेक्ट होने पर इंटरव्यू की तैयारी करें.
- इंटरव्यू राउंड क्लियर होने के बाद आवश्यक ट्यूशन शुल्क का भुगतान करें और स्कॉलरशिप, छात्रवीजा, एजुकेशन लोन और छात्रावास के लिए आवेदन करें.

भारतीय विश्वविद्यालयों में आवेदन प्रक्रिया

1. सबसे पहले अपनी चुनी हुई यूनिवर्सिटी की ऑफिशियल वेबसाइट में जाकर रजिस्ट्रेशन करें.
2. यूनिवर्सिटी की वेबसाइट में रजिस्ट्रेशन के बाद आपको एक यूजर नेम और पासवर्ड प्राप्त होगा.
3. फिर वेबसाइट में साइन इन के बाद अपने चुने हुए कोर्स का चयन करें, जिसे आप करना चाहते हैं.
4. अब शैक्षिक योग्यता, वर्ग आदि के साथ आवेदन फॉर्म भरें.
5. इसके बाद आवेदन फॉर्म जमा करें और आवश्यक आवेदन शुल्क का भुगतान करें.
6. यदि एडमिशन, प्रवेश परीक्षा पर आधारित है तो पहले प्रवेश परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन करें.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)